आषाढ़ कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 | रांची, सोमवार, 01 जुलाई 2024, वर्ष-25, अंक- 149, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

नए कानून में कितनी धाराएं

नए कानून के तहत 177 प्रावधान बदले गए हैं जबकि नौ नई धाराएं और 39 उपधाराएं जोड़ी हैं। इसके अलावा 35 धाराओं में समय सीमा तय की गई है। वहीं, नए भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 170 प्रावधान हैं। इससे पहले वाले कानून में 167 प्रावधान थे।

कानून के प्रकार : भारतीय कानूनी प्रणाली भारत में विभिन्न प्रकार के कानूनों पर प्रकाश डालती है, जिनमें आपराधिक कानून, सिविल कानून, संवैधानिक कानून, पारिवारिक कानून और कॉर्पोरेट और वाणिज्यिक कानून शामिल हैं।

1248 कानून हैं भारतीय कानून व्यवस्था में **हमारे पास**

कानून के प्रमुख स्रोत

भारत में कानून के मुख्य स्रोत संविधान, विधान, विधेयक, परंपरागत कानून और अदालतों के निर्णय पर आधारित कानून हैं। संसद, राज्यों के विधान मंडल और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभा द्वारा विधान बनाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त भारत में कई कानून ऐसे हैं जिन्हें 'उपकानून' माना जाता है।

देश में अमृत महोत्सव काल चल रहा है समुद्र मंथन के विषय में सभी जानते हैं कि इस मंथन में कई दिव्य शक्तियां और वस्तुएं जनकल्याण के लिए निकली थीं किंतु इसी क्रम में वर्ष 2023 में हुए कानून मंथन में जनकल्याण के लिए बहुत कुछ अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया था लेकिन इस बात पर कुछ तो संतोष करना पड़ रहा है कि कानूनी परिपेक्ष्य में हुआ बदलाव आगामी वर्षों में मील का पत्थर सिद्ध होगा। तीन नए कानून संहिता में भारतीय शब्द जुड़ा है यह हमें गौरवान्वित करता है। कानून में हुआ थोड़ा बदलाव न्यायिक पदाधिकारी पुलिस जांच अधिकारियों और अधिवक्ताओं की कार्य प्रणाली को और अधिक गतिशील कर देगा शायद इस वाक्य से निजात मिलेगा कि कोर्ट में तारीख पर तारीख ही मिलती है। केस-मुकदमे जल्द निष्पादित नहीं होते, कानून संहिता में बदलाव से जनता जनार्दन को थोड़ी राहत जरूर मिलेगी कि कोर्ट का ज्यादा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। सजा के प्रावधानों में मनोवैज्ञानिक स्वरूप की कमी है इन कानून के संचालित होने से न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों में सक्रियता बढ़ जाएगी, अफसरशाही से थोड़ी राहत मिलेगी। रिश्वतखोरी में भी कमी आएगी, गवाह और साक्ष्य कुछ सीमा तक सुरक्षित हो सकते हैं, दोषी व्यक्ति बेचैन और प्रताड़ित होंगे इस बदलाव से।

आज से बदलेगा कानून, हत्या पर नई धारा-नई सजा

क्यों नहीं मिलेगी अब तारीख पर तारीख

कैसा है इन बड़े कानूनों में बदलाव

ये तीन कानून भारत की पुलिस और न्याय व्यवस्था की धुरी है। अपराध संबंधी विवेचना से लेकर कानूनी प्रक्रिया तक इनका उपयोग होता है। सामान्य नागरिक भी इन कानूनों की धाराओं से परिचित है और प्रमुख अपराधों से संबंधित धाराओं के बारे में जागरुक है। लेकिन इस बड़े बदलाव के बाद पूरी न्यायिक प्रक्रिया में बड़ा बदलाव देखने मिलेगा। इन तीन प्रमुख कानूनों में बदलाव कुछ इस तरह होगा।

1. **भारतीय न्याय संहिता 2023 :** भारतीय न्याय संहिता 2023 जो नया कानून है, ये भारतीय दंड संहिता 1860 (Indian Penal Code) की जगह लेगा। खास बात ये है कि Indian Penal Code -1860 में 511 धाराएं थी, लेकिन नए कानून भारतीय न्याय संहिता में सिर्फ 358 धाराएं हैं। भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह की धारा हटा दी गयी है, लेकिन भारत की संप्रभुता,एकता और अखंडता के खिलाफ अलगाववाद या विद्रोह फैलाने की कोशिश के लिए राष्ट्रद्रोह के अंतर्गत परिभाषित किया गया है। नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग जैसे अपराध में मौत की सजा का प्रावधान है।

2. **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 :** भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता- 1973 Criminal Procedure Code (CrPC) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता- 2023 ले लेगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में Criminal Procedure Code (CrPC) की 484 धाराओं के मुकाबले 531 धाराएं हैं। कानून में किए गए बदलाव अपराध की विवेचना से लेकर न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाएंगे। इसमें मामलों की तय समय में जांच और सुनवाई का प्रावधान किया गया है। खास बात ये है कि जांच और सुनवाई पूरी होने के बाद 30 दिन के भीतर फैसला देने का प्रावधान भी है। यौन अपराध से जुड़े मामलों में पीड़ितों के बयान की वीडियोग्राफी अनिवार्य कर दी गयी है। अपराध में संलिप्तता पाए जाने पर संपत्ति कुर्क करने के लिए इस कानून में नया प्रावधान किया गया है।

3. **भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 :** ये नया कानून भारतीय साक्ष्य अधिनियम (Indian Evidence Act) 1872 की जगह पर लागू होगा। नए कानून में 170 धाराएं हैं। जबकि Indian Evidence Act में 167 धाराएं थीं। अब अदालत में इलेक्ट्रानिक और डिजिटल साक्ष्य पेश किए जा सकेंगे। जिनमें स्मार्टफोन, लैपटॉप, एसएमएस, वेबसाइट, मेल, इलेक्ट्रानिक उपकरण, कंप्यूटर, डिजिटल रिकॉर्ड, ईमेल और सर्वर लॉग को पेश और स्वीकृत किया जा सकेगा। इनकी मान्यता कागज में रखे जाने वाले रिकार्ड के समकक्ष होगी। नए कानून के तहत केस डायरी, एफआईआर, आरोप पत्र और प्रकरण से संबंधित सभी जानकारी का डिजिटिलाइजेशन किया जाएगा।

राजद्रोह की धारा हटी, लेकिन आतंकी गतिविधियों पर सख्त कानून

भारतीय दंड संहिता 1860 का स्थान लेने जा रही भारतीय न्याय संहिता में राजद्रोह की धारा को खत्म किया गया है, लेकिन देश की एकता अखंडता और संप्रभुता को खतरा पहुंचाने,अलगाववाद और विद्रोह की कोशिश को राष्ट्रद्रोह के अंतर्गत परिभाषित किया गया है। देश को नुकसान पहुंचाने के लिए विस्फोटक पदार्थ और जहरीली वस्तुओं का उपयोग करने पर आतंकवाद की धाराओं में मुकदमा चलेगा। सजा और कानूनी प्रक्रिया से बचने के लिए विदेश भागने वालों पर मुकदमा चल सकेगा। अगर पुलिस विदेश में बैठे अपराधी को तय समय में नहीं पकड पाएगी,तो भी कोर्ट में प्रकरण पेश किया जा सकेगा। राजद्रोह के मामले में आईपीसी की धारा 124 -ए नए कानून के तहत धारा 150 के रूप में पहचानी जाएगी। भारत सरकार के खिलाफ उकसाने और युद्ध छेड़ने जैसे प्रयास पर आईपीसी की धारा 121 के तहत प्रावधान था लेकिन अब ये धारा 146 कहलाएगी।

महिला अपराध में देश भर में कहीं भी होगी एफआईआर

महिलाओं के साथ होने वाले अपराध के मामलों में कानून को सख्त और महिला वर्ग को ध्यान में रखकर प्रावधान किए गए हैं। नए प्रावधान के तहत किसी महिला के साथ हुए दुष्कर्म की घटना में पीड़िता देश के किसी भी राज्य में कहीं भी जीरो पर केस दर्ज करा सकेगी। अब तक ये व्यवस्था राज्य स्तर पर लागू थी लेकिन अब ये राष्ट्रीय स्तर पर लागू होगी। वहीं यौन अपराध से जुड़े मामले में प्रावधान किया गया है कि यौन संबंधों के लिए पहचान छिपाना और झूठे वादे अपराध की श्रेणी में माने जाएंगे। नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म को पॉक्सो एक्ट के साथ जोड़ दिया गया है। जिसमें आजीवन कारावास या मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। सामूहिक दुष्कर्म के मामलों में 20 साल की कैद और आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। आईपीसी में बलात्कार का मामला धारा 376 के अंतर्गत आता था। अब ये धारा 63 के अंतर्गत जाना जाएगा और धारा 64 में सजा के प्रावधान हैं। सामूहिक दुष्कर्म के मामले धारा 70 के अंतर्गत आएंगे।

भूल जाएं पुरानी धाराएं, नहीं तो हो जाएगी गफलत

दरअसल लंबे समय से चले आ रहे इन प्रावधानों के कारण आम आदमी भी ज्यादातर अपराध को धारा से संबोधित करते हैं। जैसे हत्या के लिए धारा 302 लेकिन अब ये धारा 103 के तहत आएगी। खास बात ये है कि धारा 302 को अब चैन स्नेचिंग की धारा माना गया है। छेड़छाड़ की धारा 354 की पहचान अब मानहानि की धारा के तौर पर होगी। पहले मानहानि की धारा को 499 के तौर पर जाना जाता था। धोखाधड़ी से मामले में धारा 420 का प्रयोग अब नहीं किया जा सकेगा। धोखाधडी अब धारा 316 के तहत आएगी।

गंभीर अपराध में तीन साल के भीतर न्याय

नए कानून के तहत गंभीर अपराध के मामले में विवेचना और न्यायिक प्रक्रिया को लंबा नहीं खींचा जा सकेगा। कानून में बदलाव के कारण अब गंभीर अपराधों में 3 साल के भीतर न्याय प्रदान करना होगा। पुलिस की विवेचना में देरी और मनमर्जी पर अंकुश लगाने के लिए नयी धाराएं बनाकर प्रावधान किया गया है। इसके तहत तय समय सीमा में विवेचना, तलाशी और जब्ती की वीडियोग्राफी, गिरफ्तार व्यक्तियों के बारे में परिजनों को जानकारी देना अनिवार्य किया गया है।

पीड़ितों और गवाहों के लिए हैं राहत वाले प्रावधान...

नए कानूनों के तहत पीड़ितों और गवाहों की समस्याओं को ध्यान में रखकर कई प्रावधान किए गए हैं। अब किसी मामले में कोई गवाह घर बैठकर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बयान दर्ज करा सकेगा। कोर्ट जाने की जरूरत नहीं होगी। 3 साल से कम सजा वाले केस और 60 से ज्यादा उम्र वालों से पूछताछ के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति अनिवार्य होगी। 7 साल से ज्यादा सजा के मामलों में फोरेंसिक रिपोर्ट अनिवार्य होगी। 7 साल से ज्यादा सजा के मामले में पुलिस हथकड़ी लगाने के लिए स्वतंत्र रहेगी।

हिट एंड रन मामलों में सजा की अवधि बढ़ी

सड़क दुर्घटना से संबंधित हिट एंड रन मामले में अब दोषी को 10 साल तक की सजा भुगतनी होगी। पहले सिर्फ दो साल की सजा होती थी, जिसे बढ़ाकर 10 साल कर दिया है। दरअसल हत्या जैसे अपराध से बचने के लिए हिट एंड रन जैसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

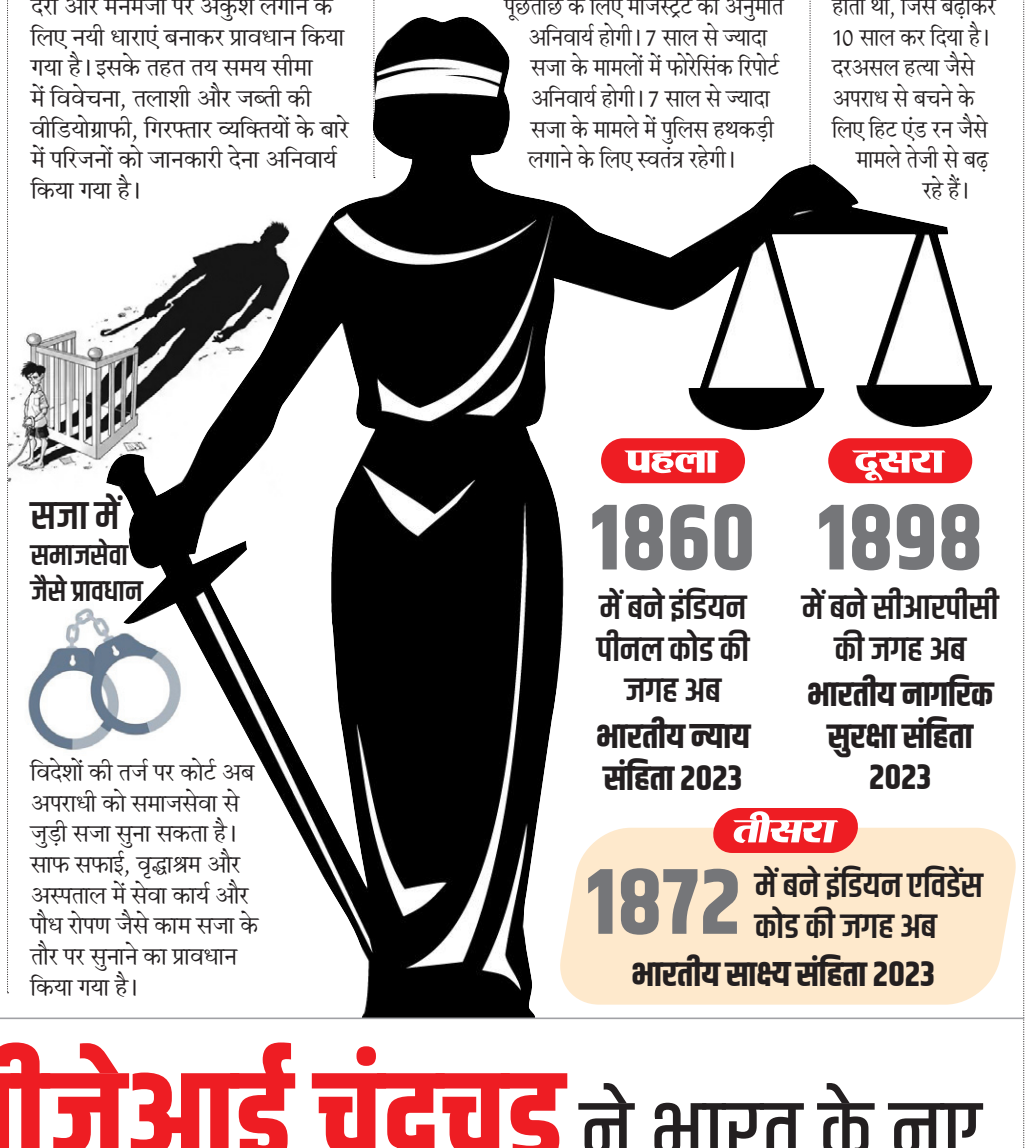

सजा में समाजसेवा जैसे प्रावधान

विदेशों की तर्ज पर कोर्ट अब अपराधी को समाजसेवा से जुड़ी सजा सुना सकता है। साफ सफाई, वृद्धाश्रम और अस्पताल में सेवा कार्य और पौध रोपण जैसे काम सजा के तौर पर सुनाने का प्रावधान किया गया है।

पहला
1860 में बने इंडियन पीनल कोड की जगह अब **भारतीय न्याय संहिता 2023**

दूसरा
1898 में बने सीआरपीसी की जगह अब **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023**

तीसरा
1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड की जगह अब **भारतीय साक्ष्य संहिता 2023**

ये हैं खास तथ्य

- दुष्कर्म में पीड़ित की मृत्यु व अपंगता पर मृत्युदंड की सजा होगी
- पहले से हत्या में सजायाफ्ता को दूसरी हत्या में उम्रकैद या मृत्युदंड
- दुष्कर्म-छेड़खानी पीड़िता के बयान महिला मजिस्ट्रेट ही दर्ज करेंगी
- महिला मजिस्ट्रेट न होने पर किसी महिला कर्मी की मौजूदगी जरूरी
- अब किसी भी घटनास्थल का मुकदमा किसी भी थाने में दर्ज हो सकेगा
- ऑनलाइन-व्हाट्सएप के जरिये भेजी तहरीर पर दर्ज करनी होगी रिपोर्ट
- महिला और बाल अपराध में दो माह में करनी होगी विवेचना पूर्ण
- अब जेल जाने के 40 दिन के अंदर पीसीआर लेने की सुविधा तय
- गवाह या वादी को व्हाट्सएप पर ही समन-वारंट भेजा जाना मान्य
- हर घटना की जांच में वीडियो फुटेज-वैज्ञानिक साक्ष्य पहले दिन से करने होंगे तैयार, केस डायरी में भी होंगे शामिल
- घटनास्थल, बरामदगी, पब्लिक की गवाही, वादी की गवाही, पीसीआर पर बरामदगी के बनाने होंगे वीडियो फुटेज

धाराओं में ये होगा बदलाव

महिला संबंधी अपराध

आईपीसी	बीएनएस
354	74
354ए	75
354बी	76
354सी	77
354डी	78
509	79

चोरी संबंधी अपराध

आईपीसी	बीएनएस
379	303(2)
411	317(2)
457	331(4)
380	305

लूट संबंधी अपराध

आईपीसी	बीएनएस
392	309(4)
393	309(5)
394	309(6)

हत्या-आत्महत्या संबंधी अपराध

आईपीसी	बीएनएस
302	103(1)
304(बी)	80(2)
306	108
307	109
304	105
308	110

धोखाधड़ी संबंधी अपराध

आईपीसी	बीएनएस
419	319(2)
420	318(4)
466	337
467	338
468	336(3)
471	340(2)

नोट- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी)-भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)

व्हाट्सएप, टेलीग्राम व E-mail से भी दर्ज करा सकेंगे FIR

आज से बदल जाएंगे ये नियम
New criminal laws

आगामी एक जुलाई से एफआईआर के लिए थाने की जरूरत नहीं होगी। आप व्हाट्सएप, टेलीग्राम या ई-मेल जैसे माध्यम से भी एफआईआर दर्ज करा सकेंगे। अब थाने से यह कहकर आपको टाला नहीं जा सकेगा कि संबंधित थाने में जाकर एफआईआर दर्ज करवाएं। ये कहना था एसीजेएम न्यायधीश सुंदर लाल खारोल का वरिष्ठ सिविल न्यायधीश ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि पहली बार 'सामुदायिक सेवा' को दंड के रूप में बीएनएस की धारा 4 में शामिल किया है, ताकि जेलों की भीड़ कम हो। एसीजेएम न्यायधीश धर्मेंद्र पंवार ने बताया कि नए कानून लागू होने पर अपराध के लिए देश में कहीं भी एफआईआर दर्ज हो सकेगी। एफआईआर संबंधित थाने में स्वतः ट्रांसफर हो जाएगी और वहां एफआईआर को नंबर मिल जाएगा। संज्ञेय अपराध में थाने में माध्यम से दी गई सूचना के आधार पर एफआईआर दर्ज हो सकेगी। उन्होंने बताया कि व्हाट्सएप- टेलीग्राम सहित किसी भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से एफआईआर दर्ज हो सकेगी, जिसको लेकर ऑनलाइन दर्ज कराने के बाद तीन दिन के भीतर प्रार्थी को संबंधित थाने में उपस्थित होकर हस्ताक्षर करने होंगे। थाने में एफआईआर दर्ज नहीं होने पर पहले की तरह ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एफआईआर दी जा सकेगी।

जस्टिस
धनंजय
यशवंत चंद्रचूड़
मुख्य न्यायाधीश

नए आपराधिक कानूनों की सराहना करते हुए बोले मुख्य न्यायाधीश: *भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। 'आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ' विषय पर एक सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यदि हम नागरिक के रूप में उन्हें अपनाएं तो नए कानून सफल होंगे।*

सीजेआई चंद्रचूड़ ने भारत के नए आपराधिक न्याय कानूनों की सराहना की

सीजेआई ने कहा, 'संसद द्वारा इन कानूनों का अधिनियमित होना एक स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है। हमारे कानूनों का लक्ष्य पीड़ितों को आपराधिक प्रक्रिया में एजेंसी और नियंत्रण की भावना के साथ-साथ न्याय की भावना देना होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के साथ, हम उन खामियों और क्षेत्रों की खोज करेंगे जिन पर ध्यान देने की जरूरत है'। उन्होंने कहा कि हमारे कानूनों को गवाहों की जांच में देरी, मुकदमे के समापन, जेलों में भीड़भाड़ और विचाराधीन कैदियों के मुद्दे जैसे सदियों पुराने मुद्दों को संबोधित करने की जरूरत है। कहा, बीएनएसएस डिजिटल युग में अपराधों से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाता है। यह सात साल से अधिक कारावास की सजा वाले अपराधों के लिए तलाशी और जब्ती की ऑडियो विजुअल रिकॉर्डिंग और अपराध स्थल पर एक फोरेंसिक विशेषज्ञ की उपस्थिति को निर्धारित करता है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि तलाशी और जब्ती की ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग अभियोजन के साथ-साथ नागरिकों की नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। न्यायिक जांच तलाशी और जब्ती के दौरान प्रक्रियात्मक अनौचित्य के खिलाफ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगी। सीजेआई ने इस बात पर जोर दिया कि जब हम इस दिशा में प्रगति कर रहे हैं, तो हमें अब नए आपराधिक कानूनों के उद्देश्यों को पूरा करने की चुनौतियों का सामना करना होगा। रिकॉर्डिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों के प्रकार, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को शामिल करने और ऐसी रिकॉर्डिंग न करने के परिणामों को निर्धारित करने के लिए विस्तृत नियम बनाने की आवश्यकता है।

न्यायमूर्ति ने कहा कि यह जानकर बहुत खुशी हुई कि बीएनएसएस की धारा 532 कोड के तहत सभी परीक्षणों, पूछताछ और कार्यवाही को इलेक्ट्रॉनिक रूप से संचालित करने की अनुमति देती है। यह जोड़ जितना प्रशंसनीय है, हमें कार्यवाही के डिजिटलीकरण और डिजिटल साक्ष्य बनाते समय लगातार आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और आरोपी के साथ-साथ पीड़ित की गोपनीयता की रक्षा करनी चाहिए। डिजिटल युग में, व्यक्ति के डेटा और संवेदनशील जानकारी को अत्यधिक महत्व मिल गया है। सीजेआई ने आगाह किया कि व्यक्तिगत डेटा के साथ आने वाली शक्ति उन प्रणालियों पर एक समान कर्तव्य लगाती है जो डेटा के प्रवेश और रिसाव से प्रतिरक्षित हैं। अदालतों में, हम हर दिन डेटा लीक की चुनौतियों का सामना करते हैं। यदि हितधारकों की गोपनीयता की रक्षा नहीं की गई तो किसी व्यक्ति की सुरक्षा, आरोपी से जुड़ा कलंक, गवाह की खतरे की धारणा से समझौता किया जाएगा। प्रौद्योगिकी भविष्य की अदालत प्रणाली की कुंजी है।

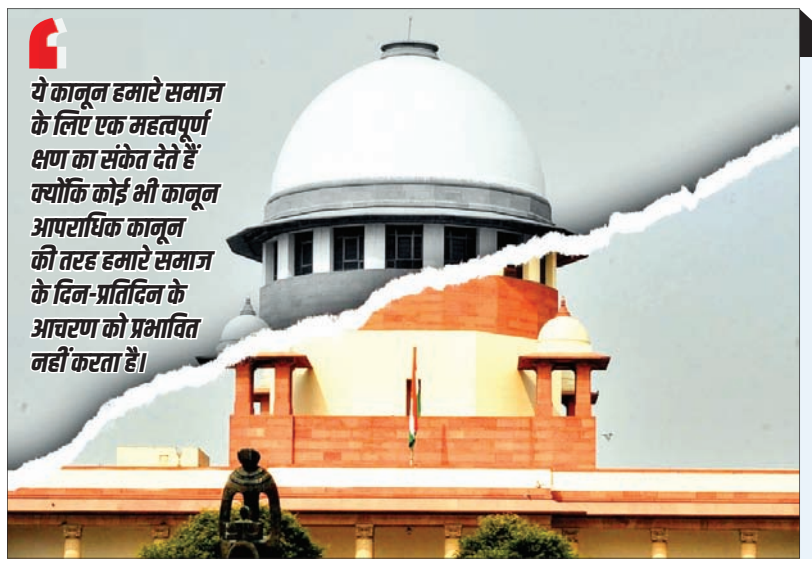

ये कानून हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का संकेत देते हैं क्योंकि कोई भी कानून आपराधिक कानून की तरह हमारे समाज के दिन-प्रतिदिन के आचरण को प्रभावित नहीं करता है।

कानूनी बुनियादी ढांचे को पर्याप्त रूप से विकसित करने की आवश्यकता

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ जोर देकर कहा, 'जबकि नए आपराधिक कानून ऐसे प्रावधान बनाते हैं जो हमारे समय के अनुरूप हैं। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि इन प्रक्रियाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे को देश के लिए नए कानून के लाभों को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त रूप से विकसित किया जाए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने हमारे फोरेंसिक विशेषज्ञों की क्षमता निर्माण, जांच अधिकारियों के प्रशिक्षण का संचालन करने और अदालत प्रणाली में भी निवेश करने पर जोर दिया। सीजेआई ने कहा कि बीएनएसएस प्रावधान करता है कि आपराधिक मुकदमा तीन साल में पूरा किया जाना चाहिए और फैसला आरक्षित होने के 45 दिनों के भीतर सुनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह शर्त लंबित मामलों के मुद्दे के साथ-साथ आपराधिक मामले में पीड़ित और आरोपी के अधिकारों के समाधान के लिए ताजी हवा का झोंका है। अगर अदालत के बुनियादी ढांचे और अभियोजन पक्ष के पास प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और एक कुशल और त्वरित सुनवाई करने के लिए भौतिक संसाधनों की कमी है, तो बीएनएसएस की गारंटी केवल निर्देशिका और अनुपयोगी बनने का जोखिम हो सकता है। सीजेआई ने कहा कि बीएनएसएस ने विचाराधीन कैदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में सकारात्मक विकास किया है। बीएनएसएस की धारा 481 उस आरोपी व्यक्ति के लिए डिफॉल्ट जमानत का प्रावधान करती है, जो अपने खिलाफ लगाए गए अपराध के लिए सजा की एक तिहाई अवधि काट चुका है। सीजेआई ने कहा, 'ये कानून हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का संकेत देते हैं क्योंकि कोई भी कानून आपराधिक कानून की तरह हमारे समाज के दिन-प्रतिदिन के आचरण को प्रभावित नहीं करता है। आपराधिक कानून एक राष्ट्र के नैतिक चरित्र को निर्देशित करता है और इसमें लोगों को उनकी पोषित स्वतंत्रता से वंचित करने की क्षमता होती है'। सीजेआई ने कहा कि छोटे और कम गंभीर अपराधों के लिए सारांश सुनवाई अनिवार्य कर दी गई है। मजिस्ट्रेट प्रणाली को भी सुव्यवस्थित किया गया है। उन्होंने आगे जोर दिया कि हमारे पुलिस बलों के बुनियादी ढांचे और क्षमता को बढ़ावा देना जरूरी है।

जानिए उस कानून को जिसकी वजह से हड़ताल पर गए थे वाहन चालक

New Hit and Run Law- आपराधिक कानूनों में बदलाव की वजह से हिट एंड रन मामलों में सजा की अवधि बढ़ा दी गई है। पूरे देश के ट्रक-बस चालकों की हड़ताल की असली वजह यही है। नए कानून और पुराने कानून में क्या है अंतर, जानें विस्तार से।

ट्रक, बस और टैंकरों सहित कमर्शियल वाहनों के चालकों ने सोमवार से हिट-एंड-रन मामलों से संबंधित नए कानून के खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन कर दिया है। केंद्र सरकार ने हाल ही में कोलोनियल युग के आपराधिक कानूनों में बदलाव कर हिट-एंड-रन मामलों में सजा की अवधि बढ़ा दी है। इस कदम से देश भर में ड्राइवरों का विरोध शुरू हो गया। ईंधन आपूर्ति को लेकर घबराहट के कारण कुछ पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखी गईं। लेकिन क्या आपको पता है क्या है नया कानून और कैसे अलग है पुराने कानून से।

क्या है नया कानून

नए कानून के तहत, दुर्घटनास्थल से भागने पर ड्राइवरों के लिए जेल की सजा दो साल से बढ़ाकर 10 साल तक कर दी गई है। बता दें कि हिट एंड रन कानून भारतीय न्याय संहिता की धारा 104 है, जो लापरवाही से मौत का कारण के लिए दंड की कार्रवाई स्थापित करती है। इस नए कानून के अनुसार, हिट-एंड-रन मामलों में 10 साल की सजा और 7 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। ट्रांसपोर्टरों को लगता है कि नया कानून ड्राइवरों के हित के खिलाफ है। उनका कहना है कि ड्राइवर किसी को मारना नहीं चाहते, लेकिन दुर्घटनाएं हो जाती हैं। ऐसे में लोग ड्राइवर के खिलाफ हो जाते हैं। उनका कहना है कि नए कानून में संशोधन किया जाए, वह इसके समर्थन में हैं, लेकिन सजा की अवधि बहुत अधिक कर दी गई है।

विवेचना में वीडियो साक्ष्य बेहद जरूरी : पुलिस अब तक घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन व पब्लिक के किसी भी गवाह के बयान अपने अनुसार लिख लेती थी। मगर अब सब कुछ वीडियो कैमरे की निगरानी में होगा। इससे अदालत में इन साक्ष्यों को झुठलाया नहीं जा सकेगा और न ही उनमें किसी तरह का हेरफेर किया जा सकेगा।

एक जुलाई से दर्ज मुकदमों का ट्रायल नए कानून से : नए कानून के अनुसार जो मुकदमे दर्ज होंगे, उनका ट्रायल भी नए कानून से होगा। जो मुकदमे 30 जून की रात 12 बजे के पहले पुराने कानून से दर्ज होंगे। उनका ट्रायल पुराने कानून से ही होगा। अलीगढ़ दीवानी न्यायालय के 40 हजार मुकदमे पुराने कानून से चलाए जाएंगे।

विवेचना में वीडियो साक्ष्य बेहद जरूरी : पुलिस अब तक घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन व पब्लिक के किसी भी गवाह के बयान अपने अनुसार लिख लेती थी। मगर अब सब कुछ वीडियो कैमरे की निगरानी में होगा। इससे अदालत में इन साक्ष्यों को झुठलाया नहीं जा सकेगा और न ही उनमें किसी तरह का हेरफेर किया जा सकेगा।

एक जुलाई से दर्ज मुकदमों का ट्रायल नए कानून से : नए कानून के अनुसार जो मुकदमे दर्ज होंगे, उनका ट्रायल भी नए कानून से होगा। जो मुकदमे 30 जून की रात 12 बजे के पहले पुराने कानून से दर्ज होंगे। उनका ट्रायल पुराने कानून से ही होगा। अलीगढ़ दीवानी न्यायालय के 40 हजार मुकदमे पुराने कानून से चलाए जाएंगे।

अब गवाह को ऑनलाइन समन-गवाही की सहूलियत : नए कानून में सबसे अधिक सुविधा गवाह व वादी को दी गई है। अगर गवाह को सूचना नहीं मिल पा रही है तो वह व्हाट्सएप पर मिलने वाले समन व वारंट को भी प्राप्त होना माना जाएगा। अगर वह नहीं आ पा रहा है तो जिस जिले में मौजूद है, वहां के न्यायालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग सेंटर से ऑनलाइन गवाही दे सकता है।

अधिवक्ताओं ने कहा

एक जुलाई यानी कल से भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के रूप में जानी जाएगी इसके तहत अधिकांश अपराध की धाराएं बदल जाएंगी। अब थानों में एफआईआर में एक जुलाई से आईपीसी लागू नहीं होगा। उसे भारतीय न्याय संहिता बीएनएस के रूप में जाना जायेगा और बीएनएस की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करनी होगी।आईपीसी में जो धाराएं अब तक चल रही थी कल से बीएनएस के तहत बदल जाएंगी। आईपीसी में हत्या के लिए जो धारा 302 है अब बीएनएस में 103 हो जाएगी। उसी तरह हत्या का प्रयास के लिए 307 की जगह 109, मारपीट के लिए 323 की जगह 115, रेप के लिए 376 की जगह 64, धोखाधड़ी 420 की जगह 318, दहेज हत्या के लिए 304 बी की जगह 80 हो जायेगी। इसी तरह आईपीसी की कई धाराएं बीएनएस में बदल जायेंगी।

मृत्युंजय प्रसाद, एडवोकेट, सिविल कोर्ट, रांची

भारतीय न्याय व्यवस्था में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है 160 साल पुराने आईपीसी ,सीआरपीसी एवं एविडेंस एक्ट को बदला जा रहा है ।अब1 जुलाई से इन को अब भारतीय न्याय संहिता ,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तौर पर जाना जाएगा इनमें भारतीय न्याय संहिता ,जिसे आईपीसी के तौर पर जाना जाता था, उसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है ।जनवरी 1862 में आईपीसी ब्रिटिश सरकार द्वारा लागू की गई थी। आमतौर पर लोग धारा 420 धारा 302 के बदलाव की ही बात करते हैं लेकिन यह बदलाव काफी विस्तृत है। भारतीय न्याय संहिता में पहले जहां 511 धाराएं हुआ करती थी अब उसकी जगह 358 धाराएं होंगी। भारतीय न्याय संहिता एक अति महत्वपूर्ण बात जो इस बदलाव में हुई है वह है कम्युनिटी सर्विस तो कानून के धारा के अंतर्गत लाया गया है। इसमें छोटे-छोटे अपराध के लिए माइनर पनिशमेंट और पुनर्वास की व्यवस्था की गई है। नए कानून में अब डिजिटल प्रमाणों को ,जैसे व्हाट्सएप,कॉल रिकॉर्डिंग,वीडियो कॉल को भी कानूनी तौर पर साक्ष्य के रूप में अदालत में प्रस्तुत किया जा सकता है। बच्चों के प्रति अपराध को अधिकांश मामले में जेंडर न्यूट्रल बनाया गया है। मिनिमम पनिशमेंट के अंतर्गत 23 तरह के अपराधों में अनिवार्य सजा की व्यवस्था की गई है और 83 अपराधों में जुर्माना बढ़ाया गया है। इन कानूनी बदलावों के प्रति युवा अधिवक्ताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है वहीं कुछ उम्रदराज अधिवक्ता इस बदलाव से अपने को सहज नहीं पा रहे हैं। वैसे इसमें शक नहीं कि आम जनता को अब क्लिष्ट कानूनी शब्दावलियों से मुक्ति मिलेगी जिसकी व्याख्या करने में वकीलों को भी दिक्कत आती थी।

असीत कुमार, अधिवक्ता, रांची
मो. 9430153816

कानून लागू करने के पहले तैयारी करनी चाहिए थी

नये कानून 1 जुलाई से लागू होंगे प्रशासन, न्यायपालिका सविके लिए एक नया अध्याय है, काफी चुनौती होगी प्रशासन या समाज सबके लिए,सभी के लिए कड़ी सजा होगी ।सजा की अवधि बहुत सारे अपराध में पहले से ही जादा हो गया बलात्कार के मामले में फांसी तक का प्रावधान हुआ है दूसरे तरफ कोई कोई अपराध के लिए सामुदायिक सेवा के जैसे सजा का प्रावधान हुआ है,व्यावहारिक रूप से मैं उस पर सुझाव दूंगी जो समाज आया है कि "पहले दोषी को सुधरने पे बहुत ध्यान दिया गया पीड़िता के न्याय के साथ-साथ आरोपी को बहुत सजा देने पर जोर दिया गया " हो सकता है उम्र नये कानून के बारे में में समय के साथ या कोई नयी सोच आये। पर अभी मामला उलझा हुआ है पहले लोगों को तैयार करना चाहिए था ।

तनुश्री सरकार, एडवोकेट सह अध्यक्ष बाल कल्याण समिति, खूंटी

आज से क्रेडिट कार्ड सहित कई चीजों के बदल जाएंगे नियम, कतार में हैं ये डेडलाइन

एसबीआई कार्ड क्रेडिट कार्ड नियम : एसबीआई कार्ड ने घोषणा की है कि 1 जुलाई, 2024 से कुछ क्रेडिट कार्ड के लिए सरकारी संबंधित लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट्स को स्टोर करना बंद कर दिया जाएगा। एसबीआई कार्ड की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, उन एसबीआई क्रेडिट कार्ड की लिस्ट जहां 15 जुलाई, 2024 से सरकारी संबंधित लेनदेन पर रिवॉर्ड पॉइंट लागू नहीं होंगे...

- एयर इंडिया एसबीआई प्लेटिनम कार्ड
- एयर इंडिया एसबीआई सिग्नेचर कार्ड
- सेंट्रल एसबीआई सेलेक्ट+ कार्ड
- चेन्नई मेट्रो एसबीआई कार्ड
- क्लब विस्तारा एसबीआई कार्ड
- क्लब विस्तारा एसबीआई कार्ड प्राइम
- दिल्ली मेट्रो एसबीआई कार्ड
- एतिहाद गेस्ट एसबीआई कार्ड
- एतिहाद गेस्ट एसबीआई प्रीमियर कार्ड
- फैबइंडिया एसबीआई कार्ड
- फैबइंडिया एसबीआई कार्ड सेलेक्ट
- आईआरसीटीसी एसबीआई कार्ड
- आईआरसीटीसी एसबीआई कार्ड प्रीमियर
- मुंबई मेट्रो एसबीआई कार्ड
- नेचर बास्केट एसबीआई कार्ड
- नेचर बास्केट एसबीआई कार्ड इलीट
- ओला मनी एसबीआई कार्ड
- पेटीएम एसबीआई कार्ड
- पेटीएम एसबीआई कार्ड सेलेक्ट
- रिलायंस एसबीआई कार्ड
- रिलायंस एसबीआई कार्ड प्राइम
- यात्रा एसबीआई कार्ड

आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड शुल्क: आईसीआईसीआई बैंक 1 जुलाई, 2024 से प्रभावी विभिन्न क्रेडिट कार्ड सेवाओं में संशोधन की घोषणा की है। इसमें सभी कार्ड (एमराल्ड प्राइवेट मेटल क्रेडिट को छोड़कर) पर कार्ड रिप्लेसमेंट फीस को 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये करना शामिल है।

पेटीएम वॉलेट : *पेटीएम पेमेंट्स बैंक 20 जुलाई, 2024 को जीरो बैलेंस राशि वाले और पिछले वर्ष या उससे अधिक समय में कोई लेनदेन न करने वाले निष्क्रिय वॉलेट बंद कर देगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक की वेबसाइट के मुताबिक, कृपया ध्यान दें कि वे सभी वॉलेट जिनमें पिछले 1 साल या उससे अधिक समय से कोई लेनदेन नहीं हुआ है और जिनमें शून्य शेष राशि है, 20 जुलाई, 2024 से बंद हो जाएंगे। सभी प्रभावित यूजर्स को कम्यूनिकेट किया जाएगा। यूजर्स को अपना वॉलेट बंद करने से पहले 30 दिनों की सूचना अवधि दी जाएगी।*

बुनियादी ढांचे में निवेश स्थिरता पर केंद्रित होगा

खबर के मुताबिक, बजट 2024 से पहले किन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित रहना चाहिए? एक्सपर्ट का मानना है कि बुनियादी ढांचे में निवेश स्थिरता पर केंद्रित होगा, जिसका उद्देश्य परिवहन नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना और पर्यावरणीय परिणामों में सुधार करना है। एक्सपर्ट के मुताबिक, ऊर्जा नीतियों में नवीकरणीय स्रोतों पर जोर दिए जाने की उम्मीद है, जो वैश्विक स्थिरता लक्ष्यों के साथ अलाइंड होंगे और कार्बन उत्सर्जन को कम करेंगे। रक्षा और रेलवे क्षेत्रों में अधिक पूंजीगत व्यय पर जोर दिया जाएगा। इन क्षेत्रों के विकास पर बारीकी से नजर रखी जाएगी क्योंकि हितधारक आर्थिक विकास और पुनर्प्राप्ति रणनीतियों पर बजट के प्रभाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मार्केट का रुख लगातार पॉजिटिव

विशेषज्ञों का मानना है कि चुनावों के बाद से भारतीय शेयर बाजार में सकारात्मक रुख बना हुआ है, जो हर हफ्ते धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ रहा है। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेतों, खासकर मुद्रास्फीति की चिंताओं के बावजूद भारतीय बेंचमार्क सूचकांकों ने इस सप्ताह बढ़त दर्ज की। लाइवमिंट खबर के मुताबिक, निवेशकों का ध्यान मुख्य रूप से लार्ज-कैप शेयरों पर था, जिसके परिणामस्वरूप मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट का प्रदर्शन खराब रहा। आईटी सेक्टर ने विशेष रूप से उल्लेखनीय सुधार दिखाया, साथ ही निजी बैंकों ने बैंकिंग सेगमेंट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से बेहतर प्रदर्शन किया। बजट कई घरेलू क्षेत्रों पर पॉजिटिव प्रभाव डालेगा, जिसमें किफायती आवास, पूंजीगत व्यय, उपभोक्ता सामान और दर-संवेदनशील क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, यह सूचना प्रौद्योगिकी और फार्मा में महत्वपूर्ण उत्प्रेरकों की कमी की उम्मीद करता है।

तीनों नए कानून का कड़ाई से अनुपालन होगा : रामदेव यादव

पलामू जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामदेव प्रसाद यादव ने कहा कि आगामी 1 जुलाई से नए कानून का पालन किया जाएगा। साथ ही सभी कानून से जुड़े लोगों को इसके अनुरूप कार्य करना है। इसमें कई बदलाव हुए हैं। इसके तहत धारा 302 का मुकदमा अब भारतीय न्याय संहिता 103 के तहत जाना जाएगा। पुराने कानून भी कड़ा था। नए कानून का भी कड़ाई से पालन के लिए न्यायालय व पुलिस की सहभागिता होनी चाहिए, ताकि दोषियों के ऊपर त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें दंड दिया जा सके। तभी इस नए कानून की सार्थकता साबित होगी।

पुराने कानून में कई खामियां थी इसे दूर किया गया : गोपाल मिश्र

वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल मिश्र ने कहा कि पुराने कानून में कई खामियां थी। नए कानून से हम लोगों में खासा उत्साह है। पूर्ववर्ती कानून में कई अपराधों का जिक्र नहीं था। न ही उसके लिए कोई दंड विधान था, क्योंकि अब अपराध करने वालों की प्रकृति बदल गई है। अपराध का तरीका भी बदल गया है। उसे देखते हुए यह बदलाव अति आवश्यक था। इसलिए इसमें कई नई धाराएं जोड़ी गई हैं। इंडियन पैनल कोड गुलामी की जंजीर में बनने का एहसास कराता था, जबकि भारतीय इंडियन पैनल कोड गुलामी की जंजीर में बनने का एहसास कराता था। भारतीय न्याय संहिता एक अलग एहसास दिलाता है।

तीनों नए कानून तारीफ के योग्य हैं : सचिंद्र पांडेय

वरिष्ठ अधिवक्ता सचिंद्र पांडेय ने कहा कि नए कानून की जितनी भी तारीफ की जाए उतनी कम है। अंग्रेजों के बने कानून को अब तक ढ़ो रहे थे। उस जमाने में जो कानून बनाए जाते थे उनमें कई त्रुटियां थी।अब अनुसंधानकर्ता को घटनास्थल पर भौतिक सत्यापन के लिए जाना पड़ेगा। इससे अनुसंधानकर्ता पर भी पर भी तय समय पर न्याय दिलाने के तय समय पर जांच करते हुए रिपोर्ट सौंपने का दबाव होगा।

अभी कानूनों में कई और बदलाव भी हो सकते हैं : शशिभूषण दुबे

अधिवक्ता शशिभूषण दुबे ने कहा कि नई न्याय संहिता में आरोपी के पास 14 दिनों का वक्त है। जिसमें वह जो चाहे साक्ष्य आदि बदल सकता है। यह एक प्रकार से खामी है। क्योंकि इससे आरोपी को काफी वक्त मिल जाएगा। नई न्याय संहिता में आरोपी को बुलाकर उससे भी पूछताछ की जाएगी, ताकि कोई झूठे मुकदमे में ना फंसे। भारतीय न्याय संहिता भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में हर एक अपराध का वर्गीकरण करके उसके लिए कानून सुनिश्चित किया गया है। जिससे अपराध को रोकने में काफी सफलता मिलेगी। हालांकि इसमें अभी कई बदलाव भी हो सकते हैं।

यह एक सकारात्मक बदलाव है : अजय पांडेय

जिला बार एसोसिएशन सचिव अजय पांडेय ने कहा कि नई न्याय संहिता में कई कानूनों का बदलाव करते हुए कड़ा किया गया है। साथ ही साथ कई कानून को लचीला भी बनाया गया है, जिससे किसी मामले में आरोपी व्यक्ति को सुधरने का मौका भी मिलेगा। आरोपी को अब पहले उसका पक्ष रखने का मौका मिलेगा। इसे एक सकारात्मक बदलाव के तौर पर देखा सकता हैं। कुल मिलाकर बदले हुए न्याय संहिता स्वागत योग्य है।

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

सेंसेक्स 79,032.73 -210.45

डॉलर 83.378 -0.081

रांची सर्राफा
10 ग्राम 71,350
01 किलो 94,500

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

आषाढ़ कृष्ण पक्ष 10, संवत 2081 | रांची, सोमवार, 01 जुलाई 2024, वर्ष-25, अंक- 149, पृष्ठ-16 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-14 प्रधानमंत्री ने पूर्व उपराष्ट्रपति...

मनोज कुमार सिंह बने यूपी के मुख्य सचिव

लखनऊ। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) मनोज कुमार सिंह ने रविवार को दुर्गा शंकर मिश्रा के स्थान पर उत्तर प्रदेश के नए मुख्य सचिव (सीएस) का पदभार ग्रहण किया। उनकी शिक्षा-दिक्षा रांची में हुई थी। 1988 बैच के आईएएस अधिकारी सिंह ने शाम को निवर्तमान सीएस दुर्गा शंकर मिश्रा से कार्यभार ग्रहण किया। शुरूआत में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि मिश्रा को चौथी बार सेवा विस्तार मिलेगा और सिंह आईआईडीसी का प्रभार संभालते रहेंगे। जब योगी आदित्यनाथ 2017 में मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने ऐसे नौकरशाहों की पहचान की जिनके पास न केवल अनुभव और दक्षता थी बल्कि ईमानदारी, दृढ़ता और मजबूत कार्य नीति भी थी। मनोज कुमार सिंह टीम योगी के इन महत्वपूर्ण सदस्यों में से एक हैं, जिन्होंने कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद अब यूपी के सीएस की भूमिका संभाली है। रोहतास जिले के शिवसागर प्रखंड अंतर्गत मझुई गांव निवासी आइएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह को उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव बनाए जाने पर उनके पैतृक गांव मझुई में खुशी का माहौल है। ग्रामीण बताते हैं कि मनोज सिंह व उनकी पत्नी व आइएएस अधिकारी रश्मि सिंह के कारण इस गांव की पहचान देश भर में बनी है।

सिदो-कान्हू ने हजारों संतालियों संग किया था अंग्रेजों का मुकाबाला : पीएम

मन की बात का 111वां संस्करण

एजेंसी

नई दिल्ली। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में हूल दिवस की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 30 जून 1855 को संताल आदिवासी समुदाय ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ जो संघर्ष किया वह भारतीय इतिहास की अप्रतिम घटना है। यह दिन वीर सिदो-कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है। वीर सिदो-कान्हू ने हजारों संतालियों को एकजुट कर 1855 में अंग्रेजों का मुकाबाला किया था। मालूम हो कि इसके पूर्व भी कई बार प्रधानमंत्री विभिन्न मंचों से झारखंड के महापुरूषों खासकर बिरसा मुंडा का जिक्र कर चुके हैं। वह बिरसा मुंडा के जन्मस्थल आने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री भी हैं। इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलंपिक में जाने वाली भारतीय टीम को शुभकामनायें दी। तीन महीने के अंतराल के बाद मन की बात के 111वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में मेडल के साथ-साथ लोगों का दिल भी जीतेंगे। उन्होंने कहा कि टोक्यो ओलंपिक खेलों में अपने प्रदर्शन से खिलाड़ियों ने हर भारतीय का दिल जीत लिया। इसके बाद से ही खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारियां कर रहे हैं। पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल इस बार अधिक खेलों में भाग ले रहा है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्होंने लोगों से चीयर4भारत हैशटेग पर अपनी शुभकामनायें भेजने के लिए कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने तीन महीने के लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान और देश की

» बिरसा मुंडा के जन्मस्थल आने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री भी हैं मोदी

» 'चीयर4भारत' हैशटैग से करें पेरिस ओलंपिक खिलाड़ियों को प्रोत्साहित

लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपनी अटूट आस्था दोहराने के लिए देशवासियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही चुनाव आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री ने इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर शुरू हुए विशेष अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' में भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि लोग #प्लांट4मदर और #एक_पेड़_मां_के_नाम के साथ अपनी तस्वीरें साझा करके दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम में उन्होंने बताया कि केरल की कार्थुम्बी छतरियां क्यों खास है। केरल के अट्टापटी में तैयार किए जाने वाले यह खास छाते आदिवासी महिलायें तैयार करती हैं और समय के साथ उनकी मांग बढ़ रही है। इसके अलावा उन्होंने आंध्र प्रदेश की अराकू कॉफी के बारे बताया जिनकी पूरी दुनिया में बहुत मांग है। उन्होंने पुलवामा के मटर के बारे में बताया जिनकी पहली खेप को हाल ही में लंदन भेजा गया है। दुनियाभर में भारतीय भाषा, संस्कृति और योग को मिलते आदर व स्नेह का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कुवैत सरकार ने राष्ट्रीय रेडियो पर हिन्दी में एक खास कार्यक्रम शुरू किया है। इसके लिए उन्होंने स्थानीय सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि तुर्कमेनिस्तान में राष्ट्रीय कवि की जयंती पर 24 प्रसिद्ध कवियों की प्रतिमायें लगाई गई हैं। इसमें गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर की भी प्रतिमा है। आकाशवाणी की संस्कृत सेवा के पच्चास वर्ष पूरे होने के खास अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इन वर्षों में कार्यक्रम ने देशवासियों को संस्कृत से जोड़े रखा। इसी क्रम में उन्होंने बेंगलुरू के कब्बन पार्क का जिक्र किया जहां लोगों ने हर हफ्ते रविवार को संस्कृत में बात करने की पहल शुरू की है। इसकी शुरूआत एक वेबसाइट के जरिए समष्टि गुब्बी ने की थी। प्रधानमंत्री ने आगामी जगन्नाथ यात्रा और शुरू हो चुकी अमरनाथ यात्रा का भी कार्यक्रम में उल्लेख किया।

वीर शहीदों से प्रेरणा लेकर राज्य को मजबूत बनाने का लें संकल्प

चम्पाई सोरेन एवं हेमंत सोरेन ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को किया नमन, दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

साहिबगंज। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि 1855 में आज ही के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। मुख्यमंत्री रविवार को हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू की पावन धरती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्वजों के संघर्ष और शहादत से आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय-शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़े हिला दी। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का

अपनी अस्मिता और पहचान को खोने नहीं देंगे : हेमंत

पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को हूल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम वर्षों से हूल दिवस मनाते चले आ रहे हैं। आज इस अवसर पर संकल्प लेकर राज्य के विकास में जो भी चुनौतियां सामने आएगी उसका मुकाबला पूरी ताकत के साथ किया जाएगा। हमें अपने हक और अधिकार को हर हाल में लेना है और इसके खिलाफ साजिश रचने वालों को जवाब देना है। हमें जल-जंगल और जमीन को हर हाल में बचाना है। क्योंकि, इसी की खातिर हमारे पूर्वजों ने बलिदान दी थी। हम अपनी अस्मिता और पहचान को किसी कीमत पर मिटने नहीं देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में हमने झारखंड में बदलाव लाने का काम किया है। अब सरकार हेडक्वार्टर से नहीं, बल्कि गांव से चलती है। हमारी योजनाएं धरातल पर उतरती हैं, जिसका लाभ समाज का अंतिम पंक्ति का व्यक्ति भी उठा रहा है। युवाओं को रोजगार देने के क्षेत्र में भी सरकार कई कदम उठाए हैं। झारखंड की संपदा पर पहला हक झारखंड वासियों का है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है। शेष पेज 11 पर

396 योजनाओं की मिली सौगात

इस दौरान मुख्यमंत्री ने 29026.745 लाख रुपये की कुल 396 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 11284.854 लाख रुपये की 165 योजनाओं का उद्घाटन और 17741.731 लाख रुपये की 231 योजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कुल 37212 लाभुकों के बीच 9289.745 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटी।

संताल में 45 से 28% हो गए आदिवासी, मुस्लिम 9 से बढ़कर 23% हो गए

नवीन मेल संवाददाता

दुमका। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को संथाल परगना के दौरे पर उप राजधानी दुमका पहुंचे। उन्होंने हुल दिवस पर हुल क्रांति के महानायक वीर शहीद सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मरांडी ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दो वर्ष पूर्व ही संताल परगना की धरती से अमर शहीद सिदो कान्हू के नेतृत्व में अंग्रेजो के अत्याचार के खिलाफ हजारों संताल जनजाति भाई-बहनों ने संघर्ष किया और बलिदान दिया जो हुल के नाम से प्रसिद्ध है। मरांडी ने कहा कि यदि इसी प्रकार जनजाति समाज की आबादी घटती रही तो आजादी के 100 साल और हुल आंदोलन के लगभग 200 साल पूरा होते-होते संताल जनजाति समाज का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। मरांडी ने संताल परगना में आदिवासियों की तेज गति से घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 1951 की जनगणना से लेकर 2011 की जनगणना के बीच आबादी का विश्लेषण करें तो भयावह तथ्य उजागर होते हैं। 1951 में आदिवासियों की आबादी 44.69 प्रतिशत थी, जो 2011 में 16 प्रतिशत घटकर 28.11 प्रतिशत हो गई जबकि मुस्लिम आबादी इस बीच 9.44 प्रतिशत से बढ़कर 22.73 प्रतिशत हो गई। शेष पेज 11 पर

1. साहेबगंज और पाकुड़ में लगातार घट रही आदिवासी आबादी, एसआईटी गठित हो
2. यही हाल रहा तो आजादी के सौ साल होते-होते संताली हो जाएंगे अस्तित्वहीन

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों की प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर है, जिसमें आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में इस नंबर **8292553444** पर भेज सकते हैं।

आपत्तिजनक सामग्री भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **8292373444** संपर्क करें।

देश के 30वें सेना प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, संभाला कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 30वें सेना प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को कार्य भार संभाल लिया। उन्होंने चार दशकों से अधिक राष्ट्र सेवा करने के बाद रविवार को सेवानिवृत्त हुए थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे से कार्यभार संभाला। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है। साथ ही तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां और भी स्पष्ट होती जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी इसी साल 15 फरवरी को उप सेना प्रमुख नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वह 1 फरवरी, 2022 को सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बनाए गए थे।

- युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियों से निपटना होगा
- सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की समझ रखते हैं जनरल द्विवेदी

उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडगवासला के छात्र रहे हैं। शेष पेज 11 पर

गिरिडीह में 5.5 करोड़ से बन रहा पुल ढहा

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के अरगा नदी पर निर्माणाधीन पुल शनिवार की रात भरभराकर गिर गया। यह पुल 5.5 करोड़ की लागत से देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर भेलवाघाटी सड़क के डुमरीटोला और कारीपहरी गांव के बीच बन रहा था। इसका निर्माण ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन एजेंसी करा रहा था लेकिन यह मॉनसून की पहली बारिश भी झेल नहीं सका और धराशायी हो गया। बताया जाता है कि गिरिडीह और जमुई को जोड़ने वाला फतेहपुर से भेलवाघाटी पुल पांच साल बाद भी पूरा बन तो नहीं पाया शेष पेज 11 पर

आज कल

इंडिया

सुनील बादल

कुछ हॉस्पिटल तो निश्चित रूप से जान बचाने वाले विश्वस्तरीय अस्पताल हैं और इनमें काम करने वाले धरती के भगवान से कम नहीं पर पर कुछ तो लूट और ठगी में खुले आम लिप्त हैं।

मरीज को देखकर इलाज करने वाले से जांच कराने वाले तक

आज डॉ बिधान चंद्र राय का जन्मदिन है जो एक सफल और लोकप्रिय चिकित्सक होने के साथ बंगाल के प्रथम मुख्यमंत्री थे जिनके बारे में मशहूर था कि वे मरीज को देखकर उसकी बीमारी बता देते और इलाज भी कर देते थे ।आज जब बीमारियां बहुत बढ़ गईं हैं तो जांच और उपचार की अत्याधुनिक तकनीक भी आ गई है जिससे जटिल रोगों का सफल इलाज हो रहा है पर डॉ राय जिनके नाम पर आज डॉक्टर्स डे मनाया जा रहा है उनके और आज के इलाज में मौलिक अंतर आ गया है कि बिना दस बीस टेस्ट कराए बहुत कम डॉक्टर इलाज करते हैं जिससे मध्यमवर्गीय और निम्नमध्यवर्गीय लोगों के बीच झोला छाप कथित डॉक्टरों की मांग बहुत बढ़ी है । झारखंड के बड़े शहरों से लेकर क़स्बों तक में चिकित्सा बहुत ही मुनाफे वाला व्यवसाय बन गया है । गली मुहल्ले से लेकर आलीशान फाइवस्टार सुविधा वाले होटलों की तरह खुल रहे हॉस्पिटल में वे इलाज क्या कर रहे हैं और

पैसा क्या चार्ज कर रहे हैं इसपर किसी की नजर नहीं है । कुछ हॉस्पिटल तो निश्चित रूप से जान बचाने वाले विश्वस्तरीय अस्पताल हैं और इनमें काम करने वाले धरती के भगवान से कम नहीं पर पर कुछ तो लूट और ठगी में खुले आम लिप्त हैं । हर दूसरे तीसरे दिन वहां हंगामा होता है या मारपीट तक हो जाती है । मरीज़ों के परिजन कई बार शिकायत कर चुके हैं कि मनमानी फीस लेकर भी उचित इलाज नहीं किया गया या गलत इलाज किया गया जिससे बीमारी बढ़ गई या मृत्यु तक हो गई । एक तरफ सभी को निःशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए संवैधानिक ज़िम्मेदारियों से सरकार बंधी हैं पर उनके ही डॉक्टर अस्पताल के समय निजी प्रैक्टिस करते हैं या निजी अस्पतालों में निडर होकर अपनी सेवाएं देते हैं । अनेक मरीज अपनी ज़मीन जायदाद बेचकर इलाज के पैसे देते हैं पर कई बार उन्हें धोखा भी मिलता है जिससे बात बिगड़ जाती है। दूसरी तरफ अनेक सरकारी अस्पताल सर्वश्रेष्ठ इलाज करते हैं पर उनका प्रचार नहीं होता और निजी अस्पताल अपनी उपलब्धियों की मार्केटिंग करते हैं ।कुछ निजी अस्पताल लाभ का टार्गेट पूरा करने के लिए जाँच के नाम पर अनावश्यक जांच कराते हैं और महंगे ऑपरेशन तक इलाज के नाम कराए जाते हैं। इस पूरी व्यवस्था को हम कह सकते हैं कि अभी भारत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है जहां सरकारी अस्पतालों की भारी भीड़ और निजी अस्पतालों के बिना हिसाब मनमाने रेट के बीच एक सामान्य आदमी इलाज के नाम पर पिसता है। आयुष्मान कार्ड हेल्थ इंशुरेंस और सरकारों द्वारा निःशुल्क इलाज की भी व्यवस्था एक सुखद अनुभूति है जो आधुनिक भारत की पहचान है पर इनमें कोई परेशानी हो तो शिकायत कहाँ करें? ले देकर एक उपभोक्ता न्यायालय है जिसकी शरण में जाया जा सकता है पर आज आवश्यकता है कि नया प्लेटफार्म बनाया जाए जो इन सुविधाओं को नकारने या उपलब्ध कराने की शर्तों में मनमानी करने से रोकें । स्वास्थ्य बीमा के हजारों मामले हैं जिसमें शुरू में कहा कुछ गया और बाद में मुकर गए । हेल्पलाइन वाले भी बहाने बना रहे हैं उपभोक्ता किसके पास जाएं ।आयुष्मान कार्ड के उपयोग में भी कई अड़चनें है और पैसों की भी मांग की जा रही है । सबसे बड़ी बात अस्पतालों को अपना रेट चार्ट बनाकर ऑनलाइन या काउंटर पर प्रदर्शित करने तथा पक्का बिल देने पर मजबूर किया जाए ताकि अस्पतालों की कथित मनमानी रुके और मेडिकल प्रोटेक्शन कानून लागू करने की दिशा में हम कदम बढ़ा सकें ।

दिल्ली में बारिश से जान गंवाने वालों को 10 लाख का मुआवजा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में बीते दिनों हुई तेज बारिश के दौरान कई हादसे हुए। इन हादसों में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के परिजनों को दिल्ली सरकार 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देगी। दिल्ली की जलमंत्री आतिशी ने रविवार को मुआवजा देने का निर्देश दिया। 28 जून को दिल्ली में काफी बारिश हुई थी। इसके बाद राजधानी के अलग-अलग इलाकों में पानी भरने और बारिश के कारण होने वाले हादसों की खबर आई थी। दिल्ली में कई स्थानों पर पानी में डूबकर लोगों की मौत हुई। मंत्री आतिशी ने निर्देश दिया है कि दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों और दिल्ली पुलिस के सहयोग से उन लोगों की पहचान की जाए, जिन्होंने बारिश के कारण हुए हादसों में जान गंवाई है।

28 जून को दिल्ली में 228 मिमी बारिश हुई थी।

एक नजर

विद्यार्थी परिषद रांची विभाग के सह संयोजक बने खूंटी के कमलेश महतो

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। अपने स्थापना काल 09 जुलाई 1949 से ही देश प्रथम के भाव से पूरे देश में कार्य कर रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड के चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग का समापन रविवार को जमशेदपुर समाप्त हो गया। मौके पर झारखंड के विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को संगठन का दायित्वों की घोषणा की गई। खूंटी जिले के कमलेश महतो को रांची विभाग का विभाग सह संयोजक बनाया गया। खूंटी जिला संगठन में भी कुछ फेरबदल किया गया। अभाविप के जिला प्रमुख डॉ चंद्रकिशोर भगत तथा खूंटी के जिला संयोजक प्रकाश टूटी को बनाया गया। गुड्डू राय, उत्कर्ष तिवारी, पवन कुमार, अमित कुमार महतो आदि कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामना दी है।

चैता महासमिति के 14 लोगों ने किया रक्तदान

खूंटी। जिले में खून की कमी को दूर करने और लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा समुदाय के साथ मिलकर चलाए जा रहे अभियान से प्रभावित होकर खूंटी जिला चैता महासमिति के 14 सदस्यों ने रविवार को ब्लड बैंक खूंटी में स्वेच्छा से रक्तदान किया। मौके पर सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि खूंटी में खून की जितनी आवश्यकता होती है, उसके अनुपात में यहां के ब्लड बैंक में खून जमा नहीं हो पाता। इसका सबसे बड़ा कारण लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता की कमी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाने से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और जल्द ही खूंटी में खून की कमी दूर हो जाएगी। मौके पर विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ वीनू वंदना, सुभाष चंद्र गुप्ता आदि शामिल थे।

बासोडीह प्लस टू हाई स्कूल जाने वाले रोड की हालत नारकीय

रांची। प्रखंड अंतर्गत प्लस टू हाई स्कूल बासोडीह जाने वाली रोड पर नाली की गंदे बदबूदार पानी बहने से नारकीय हालत हो गयी है। इससे आने-जाने वाले छात्र- छात्राओं समेत आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। स्कूल जाने वाले छात्रों को नाली के गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। इस दौरान छात्र- छात्राओं को नाक बंद कर गुजरना मजबूरी है। लोग कीचड़ से होकर आने- जाने को वेवश है। इसी रास्ते में प्रत्येक सोमवार को साप्ताहिक हाट लगता है। हाट में हजारों की संख्या में लोग फल ,सब्जी, मसाले, पालतू पशुओं की खरीद- बिक्री करते हैं। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्र के साथ-साथ गावां,गोविंदपुर, अकबरपुर, ढाब, डोमचांच आदि क्षेत्रों के दूर- दराज से लोग सामान खरीदारी-बिक्री करने पहुंचते हैं। लेकिन इस बदबूदार कीचड़ के बगल में लोग सामान बेचने-खरीदने को विवश हैं।

मारवाड़ी महाविद्यालय, राजनीति विज्ञान विभाग मे बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक

नवीन मेल संवाददाता। रांची पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के आलोक में मारवाड़ी महाविद्यालय, रांची के राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के समीक्षा एवं सुधार के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक महाविद्यालय के महिला प्रभाग में हुई । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन के अनुरूप यह बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्विद्यालय द्वारा नामित एक्सटर्नल के तौर पर डॉ धीरेंद्र त्रिपाठी , सहायक प्राध्यापक , स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग , रांची विश्विद्यालय रांची शामिल हुए । इनके अलावा दो अन्य एक्सटर्नल डॉ. अशोक राम , विभागाध्यक्ष , राजनीति विज्ञान विभाग , संत कोलंबस महाविद्यालय , हजारीबाग एवं डॉ. सूची संतोष बरवार , सहायक प्राध्यापिका, राजनीति विज्ञान विभाग, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती नुपुर सिन्हा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं विभाग के सभी शिक्षकों से उनका परिचय कराया। बैठक में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के अंतर्गत विभिन्न सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले पत्रों,उनके विभिन्न इकाइयों में शामिल अध्याय एवं? मॉड्यूल्स, परीक्षा पैटर्न, क्रेडिट सिस्टम आदि की जानकारी दी गई। साथ ही स्नातक और स्नातकोत्तर के वर्तमान पाठ्यक्रम और उससे संबंधित शिक्षकों, छात्र-छात्राओं तथा माता-पिता के फिड-बैक पर आधारित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में शामिल विशेषज्ञ शिक्षकों ने पाठ्यक्रम के एक-एक पंक्ति को पढ़ -समझकर, शिक्षकों-शिक्षार्थियों के कठिनाई के स्तर , अधिगम प्रतिफल और समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए चर्चा-परिचर्चा की तथा बहुमूल्य सुझाव दिए। बेहतर पाठ्यक्रम बनाने के प्रतिबद्धता को ध्यान में रखकर बैठक में पूर्व छात्र प्रतिनिधि के तौर पर शिव सागर कुमार शामिल हुए । इन्होंने भी अपने तरफ से महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में विभाग के शिक्षकों डॉ. राजकुमार, डॉ. तमन्ना सिंह, जहांगीर आलम , अमित कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विधिक सेवा आम लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करती है : एकता सक्सेना

नवीन मेल संवाददाता। लापुंग लापुंग़ प्रखंड मुख्यालय सभागार में रविवार को जिला प्रशासन और जिला विधिक प्राधिकरण, रांची के संयुक्त तत्वाधान में विधिक सेवा -सह- सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिला से आये ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) एकता सक्सेना एवं नुमान खान आजम तथा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी उषा मिंज ने प्रखण्ड प्रमुख कंचन उरांव के साथ मिलकर संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर विधिक सेवा -सह- सशक्तिकरण शिविर का शुभारंभ किया। विभिन्न पंचायतों से आये ग्रामीणों को उनके अधिकार के बारे बताया गया कि विधिक सेवा कैसे आम लोगो को कानूनी सहायता करता है उसके बारे में जानकारी दी गयी। बाद में विभिन्न योजनाओं के लाभुको के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण किया गया। इस मौके पर प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मो इम्तेयाज, प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रखंड समन्वयक ऋषिनन्दन, जेएसएलपीएस की बीपीएम सविता सांगा, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी सह आपूर्ति पदाधिकारी विनोद नारायण झा, कृषि पदाधिकारी विनय कुमार, सांख्यकी पदाधिकारी निर्मल कच्छप , कनीय अभियंता इंद्रजीत यादव, पीएलवी ललिता देवी, जेंडर समन्वयक प्रतिमा कुमारी, विभिन्न पंचायतो के पंचायत सचिव, रोजगार सेवक एवम सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

हज से वापस आए हाजियों से मिले डॉ. परमेश्वर भगत

मांडर। डॉ. परमेश्वर भगत ने मांडर के सुरसा निवासी हाजी आलम जी एवं बेडो.के चचकोपी निवासी हाजी इस्लाम से जाकर उनके घर में मिले। डॉ परमेश्वर भगत ने बताया कि उनका अनुभव अत्यंत आध्यात्मिक और प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि हज की यात्रा एक विशेष साधना है, जो धार्मिकता और समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने इस मुश्किल और मेहनती सफर में पायी गई। शांति और शक्ति को महसूस किया, जो उन्हें जीवन में नई प्रेरणा देने के लिए मदद करेगी। मौके पर मौलाना जलील, तौफीक अंसारी, शाहनवाज आलम, फिरदौस खान, सब्दुल मालिक, आसिफ मालिक, अयुम मालिक, सेख सेराज आदि मौजूद थे।

खलारी के 464 बच्चों ने दिया मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति की परीक्षा

खलारी। मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2024 में रविवार को खलारी प्रखंड के 464 परीक्षार्थी शामिल हुए। खलारी में तीन विद्यालयों में सेंटर में बनाया गया था। परीक्षा ओएमआरसीट पर लिया गया। प्रखंड संसाधन केंद्र खलारी के बीपीओ सर्वरीनाथ चौरसिया ने बताया कि इस वर्ष प्रखंड के तीन सेंटर में 464 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं 276 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जनता हाई स्कुल खलारी सेंटर में 320 परीक्षार्थी में 201 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 119 बच्चे अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरा सेंटर आदर्श हाई स्कूल शांतिनगर में 210 बच्चों में 149 बच्चों ने परीक्षा दिया जबकि 61 बच्चे अनुपस्थित रहे। तीसरा सेंटर एसीसी हाई स्कूल खलारी में 210 बच्चों में 114 बच्चों ने परीक्षा दिया जबकि 96 बच्चे अनुपस्थित रहे।

विधायक की पहल पर लगा नया ट्रांसफार्मर

सिल्ली। सिल्ली के विधायक सुदेश कुमार महतो के पहल से सिल्ली प्रखंड अंतर्गत पतराहातु सतिया टोली में 200 केवी का ट्रांसफॉर्मर लगाया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन मुखिया सुनीता देवी,शशांक शेखर दुबे,डॉ प्रदीप कुमार राय, भूपेंन भगत, धीरज साहू, भोला दास, सनातन मांझी, शैलेश हाजरा,बबलू साहू, अशोक साहू द्वारा किया गया. ज्ञात हो कि पिछले एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर खराब होने की शिकायत ग्रामीणों ने विधायक सुदेश कुमार महतो को दिया था।

शिक्षा का अलख जगा रहा प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल हांतु बेड़ो

गुणवत्ता युक्त शिक्षा, शैक्षणिक वातावरण व अनुशासन विद्यालय की पहचान : सईम हुसैन

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल हांतु गरीब, आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा का अलख जगा रहा है। बेहतर और प्रशिक्षित शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा बच्चों को भविष्य को विद्यालय में संवारा जा रहा है। उक्त बातें बेड़ो प्रखंड के प्रिंस इंटरनेशनल स्कूल हांतु के निदेशक मो. सईम हुसैन ने पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की इच्छा और आकांक्षा के अनुरूप 27 मार्च 2019 को विद्यालय की स्थापना की गई। महज 15-20 बच्चों से विद्यालय का सफर शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि प्राचार्य भीखराम उरांव के नेतृत्व में विद्यालय में प्री नर्सरी से लेकर षष्ठम कक्षा तक विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। सईम हुसैन ने कहा कि विद्यालय में अनुशासन, शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राचार्य भीखराम उरांव ने बताया कि विद्यालय में प्ले स्कूल के जैसी सुविधा प्रदान की जा रही है। फिलहाल विद्यालय में 215 छात्र-छात्राए अध्यनरत हैं। विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, टीएलएम आधारित खेल-खेल में बच्चों को सीखने की प्रक्रिया, एक्टिविटी आधारित शिक्षा, रंगोली, चित्रकला, क्विज प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, शैक्षणिक यात्रा सहित विभिन्न प्रकार के गतिविधि आयोजित होते हैं।

बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति की बैठक में श्रावणी मेले को लेकर विचार विमर्श

खूंटी। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति की बैठक की रविवार को समिति के उपाध्यक्ष रमेश मांझी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 22 जुलाई से शुरू होनेवाले श्रावणी मेले को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि बाबा आमेश्वर धाम परिसर में 22 जुलाई से 19 अगस्त तक श्रवणी मेले का आयोंजन होगा। इस दौरान बाबा के भक्तों की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था कों लेकर विमर्श किया गया। ज्ञात हो कि बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में हर साल सावन में एक महीने तक श्रावणी मेले का आयोजन किया जाता है,जिसमें न सिर्फ झारखंड के बल्कि छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश, बिहार और बंगाल के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में बाबा भोलनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। बैठक में साफ-सफाई, विजली और सुरक्षा व्यवस्था सहित कई मुद्दों में चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रावण माह के पूर्व ही मंदिर प्रवेश द्वार से निकासी और वीआइपी द्वार पर शेड बनाया जाएगा, ताकि बाबा के भक्तों को बर्षा और धूप से परेशानी न हो। साथ ही फूल और लाइट की सजावट भी कराई जाएगी तथा बनई नदी से मंदिर परिसर तक लाइट-साउंड की व्यवस्था की जाएगी।

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण कैंप का हुआ आयोजन

लोगों को विभिन्न कानूनी प्रवाधानों और प्रक्रिया की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली प्रखंड मुख्यालय सभागार में विधिक सेवा सह सशक्तिकरण मेघा कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिवत सेवा प्राधिकार के विकनाम आनंद ने कहा कि ग्रामीण एवं अन्य लोगों को विभिन्न प्रकार के कानूनी प्रावधानों न्यायिक प्रक्रियाओं विभिन्न योजनाओं के लाभ आदि की जानकारी देने के उद्देश्य से आज सिल्ली प्रखंड क्षेत्र में विधिवक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया है इसका उद्देश्य यही है कि लोग अपने हक को समझे एवं सरकार द्वारा जो भी योजनाएं उनके लाभ के लिए चलाए जा रहे योजनाओं का वह पूरा से पूरा लाभ ले। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रेणु वाला ने सभी लोगों को विभिन्न कानून प्रावधानों न्यायिक प्रतिक्रियाओं तथा सरकार द्वारा चलाई जाए योजना के प्रति स्वयं जागरूक रहने एवं अन्य लोगों को जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिला सेवा अधिकार सेवा अधिकार द्वारा किए जा रहे हैं विस्तार से जानकारी दी। शिविर के दौरान सुदूरवती क्षेत्र से आए लोगों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों सरकारी योजनाओं तथा उनके संपर्क निष्पादन के संबंध में उन्हें जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को संबधित विभाग के द्वारा चलाई जा रहे योजनाएं प्राधिकार न्यायिक प्रतिक्रिया एवं उनके माध्यम से किए जाने वाले लाभ की जानकारी दी गई। शिविर के अंत मेंजिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जिला भूमि संरक्षण कार्यालय, जेएसएलपीएस, जिला कृषि विभाग, जिला आपूर्ति विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला सामाजिक सुरक्षा विभाग, अग्रिम जिला प्रबंधक सहित अन्य विभागों के द्वारा परी संपत्ति का भी वितरण किया गया। इस मौके पर अंचल अधिकारी अनुरुम्मा एक्का , बीएचओ संजय कुमार सिल्ली पीएलवी तारा मिंज शीला देवी।

बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी सिल्ली के तीरंदाजों ने कोलकाता में किया बेहतर प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली ऑल इंडिया इंटर साईं आर्चरी चैंपियनशिप कोलकाता में खेलो इंडिया प्रतियोगिता में बिरसा मुंडा तीरंदाजी अकादमी सिल्ली के तीरंदाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के अंतर्गत चार गोल्ड, तीन रजत और एक कांस्य पद जीतकर तीरंदाजी अकादमी सिल्ली का नाम रोशन किया। बताते चले कि सब जूनियर कंपाउंड में साहिल ने 50 मीटर एकल स्पर्धा में रजत एवं तूही ने कांस्य पदक जीता। जूनियर रिकर्व गर्ल्स में तमन्ना ने एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता तथा सीनियर रिकर्व में दीप्ति ने 70 मी एकल स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया। सब जूनियर रिकर्व में अदया शक्ति ने एकल स्पर्धा में स्वर्ण,मिक्स टीम इवेंट के सब जूनियर कंपाउंड मिक्स टीम में साहिल एवं तूही ने गोल्ड पदक, जूनियर कंपाउंड मिक्स टीम से शालिनी एवं कृष ने रजत पदक, सिनियर रिकर्व मिक्स टीम से अभिषेक और दीप्ति ने गोल्ड पदक जीतकर सिल्ली का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर अकादमी के मुख्य संरक्षक सुदेश कुमार महतो, अध्यक्ष नेहा महतो तथा रांची जिला के सचिव चंचल भट्टाचार्य साथ ही साथ अकादमी और रांची के तमाम पदाधिकारियों ने बधाइयां दी।

ग्रामसभा के माध्यम से अबुआ आवास लाभुक चयन करने में सक्षम

अनुचित हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं : नीरज

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो ग्राम सभा के माध्यम से अबुआ आवास लाभुक चयन करने में सक्षम, अनुचित हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं उक्त बातें मांडर विधानसभा क्षेत्र के पांच अलग-अलग मुखिया संघों के बैठक के दौरान जिला के सचिव नीरज कुजूर ने कही। बेड़ो प्रखंड के अन्तर्गत 30 जून दिन रविवार को मुखिया संघ मांडर विधानसभा की एक विशेष बैठक बेड़ो पंचायत भवन में मुखिया सुशांति भगत के अध्यक्षता में आयोजित की गई । बैठक के दौरान मांडर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पाँचो प्रखंड के मुखिया उपस्थित होकर अबुआ आवास योजना पर मुख्य चर्चा की गई और आवश्यक रणनीति बनाई गई। मुखिया संघ ने अन्य योजनाओं पर भी चर्चा की । इस मौके पर आक्रोशित मुखियाओं ने कहा कि ग्राम सभा एवं आम सभा की अवहेलना करते हुए स्थानीय विधायक द्वारा सभी प्रखंड मुख्यालय में समीक्षा बैठक के नाम पर बैठक कर यह निर्देशित किया गया है कि जब तक उनकी अनुशंसा नहीं होती है आवास लाभुक चयन नहीं किया जाएगा, उनके इस बयान को लेकर सभी मुखिया आक्रोशित हैं। सभी मुखिया सहित जिला सचिव नीरज कुजूर का कहना है कि हम लोग ग्राम सभा के माध्यम से अबुवा आवास लाभुक चयन करने में सक्षम है इस पर स्थानीय विधायक की दखलंदाजी हमें बर्दाश्त नहीं है। इस मौके पर सभी मुखिया ने यह भी फैसला किया कि अगर इतनी जोरदार विरोध के बाद भी प्रखंड प्रशासन नहीं चेतता है तो मजबूरन सभी मुखिया कलमबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस बैठक का संचालन रांची जिला मुखिया संघ के सचिव नीरज कुजूर ने किया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में आर्ट्स कॉन्क्लेव 'प्रतिध्वनि' के दूसरे संस्करण का हुआ समापन

नवीन मेल संवाददाता। रांची सरला बिरला पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय नेशनल इंटर स्कूल इंटर-डिसिप्लिनरी कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण शानदार सफलता के साथ संपन्न हुआ। यह सम्मेलन सरला बिरला की जन्मशती को समर्पित था। इस शानदार कार्यक्रम में पूरे भारत के 35 स्कूलों के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने इस कॉन्क्लेव में आयोजित प्रतियोगिताओं में झारखंड की सांस्कृतिक परंपराओं का ध्यान रखा। प्रतियोगियों को पूरे शहर में हेरिटेज वॉक के लिए ले जाया गया। उन्होंने हमारे राज्य के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर जनजातीय संग्रहालय और बिरसा मुंडा स्मृति पार्क का दौरा किया। प्रतिभागियों के लिए विद्यालय के पूर्व छात्रों ने एक आइस-ब्रेकिंग सत्र का आयोजन किया। अंतिम दिन रचनात्मक लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का सेमीफाइनल व फाइनल राउण्ड आयोजित किया गया। इवेंट क्यूरेटर प्रणव मुखर्जे की उपस्थिति में सभी कार्यक्रम सम्पन्न हुए। बिहू नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। पुरस्कार वितरण के साथ समारोह का संपन्न हुआ जिसमें विभिन्न श्रेणियों में प्रतिभागियों को 200 से अधिक पुरस्कार प्रदान किए गए। प्राचार्या परमजीत कौर ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी भाग लेने वाले स्कूलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन, न केवल हर बच्चे के समग्र विकास में मदद करते हैं बल्कि विचारों के आदान-प्रदान में भी मदद करते हैं जो सहयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देते हैं।

हूल दिवस पर याद किए गए शहीद सिदो-कान्हू

रांची/ दुमका। संताल हूल दिवस पर दुमका में विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों की ओर से अमर शहीद सिदो-कान्हु को श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके बलिदान को याद किया गया। लोगों ने अमर शहीद सिदो कान्हू के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। दुमका में सिदो-कान्हु चौक स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के लिए सुबह से ही राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े कार्यकत्ताओं के साथ छात्र-छात्राओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों का तांता लगा रहा। हूल दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह स्थानीय विधायक बसंत सोरेन ने अपने कार्यकताओं के साथ दुमका के बड़ा बांध चौक स्थित सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

लाभ

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर में परिसंपत्तियों का हुआ वितरण

जरूरतमंद, असहाय को निःशुल्क न्यायिक सहायता देता है डालसा

नवीन मेल संवाददाता। खलारी झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार झालसा के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार डालसा सिविल कोर्ट रांची द्वारा खलारी प्रखंड कार्यालय सभागार में विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित सिविल कोर्ट रांची के न्यायिक पदाधिकारी प्रथम श्रेणी गौतम गोविंद का पौधा देकर स्वागत किया गया। न्यायिक पदाधिकारी ने कहा कि जानकारी के अभाव में अनजाने में गलती हो जाती है। अनेक कमजोर लोग वकील तक नहीं रख पाते हैं। डालसा का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद, असहाय, पीड़ित, न्याय से वंचित, दिव्यांग व्यक्ति व लोगों तक न्याय की सहायता पहुंचाना है। डालसा कार्यालय रांची अथवा स्थानीय पीएलवी को अपनी समस्या से अवगत कराएं। डालसा निःशुल्क वकील देता है, जो सामान्य वकीलों की तरह ही मामले का निष्पादन करते हैं। कोई कैदी जेल के जेलर के माध्यम से डालसा की मदद ले सकता है। अंधविश्वास के डायन बिसाही जैसे मामलों में केस से पहले मध्यस्थता के द्वारा आपसी विवाद का निपटारा करा कर लोगों की मदद की जाती है।

आजीविका स्वयं सहायता समूहों को मिली 89 लाख रूपये की सहायता, 98 लाभुकों के बीच बांटी गई परिसंपत्ति

खलारी। खलारी प्रखंड कार्यालय में आयोजित ह्यमेगा लीगल इंपावरमेंट कैंप में रविवार को कुल 98 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियां बांटी गई। खलारी के आजीविका स्वयं सहायता समूहों को 89 लाख रूपए का सहयोग दिया गया। न्यायिक पदाधिकारी गौतम गोविन्द ने समूह की महिलाओं को इसे प्रदान किया। इसमें शिक्षा विभाग के सौजन्य से 20 बच्चों को शिक्षा सामग्री दी गई। कल्याण विभाग की ओर से 20 विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान किया गया।

मनुष्य का जीवन अनमोल है, इसे परमात्मा की भक्ति में ही लगायें: बहन सुधाजी

खूंटी। संत निरंकारी सत्संग भवन हुटार खूंटी में रविवार को संयोजक स्तरीय महिला संत समागम का आयोजन किया गया। घंटों चले इस कार्यक्रम में खूंटी, रांची, बुंडू, खलारी, सिल्ली, नामकुम, रातू, नगड़ी, गुमला, लोहरदगा आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शामिल हुई बहनों ने आध्यात्मिक विचारों, गीतों और कविता के माध्यम से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु गद्दी में विराजमान बहन सुधाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आज महिलाएं सिर्फ घरों और समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अध्यात्म में भी बढ़-चढ़ कर भागीदारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आत्मा रूपी इस शरीर को जब परमात्मा रूपी पति मिल जाता है, तो जीवन की अवस्था सहज हो जाती है। फिर वह हर पल अध्यात्म से अपना जीवन-यापन करती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है, इसे हम परमात्मा की भक्ति में लगायें। रांची जोन की संयोजिका बहन चंपा भाटिया ने भी महिलाओं के सामर्थ्य, शक्ति और भक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं को इस कलयुग में भी मीरा और सबरी(भीलनी) जैसी भक्ति करनी है, जिससे उनका जीवन धन्य हो। उन्होंने महिला समागम के इस आयोजन के लिए सेवा दल के अथक प्रयासों की सराहना की।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची रेल मंडल में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की, कहा

आदिवासी परिवारों की समस्या का शीघ्र समाधान हो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने रविवार को रांची रेल मंडल के अंतर्गत चल रही रेल परियोजनाओं का निरीक्षण किया तथा रेलवे के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। अमृत काल में रांची रेलवे स्टेशन का 330 करोड़ एवं हटिया रेलवे स्टेशन का 279 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार होना है। साथ ही, पिस्का स्टेशन, बालसीरिंग, नामकुम, टाटीसिलवे, गंगाघाट, सिल्ली एवं मुरी स्टेशन के जीर्णोद्धार का काम लगभग 6 महीने में पूर्ण होने की उम्मीद है। बैठक में हटिया के विधायक नवीन जायसवाल, रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा और सीनियर डीसीएम निशांत कुमार मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने रेल अधिकारियों से रांची, हटिया, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली और पिस्का स्टेशन के उन्नयन कार्य की जानकारी ली। इस दौरान रांची रेलवे स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्य का अवलोकन किया और दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में नगड़ी, नयासराय, हटिया पुलिस मुख्यालय के समीप निमार्णाधीन आरओबी की प्रगति की रिपोर्ट और नामकुम अंडरपास की जानकारी ली। केतारी बगान ओवरब्रिज निर्माण को लेकर हुई कार्रवाई, सिरमटोली फ्लाई ओवर निर्माण में आ रही समस्या और उसके समाधान पर भी बातचीत हुई। मंत्री ने सिल्ली में बांसारूली के समीप बनने वाले अंडर पास और इलू रेल लाइन के प्रस्ताव पर हुई प्रगति की भी जानकारी ली। इधर, मुरी स्टेशन पर एक्सीलेटर लगकर तैयार हो गए हैं। जल्द ही इसका उद्घाटन केंद्रीय मंत्री करेंगे।

सड़क निर्माण पर हुई चर्चा

केंद्रीय मंत्री ने मुरी जंक्शन से बिसरिया गांव तक सड़क निर्माण कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी ली। काम में तेजी लाने के लिए निर्देश भी दिए। कडरू, सेंबरटोली के समीप अंडरपास निर्माण के दौरान रास्ता बंद होने से आदिवासी परिवारों को हो रही समस्या पर चर्चा करते हुए इसके शीघ्र समाधान का निर्देश संजय सेठ ने डीआरएम को दिया।

इस साल के अंत तक पूरा होगा काम : डीआरएम

रांची डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा ने कहा कि रांची रेलवे स्टेशन समेत अन्य विकास कार्य इस साल के दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि इस साल के अंत तक काम को पूरा कर लिया जाए।

केतारी बगान और पावर हाउस फ्लाईओवर निर्माण में नहीं टूटेगा किसी का घर : मंत्री

मीडिया से बात करते हुए रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जो वादा किया था, उस वादे को पूरा किया। पहले प्लेटफॉर्म, बोगी और बाथरूम गंदा रहता था। 330 करोड़ रुपये की लागत से रांची रेलवे स्टेशन और लगभग 279 करोड़ रुपये की लागत से हटिया रेववे स्टेशन का कायाकल्प होना है। केतारी बगान और पावर हाउस में फ्लाईओवर बनना है। यह काफी पहले से पास हो चुका है, लेकिन कई लोगों के घर टूट रहे थे। मैंने फिर से इसके प्लान को तैयार करने को कहा और अब प्लान बन चुका है। अब किसी का घर नहीं टूटेगा। रांची रेलवे स्टेशन से डोरंडा जाना अब आसान हो गया है। किसी को घूम कर जाने की जरूरत नहीं होगी। रांची रेलवे स्टेशन के साउथ साइड से चुटिया जाना और भी आसान हो जाएगा, क्योंकि 25 करोड़ रुपये की लागत से एक आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) बनाया जाएगा। पहाड़ी बाबा को जल चढ़ाने के लिए नामकुम स्थित स्वर्णरेखा घाट से भक्त जल उठाते हैं। भक्तों को जल उठाने के लिए रेलवे क्रॉसिंग पार होकर जाना पड़ता है। वहां जल्द ही अंडरपास का निर्माण किया जाएगा।

न्यूज बॉक्स

आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेसन से एक नाबालिग को बचाया

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन फूड प्लाजा के पास एक नाबालिग को बचाया है। आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी दिगंजय शर्मा ने रविवार को बताया कि आरपीएफ पोस्ट रांची और 'नन्हे फरिश्ते' टीम के जरिये ऑपरेशन 'नन्हें फरिश्ते' के तहत जांच के दौरान फूड प्लाजा के पास एक नाबालिग लड़की को देखा गया। उसे डरा सहमा देख उससे कारण पूछा गया, तो वह ठीक से जवाब नहीं दे पाई। बाद में तमाम औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसे सीडब्ल्यूसी रांची के समक्ष पेश किया गया और फिर सीडब्ल्यूसी के आदेशानुसार 'प्रेमाश्रय' रांची को सौंप दिया गया। नाबालिग लोहरदगा की रहने वाली है।

युवती ने चौथे तल्ले से लगाई छलांग, मौत

रांची। हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद लेन की रहने वाली एक युवती ने प्रेमी से फोन पर बात करते हुए चौथे तले से छलांग लगा कर रविवार को अपनी जान दे दी। घटना के बाद प्रेमी ने ही अपने प्रेमिका को अंजुमन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया है। मृत लड़की के परिजनों का कहना है कि मृत आयशा उर्फ सना और जावेद का लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस कारण दोनों की शादी भी तय हुई थी, लेकिन लड़के के घर वालों ने दहेज का लालच था। इस कारण शादी में अड़चन आई और सना और जावेद का विवाद हो गया। लेकिन, फिर बाद में सबकुछ ठीक हुआ। तब तक जावेद का किसी दूसरी लड़की से प्रेम प्रसंग चलने लगा। इस कारण इन दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। परिजनों ने बताया कि सना ने घर के चौथे तल्ले से कूदकर अपनी जान दे दी। परिजनों ने बताया कि घटना के समय सना अपने प्रेमी जावेद से ही फोन पर बात कर रही थी और जावेद ठीक उसके घर के नीचे खड़ा था। सना जैसे ही नीचे गिरी, जावेद ही उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। लेकिन, सना की मौत बात सुनकर वह मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने प्रेमी जावेद को हिरासत में ले लिया है। परिजनों को आशंका है कि जावेद के उकसाने की वजह से ही सना ने खुदकुशी की है। डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। जावेद को हिरासत में ले लिया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

सेक्स रैकेट को लेकर रॉयल रेजीडेंसी होटल में छापेमारी

रांची । रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित रॉयल रेजिडेंसी होटल में सेक्स रैकेट को लेकर रविवार को छापेमारी की गई। पुलिस ने वहां से सात युवतियों और दो व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को सेक्स रैकेट को लेकर मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी केबी रमण के नेतृत्व में छापेमारी की गई। डीएसपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान सात युवतियों और दो व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने सेक्स रैकेट के कारोबार को लेकर यह छापेमारी की है।

रथ यात्रा को लेकर कल से पुरी के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

रांची। रथ यात्रा को लेकर रेलवे ने ओडिशा के पुरी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इसको लेकर रेलवे की ओर से सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। रेलवे की ओर से चक्रधरपुर डिवीजन में तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसमें से एक ट्रेन बादामपहाड़ स्टेशन से पुरी के बीच चलेगी। इस दौरान इस ट्रेन का ठहराव रायरंगपुर, टाटानगर, घाटशिला और भद्रक में भी होगा। यह ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक एक दिन छोड़कर चलेगी। वहीं, दो ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक राउरकेला और पुरी के बीच चलेंगी, जिसमें से एक ट्रेन चक्रधरपुर होते हुए चलेगी। वहीं, दूसरी ट्रेन झारसुगड़ा, संबलपुर होते हुए पुरी के लिए रवाना होगी।

'सीए रन फॉर विकसित भारत' का हुआ आयोजन

रांची । दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की स्थापना 1 जुलाई 1949 को भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई थी। इसी कारण सीए इंस्टीट्यूट स्थापना दिवस और उससे पूर्व स्थापना सप्ताह में पूरे देशभर में बहुत से सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है। इसी क्रम में इंस्टीट्यूट की रांची शाखा ने रविवार को मेहरु गांव, बेड़ो में पर्यावरण के संरक्षण के लिए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। साथ ही, गांव के 200 गरीब बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया गया। रविवार की सुबह आईसीएआई की रांची शाखा ने मोरहाबादी मैदान में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा भारत का विकसित बनाने के लक्ष्य को लेकर 'सीए रन फॉर विकसित भारत' दौड़ आयोजित किया। इस मैराथन में 60 से ज्यादा पुरुष और महिला चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने भाग लिया।

रांची प्रेस क्लब में लगा हेल्थ कैंप, 58 लोगों ने ली सलाह

अपोलो क्लिनिक के छह डॉक्टरों ने की जांच

नवीन मेल संवाददाता। रांची

डॉक्टर्स डे के एक दिन पहले रविवार को रांची प्रेस क्लब में पत्रकार सदस्यों के लिए एकदिवसीय हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। हेल्थ कैंप में अपोलो क्लिनिक के अलग-अलग विभागों के कुल छह डॉक्टरों ने 58 पत्रकारों के स्वास्थ्य की जांच कर उनको दवा की सलाह दी। हेल्थ कैंप में शामिल होने वाले डॉक्टरों में डॉ रेशमा सिंह, डॉ निभा एन कुमार, डॉ सोनू कुमार, डॉ रवि रौशन, डॉ जावेद, स्किन ब्लीस क्लिनिक की डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ नेहा रानी और डॉयटिशियन विजेता कुमारी शामिल थीं।

कैंप में शामिल होने वाले पत्रकारों का रजिस्ट्रेशन करने के साथ ही उनकी बीपी, शुगर आदि पूरी तरह से निःशुल्क जांच की गई। बीमारी के अनुसार अलग-अलग विभाग के डॉक्टरों ने उनकी जांच की और उनकी समस्याओं के अनुरूप दवा आदि की सलाह दी। हेल्थ कैंप में पत्रकार के अलावा उनके परिवार के सदस्यों ने भी आकर अपनी बीमारी के अनुरूप संबंधित डॉक्टरों से सलाह ली।

क्लब के अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन ने सभी डॉक्टरों व अपोलो क्लिनिक की टीम का स्वागत करते हुए कहा कि आने वाले समय में रांची प्रेस क्लब के सदस्यों के लिए लगातार ऐसे आयोजन किए जाएंगे, जिससे सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निजात मिल सके। हेल्थ कैंप में सचिव अमरकांत, सह सचिव रतन लाल, कार्यकारिणी सदस्य सह हेल्थ कमेटी हेड सौरभ शुक्ला, आलोक कुमार, संजय सुमन, विजय मिश्रा, चंदन भट्टाचार्य, मोनू कुमार के अलावा वरिष्ठ पत्रकार शफीक अंसारी, प्रमोद झा, ब्रजेश राय, दीपक ओझा, आनंद मोहन, भारत भूषण प्रसाद, रूपम आदि मौजूद थे।

नाबालिग दिव्यांग के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर झालसा ने लिया संज्ञान

रांची। समाचारपत्रों में विगत 22 जून को 12 वर्ष की दिव्यांग के साथ सामूहिक दुष्कर्म की छपी खबर पर झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सह कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा जस्टिस सुजित नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया था। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची को यह आदेश दिया है कि वह तत्काल पीड़ित तथा पीड़ित के परिवार से मिलकर आवश्यक सहायता प्रदान करे। इस निर्देश के आलोक में न्यायायुक्त सह अध्यक्ष डालसा, रांची, दिवाकर पांडे ने डालसा सचिव को अविलंब एक टीम गठित कर पीड़ित तथा पीड़िता के परिवार को विधिक सहायता प्रदान करने का आदेश दिया। इस आदेश के आलोक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची कमलेश बेहरा ने एक टीम गठित की, जिसने पीड़ित के परिवार से रिम्स में मुलाकात की और डालसा द्वारा दी जानेवाली निःशुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी।

श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का हुआ वितरण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) दिल्ली शाखा रांची के सयुंक्त तत्वावधान में रविवार को 156वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 1100 भक्तों, श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं बच्चों के बीच भंडारे के महाप्रसाद का वितरण किया गया। स्वामी सदानंद जी महाराज के शिष्यों ने इसका आयोजन अरुणा कैलाश जीवराजका की शादी की 50वीं सालगिरह पर श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम दिव्यांग आश्रम (सद्गुरु अपना घर आश्रम) के प्रांगण में किया था।

आज महाप्रसाद के वितरण का शुभारंभ संस्था के कार्यक्रम संयोजक विशाल जालान ने आश्रम में स्थापित भगवान श्री राज श्यामा (राधा-कृष्ण) को प्रसाद अर्पित कर किया था। मौके पर संस्था के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज कुमार चौधरी, पुर्णमल सर्राफ, शिवभगवान अग्रवाल, नंद किशोर चौधरी, सुरेश भगत, अमित पोद्दार, अजय खेतान, ओमप्रकाश सरावगी, पवन पोद्दार, सुरेश भगत, आलोक सिंह, धीरज गुप्ता, रमेंद्र पांडेय महिला समिति की वरिष्ठ सदस्या विधा देवी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, अमिता जालान, सुनीता अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, सिद्धी जालान, बंदना जालान, विशाखा जालान आदि उपस्थित थे। यह जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

संस्कृति को बचाने में प्रचार प्रसार की भूमिका अहम : विनोद बंसल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि समाज और संस्कृति को बचाने में प्रचार-प्रसार की भूमिका अहम है। मन वचन और व्यवहार से कोई वचन ऐसा ना निकले, जिससे कुप्रचार हो। यह मत मानिए कि आपको कोई नहीं देख रहा हैं। ईश्वर सर्वत्र है। बंसल रविवार को रांची के नामकुम स्थित एक होटल में आयोजित विश्व हिंदू परिषद् झारखंड प्रांत की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और निष्ठा से प्रचार-प्रसार का कार्य करना जरूरी है। इससे आपकी साख और ख्याति बढ़ेगी। क्षेत्रीय मंत्री वीरेंद्र विमल ने कहा कि समाज में सोशल मीडिया युद्ध चल रहा है और इससे कोई भी बचे हुए नहीं है। आज समाज में सोशल मीडिया की भूमिका अहम है। क्षेत्र सहमंत्री वीरेंद्र साहू ने कहा कि प्रचार-प्रसार की भाषा अमर्यादित किसी भी रूप में नहीं होनी चाहिए। प्रचार-प्रसार संगठन और समाज के बीच में सेतु का कार्य करता है।

इस कार्यक्रम में प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपात, प्रांत मंत्री मिथलेश्वर मिश्र, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत सहमंत्री मनोज पोद्दार, प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो, क्षेत्रीय सह मंत्री बीरेंद्र साहू, महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी, प्रांत विशेष संपर्क सहप्रमुख प्रिंस आजमानी, प्रांत प्रचार-प्रसार सह प्रमुख प्रकाश रंजन आदि मौजूद थे।

56,569 लाभुकों के बीच हुआ परिसंपत्ति का वितरण

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति सह कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, जस्टिस सुजित नारायण प्रसाद के दिशा निर्देश तथा न्यायायुक्त सह अध्यक्ष डालसा, रांची के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची ने रविवार को कानूनी सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन जिले के सभी 18 ब्लॉकों में किया। इसमें विभिन्न विभागों जैसे श्रम विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कौशल विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, मनरेगा एवं अन्य सरकारी विभागों की लाभकारी योजनाओं की सहायता परिसंपत्ति लाभुकों में वितरित की गई तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कैंप में 56,569 लाभुकों के बीच 51, 78, 45, 946.00 रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया गया। ये वैसे लाभुक हैं, जो किसी कारणवश सरकारी योजना के लाभ से वंचित थे।

महिला मरीज को बंधक बनाने का मामला

जेनेटिक अस्पताल के डायरेक्टर पर केस दर्ज

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी के जेनेटिक अस्पताल में मरीज को बंधक बनाकर रखने के मामले में अस्पताल के डायरेक्टर मनोज अग्रवाल समेत अन्य के खिलाफ रंगदारी मांगने, बंधक बनाने, गाली-गलौच करने, जातिसूचक गाली देने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। खूंटी निवासी मंगलू सिंह की शिकायत पर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि मंगलू की पत्नी सुनीता कुमारी को खूंटी सदर अस्पताल से रिम्स रेफर किया गया। रांची पहुंचने के बाद एक अज्ञात ऑटो वाला रिम्स में सही इलाज नहीं होने का हवाला देते हुए पत्नी को जेनेटिक अस्पताल ले गया, जहां ऑपरेशन करने की बात कही गई। जेनेटिक अस्पताल की तरफ से दवा का खर्चा छोड़ 1.2 लाख रुपये का खर्च बताया गया। 28 मई को 90 हजार रुपये जमा किए। ऑपरेशन के बाद 31 मई को 30 हजार, तीन जून को 50 हजार जमा कराया। साथ ही, दवा के खर्च के रूप में 34 हजार रुपये अलग से दिए। मंगलू के मुताबिक, जब उसने पत्नी और बच्चे को छोड़ने के लिए कहा, तो जेनेटिक अस्पताल के राजा खान व डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने उसे धमकी देते हुए रंगदारी के तौर पर एक लाख 60 हजार रुपये देने की बात कही। यह भी कहा कि जब पैसे मिलेंगे, तब पत्नी व बच्चा को छोड़ेंगे। जब बच्चा रोने लगा तो उसे घर ले जाने के लिए दे दिया, लेकिन पत्नी को बंधक बनाकर अस्पताल में रख लिया। जब भी वह पत्नी से मिलने अस्पताल जाता था, तो राजा खान उसे जातिसूचक गाली देते हुए भगा देता था।

मंगलू जब डायरेक्टर मनोज अग्रवाल के पास गया, तो पीछे से राजा खान भी वहां पहुंच गया। फिर गाली देते हुए कहा कि एक लाख 60 हजार रुपये नहीं दोगे, तो तुम्हारी पत्नी को जाने नहीं देंगे। अस्पताल में तुम्हारी पत्नी से झाड़ू-पोछा करवाकर पैसे वसूल करेंगे। बाद में उसकी शिकायत पर सीआईडी की टीम अस्पताल आई और महिला को छुड़वाया। हॉस्पिटल से मुक्त होने के बाद सुनीता ने कहा कि उसे जनरल वार्ड में रखा गया था। साथ ही, पैसा मंगवाने के लिए गलत व्यवहार किया जाता था।

उल्लेखनीय है कि झारखंड हाई कोर्ट ने बरियातू बूटी रोड स्थित जेनेटिक अस्पताल में बकाया बिल जमा नहीं करने पर नवजात की मां (महिला मरीज) को बंधक बनाए जाने को गंभीरता लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को जवाब देने का निर्देश दिया है।

मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा का रक्तदान पखवाड़ा संपन्न

17 दिनों में 578 लोगों ने किया रक्तदान

पखवाड़े में 25 रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ

100 से अधिक लोगों ने पहली बार रक्तदान किया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा का 17 दिनों से चल रहा रक्तदान पखवाड़ा रविवार को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। विश्व रक्तदाता दिवस से शुरू हुए इस पखवाड़ा में मंच ने प्रतिदिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया तथा लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया। मंच ने 17 दिनों में 25 रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें 578 लोगों ने रक्तदान किया और इस संकल्प को सफल बनाने मे अपना बहुमुल्य सहयोग दिया। इस कार्यक्रम के दौरान 100 से अधिक लोगों ने पहली बार रक्तदान किया तथा भविष्य में भी रक्तदान करने का संकल्प लिया। इस पखवाड़ा में रांची के विभिन्न ब्लड बैंक जैसे की सेवा सदन ब्लड बैंक, हेल्थ प्वॉइंट ब्लड सेंटर, सदर ब्लड बैंक एवं रिम्स ब्लड और उनकी पूरी टीम का भरपूर सहयोग मिला। मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा के रक्तदान प्रभारी विष्णु अग्रवाल एवं प्रवीण अग्रवाल पखवाड़ा के पूरे 17 दिन कार्यक्रम के प्रति अपना समर्पण दिखाते हुए सभी रक्तदान शिविर में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। साथ ही, मंच के सदस्यों ने भी उनका पर साथ दिया।

मंच के प्रवक्ता राघव जालान ने बताया कि कार्यक्रम में मंच के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, सचिव सोनित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्पर्श चौधरी, राष्ट्रीय रक्तदान संयोजिका नेहा पटवारी, प्रांतीय मुख्यालय उपाध्यक्ष विशाल पड़िया, प्रांतीय रक्तदान संयोजक पिंकेश खंडेलवाल, सभी पूर्व अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्यों एवं अन्य युवा सदस्यों ने अपना बहुमुल्य समय एवं योगदान दे कर इस विशेष आयोजन को सफल बनाने मे अपना सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे सहयोग देने वाले हर व्यक्ति का दिल से धन्यवाद एवं आभार करता है।

'सांझ ढले गगन तले' कहानी संग्रह का हुआ लोकार्पण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी के करमटोली स्थित प्रेस क्लब में रविवार को रांची की हिंदी लेखिका रीता गुप्ता के नवीन कहानी संग्रह 'सांझ ढले गगन तले' का लोकार्पण हुआ। रीता गुप्ता पिछले कई दशकों से हिंदी लेखन में सक्रिय हैं, खासकर गद्य विधा में। यह लेखिका की दूसरी पुस्तक है। मौके पर रांची के वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य हरेराम त्रिपाठी चेतन की अध्यक्षता में विनोद कुमार, प्रो अरुण कुमार, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार वीणा श्रीवास्तव एवं सक्रिय साहित्यकार रश्मि शर्मा ने कृति चर्चा में भाग लिया। सरस्वती वंदना और रचनाकार के बीज वक्तव्य के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। चर्चा की शुरुआत करते हुए रश्मि शर्मा ने रीता गुप्ता की कहानियों पर रोशनी डाली और कहा कि 'सांझ ढले गगन तले' की कहानियां प्रथम दृष्टया संस्मरणात्मक लगती हैं। लेकिन, कहानी के अंत आते-आते पाठक चौंक जाता है। अलग-अलग रंगों और पूरे कहानीपन के साथ मौजूद हरेक कहानी पठनीय है। वीणा श्रीवास्तव ने लेखिका को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। प्रो विनोद कुमार ने पुस्तक लोकार्पण को उत्सव का दिन बताया। वरिष्ठ साहित्यकार प्रो अरुण कुमार ने कहा कि रीता गुप्ता शब्द चित्र की कुशल कलाकार हैं। अध्यक्षीय वक्तव्य में आचार्य हरेराम त्रिपाठी चेतन ने कहा कि कहानी वही अच्छी होती है, जो मनुष्यता की बात करती हो। रांची में कथाकार के साथ साथ समीक्षक भी आ रहे हैं, जो कि बहुत ही सुखद है। रीता जी को बधाई और शुभकामनाएं।

आवश्यकता है

1994 से प्रकाशित आईपीआरडी और डीएवीपी से मान्यताप्राप्त प्रतिष्ठित **'दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल'** को अपने रांची और डालटनगंज संस्करण के लिए उत्साही और ऊर्जावान रिपोर्टर, मार्केटिंग कार्यकारी और प्रखंड स्तर से लेकर ब्यूरो स्तर के रिपोर्टर, की आवश्यकता है। ससमय उचित पारिश्रमिक और अन्य सुविधाएं। शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, स्थान और मानदेय की मांग के विवरण के साथ शीघ्रातिशीघ्र आवेदन करें। पत्राचार पूर्णतः गोपनीय रहेगा। hr.rnmail@gmail.com या प्रधान संपादक **'राष्ट्रीय नवीन मेल'** ,502 बी,मंगलमूर्ति हाइट्स, विशाल मेगामार्ट के पास हरमू रोड रांची 834001 (झारखंड)

अमर शहीदों को नमन कर राज्य के विकास का लिया संकल्प

रविवार को मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय से नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन, सांसद विजय हांसदा सहित कई नेताओं ने 1855 के हूल क्रांति के वीर शहीदों को भोगनाडीह पहुंचकर नमन किया। इस मौके पर भोगनाडीह में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें योग्य पात्रों के बीच परीसंपत्ति का वितरण किया गया।

शहीदों को सम्मान और उनके परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी है झामुमो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हूल दिवस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला समिति ने रविवार को कांके रोड स्थित सिद्धू कान्हू पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। झामुमो जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि झारखंड के तमाम शहीदों को सम्मान और शहीद के परिजनों की सुध लेने वाली पार्टी एक मात्र झामुमो ही है। हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में हूल क्रान्ति के महानायकों, शहीदों एवं शहीदों के परिजनों की सुध ली गई। सभी शहीद स्थलों का सौंदर्यीकरण किया गया। छूटे हुए शहीद स्थलों को सौंदर्यीकरण करने के लिए मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन अग्रसर हैं। कार्यक्रम में जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, केन्द्रीय सदस्य समनुर मंसुरी, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, रामानंद बेदिया, कलाम आजाद, डॉ तालकेश्वर महतो सहित अन्य शामिल थे।

केंद्रीय सरना समिति ने हूल दिवस पर सिद्धो-कान्हू को किया याद

रांची। हूल दिवस पर रविवार को केन्द्रीय सरना समिति और चडरी सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कांके रोड स्थित सिद्धू कान्हू पार्क में सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया । मौके पर बबलू मुंडा ने कहा कि संथाल हूल का नेतृत्व भोगनाडीह निवासी चुन्नी मांझी के चार पुत्रो ने किया। उनके नाम थे सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव था। 30 जून 1855 को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि 30 जून 1855 को मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में वीर सिद्धू कान्हू और चांद भैरव के नेतृत्व में 400 गांव के लगभग 50,000 लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत से आमने-सामने की जंग का ऐलान किया था। चडरी सरना समिति के प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा ने कहा कि सिद्धू कानू संथाल विद्रोह 1855 से 1856 के नेता थे जो पूर्वी भारत के वर्तमान झारखंड में ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता और भ्रष्ट उच्च जाती की जिम्मेदारी व्यवस्था दोनों के खिलाफ मूल निवासियों का विद्रोह था।

कांग्रेस ने हूल दिवस पर सिद्धो-कान्हू को अर्पित किया श्रद्धासुमन

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को हूल क्रांति दिवस पर सिद्धू कान्हू पार्क में संथाल हूल के अमर नायक सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा और कांग्रेस भवन में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि झारखंड के महान सपूत सिद्धू-कान्हू और चांद-भैरव ने 150 वर्ष पूर्व अंग्रेजों के शोषण एवं अत्याचार के खिलाफ स्वाभिमान तथा आत्मसम्मान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका था। यह आंदोलन 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि थी। यह सबसे अधिक संगठित और सशक्त आंदोलन था, जिसमें संथाली अपनी मातृभूमि की खातिर कुर्बान होने को तैयार हो गए। उन्होंने कहा कि झारखंडवासियों को महान सपूतों के बलिदान से प्रेरणा लेकर झारखंड को समृद्ध और विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर अमूल नीरज खलको, मदन मोहन शर्मा, सतीश पाल मुंजनी, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, कमल ठाकुर, रमा खलको, गौतम उपाध्याय, राकेश किरण महतो, अजय सिंह, एनुल हक, रमेश पांडे, चंदन बैठा, मनोज कुमार महतो, गुलजार अहमद, सुरेन राम, हृदय आनंद यादव, जगन्नाथ साहू, अर्चना मिर्धा, शिवटहल नायक आदि थे।

बढ़ते भारत, बदलते भारत की गाथा है मन की बात : बाबूलाल मरांडी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 111 वा संस्करण प्रसारित हुआ। प्रदेश भाजपा की ओर से यह कार्यक्रम राज्यभर के बूथों पर पार्टी के पदाधिकारी, सांसद, विधायक, जन प्रतिनिधि व कार्यकताओं ने सुना। प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने अपने संथाल परगना प्रवास के दौरान शिकारीपाड़ा के पलमा में कार्यकताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन कार्यक्रम आम जनता से जुड़ाव का अनूठा कार्यक्रम है। विश्व के किसी राजनेता के द्वारा प्रति सप्ताह जनता से ऐसा प्रत्यक्ष संवाद नहीं होता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा। मन की बात कार्यक्रम बढ़ते भारत ,बदलते भारत की गाथा है। उन्होंने कहा कि देश सकारात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा। भारत का सांस्कृतिक गौरव बढ़ रहा। दुनिया का भारत के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आए हैं। उन्होंने हूल क्रांति और उसके महानायक सिदो कान्हू से भारत की जनता को परिचित कराने के लिए आभार प्रकट किया।

हमारे सामर्थ्य और संस्कृति से परिपूर्ण संवाद है मन की बात : अमर कुमार बाउरी

गोंदा मंडल स्थित रॉक गार्डन बूथ पर मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम भारत के सामर्थ्य और संस्कृति का संवाद है। कहा कि आज के 111वें संस्करण में विकसित भारत की सोच है, शहीदों की गाथाएं है, जनता का परिश्रम है,सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नही चाहते थे कि मन की बात का 111वे संस्करण को बोलने का अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को मिले। लेकिन देश की जनता ने यह अवसर तीसरी बार मोदी सरकार के संकल्प को पूरा करके दिया। इसके साथ ही क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा,मनोज कुमार सिंह सहित हजारों कार्यकताओं ने अपने अपने बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना।

मुख्यमंत्री चंपाई दो को 1500 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास-उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन दो जुलाई को राज्यवासियों को 1500 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इस अवसर पर जल संसाधन, पथ निर्माण विभाग व भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन भी उपस्थित रहेंगे। उप राजधानी दुमका से योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन होगा। इसका सबसे अधिक लाभ संथाल के सभी छह जिलों को मिलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण सड़क-पुल व प्रखंड भवन सहित सिंचाई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। इनमें कई नई योजनाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को देखते हुए तीनों विभाग तैयारी कर रहे हैं। संबंधित जिला प्रशासन को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश दिया गया है।

भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाकपा के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा सहित अन्य नेताओं ने रविवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुलाकात की। साथ ही जेल से पांच महीने के बाद बाहर आने पर उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि संविधान और सच्चाई की जीत हुई है। भाजपा के मंसूबों पर चोट हुई है। हेमंत सोरेन के बाहर आने से इंडिया ब्लॉक मजबूत हुआ है और आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए एकजुट होकर चुनाव लडने का संकल्प लें। मुलाकात करने वाले नेताओं में पीके पांडेय, महेंद्र पाठक, अजय सिंह, केडी सिंह, कलम रशीदी और पुष्कर महतो सहित अन्य शामिल थे।

अतिथि शिक्षकों को नहीं मिल रहा आवश्यकता आधारित शिक्षकों के समान मानदेय

आरयू के अतिथि शिक्षकों के साथ हो रहा भेदभाव

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाले अतिथि शिक्षकों की परेशानी कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। रांची विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षक पिछले 7 वर्षों से शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कार्य कर रहे है। उसी प्रकार बाद में नियुक्त आवश्यकता आधारित शिक्षक भी शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कार्य कर रहे हैं। आवश्यकता आधारित शिक्षकों को गैर शैक्षणिक कार्य का मानदेय देने का राज्य सरकार का निर्देश आ चुका है, लेकिन अतिथि शिक्षकों को इससे वंचित रखा गया है। इस प्रकार एक ही विश्वविद्यालय में एक

ही प्रकार के कार्य प्रणाली वाले शिक्षकों के मानदेय में दोहरी नीति अपनाई जा रही है। अतिथि शिक्षक संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि हमारी नियुक्ति के साथ ही प्रायोगिक विषयों जैसे भूगोल, मानव शास्त्र, गणित, भौतिकी रसायन आदि में जहां 75 विद्यार्थियों का नामांकन किया जाता था, वहां डेढ़ सौ विद्यार्थियों का नामांकन किया जा रहा है। अप्रायोगिक विषयों जैसे इतिहास, राजनीतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, हिंदी साहित्य इत्यादि में जहां 150 विद्यार्थियों का नामांकन किया जाता था, वहां 300 विद्यार्थियों का नामांकन किया जा रहा है। चार मॉडल कॉलेज का संचालन इन्हीं अतिथि शिक्षकों द्वारा किया जा रहा है, जो कि राज्य सरकार के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इन शिक्षकों को पिछले लगभग 1 वर्षों से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। इस कारण इनकी आर्थिक स्थिति काफी दयानीय हो चुकी है। फिर भी ये शिक्षक अपनी दैनिक यातायात के लिए उधार में पैसा लेकर विश्वविद्यालय पठन-पाठन के लिए नियमित रूप से जा रहे हैं।

सोरेन परिवार की पहचान जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वालों में

भाजपा दे रही सक्षम आदिवासी नेतृत्व : विष्णु देव साय

नवीन मेल संवाददाता। रांची

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाजपा शासित राज्यों के आदिवासी मुख्यमंत्रियों को रबर स्टाम्प बताने वाले बयान पर पलटवार किया। उन्होंने सोरेन परिवार को जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाला परिवार कहा। विष्णु देव ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि देशभर में जिस तरह से भाजपा, सक्षम आदिवासी नेतृत्व दे रही है, ऐसा इससे पहले कभी नहीं था। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आदिवासी मुख्यमंत्रियों के बारे में अनर्गल प्रलाप निंदनीय है। यह देशभर के आदिवासी और पिछड़े समाज का

हेमंत समझ लें महज जमानत मिली है अपराध मुक्ति का सर्टिफिकेट नहीं

अपमान है। जीवनभर अपने कृत्यों से सोरेन परिवार जिस तरह आदिवासी समाज को बदनाम करता रहा है, वह भी निंदनीय है। विष्णु देव ने कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर अपनी तिजोरी भरने वाले सोरेन और उनकी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता सबक सिखाने का मन बना चुकी है। यही कारण है कि अब वे समाज के प्रति ही अनाप-शनाप बयानबाजी पर उतारू हो गये हैं। सोरेन परिवार का रिश्वत कांड भी अभी तक जनता भूली नहीं है। हेमंत सोरेन को यह समझ लेना चाहिए कि महज जमानत मिल जाना अपराध मुक्ति का सर्टिफिकेट नहीं होता है। अंतिम फैसला अभी बाकी है। विष्णु देव ने कहा कि दरअसल आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, महिलाओं और युवाओं के बीच भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता से इंडी गठबंधन घबराया हुआ है। इसी कारण ऐसी बयानबाजी हो रही है। समाज को अपमानित करने वाले किसी भी बयान को जनता सहन नहीं करेगी, इसका माकूल जवाब देगी। उल्लेखनीय है कि हेमंत सोरेन ने शनिवार को रांची में समर्थकों के बीच कहा था कि वे जनता के आशीर्वाद से सबसे पहले देश में आदिवासी मुख्यमंत्री बने। आपकी ताकत की बदौलत मोदी सरकार को झुकना पड़ा है। पड़ोसी राज्यों में उनको आदिवासी सीएम बनाना पड़ रहा है लेकिन वो रबर स्टैंप हैं।

स्टार्टअप कांन्क्लेव में विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री को निमंत्रण

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने रविवार को वित्तमंत्री डॉ रामेश्वर उरांव से मिलकर एफजेसीसीआई के स्टार्टअप कॉन्क्लेव में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होने का निमंत्रण दिया। युवा उद्यमियों के लिए इस आयोजन को बेहतर बताते हुए वित्त मंत्री ने चैंबर के प्रयास की प्रशंसा की। ज्ञात हो कि आगामी 6 जुलाई को आर्यभट्ट सभागार में स्टार्टअप कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। इधर, आयोजन की तैयारियों को लेकर स्टार्टअप उप समिति के सदस्यों ने आर्यभट्ट सभागार जाकर तैयारी का भी जायजा लिया। उप समिति चेयरमैन अमित अग्रवाल ने बताया कि आयोजन स्थल पर एक स्टार्टअप जोन और नेटवर्किंग जोन बनाया जाएगा।

शैलबी डिवाइन के सहयोग से लायंस क्लब ने किया मेडिकल कैंप का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शैलबी डिवाइन सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सहयोग से लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल ने रविवार को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका के समीप निःशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया। कैंप में ब्लड प्रेशर, शुगर सहित अन्य बीमारियों की जांच की गई। लायंस क्लब ऑफ रांची ग्लोबल के प्रेसिडेंट लायंस शैलेश अग्रवाल ने कहा कि शिविर लगाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। क्लब का मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा करना है, जिसे जरूरतमंद लोगों के बीच फ्री मेडिकल कैंप लगाकर सार्थक किया जा रहा है। आने वाले दिनों में क्लब की गतिविधियों को रफ्तार दी जाएगी।

मौके पर क्लब की तरफ से अस्पताल के डॉक्टरों की टीम तथा अतिथियों को सम्मानित किया गया। क्लब के सचिव लायन अमित शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 से ज्यादा लोगों की जांच की गई। जांच के क्रम में बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा उचित सलाह और आवश्यक उपचार की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संयोजक पीयूष कुमार के प्रयास से मेडिकल चेकअप कैंप सफलतापूर्ण संपन्न हुआ। कैंप को सफल बनाने में क्लब के उपाध्यक्ष संतोष अग्रवाल, सोनल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा, लीडरशिप चेयरपर्सन मोनिका गोयनका, अल्तमश आलम व अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

एक नजर

ज्वाला जी से लाई जा रही अखंड ज्योत कुछ देर के लिए वैष्णों देवी मंदिर में रुकी

रामगढ़। रांची के श्री राधा कृष्ण मंदिर के सदस्यों द्वारा हिमाचल प्रदेश के ज्वाला जी से लाई जा रही अखंड ज्योत कुछ देर के लिए रामगढ़ के झंडा चौक स्थित माता वैष्णों देवी मंदिर में रुकी। जहां पंजाबी हिन्दू बिरादरी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने जय माता दी का जयकारा लगाते हुए ज्योत के साथ पहुंचे श्री राधा कृष्ण मंदिर रांची के सदस्यों का स्वागत किया। इस दौरान ज्वाला जी से लाई जा रही अखंड ज्योत को देखने के लिए माता वैष्णों देवी मंदिर परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं अखंड ज्योत लेकर रांची जा रहे श्री राधा कृष्ण मंदिर के सदस्यों ने माता वैष्णों देवी मंदिर में रूककर माता रानी का गुनगान करते हुए पूजा अर्चना किया। तत्पश्चात हिमाचल प्रदेश के ज्वाला जी से लाई जा रही ज्योत लेकर माता रानी का जयकारा लगाते हुए रांची के लिए निकल पड़े। स्वागत करने वालों में पंजाबी हिन्दू बिरादरी के अध्यक्ष एससी वासुदेव, महासचिव महेश मारवाह, उपाध्यक्ष मनजीत साहनी, सहसचिव नरेश चन्द्र मारवाह, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार खोसला आदि शामिल थे।

जनता की समस्याओं का होगा तत्काल समाधान : हर्ष अजमेरा

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग के सिरसी पंचायत में रविवार को युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने पंचायत वासियों से सीधा संवाद किया, संवाद के दौरान पंचायत वासियों ने अपनी समस्याओं को लेकर विस्तार पूर्वक अपनी बातों को रखा उन्होंने बताया कि बिजली, पानी जैसे अनेकों समस्याओं से हम पंचायत वासियों काफी परेशान हैं साथ ही सभी ने एक स्वर से श्री अजमेरा से समस्या का समाधान करने का आग्रह किया। साथ ही पंचायत वासियों ने श्री अजमेरा के प्रति आभार जताते हुए कहा की सेवा सहयोग समिति के प्रयास से काफी कुछ पंचायत में हुआ है हम आग्रह करते हैं कि आगे भी आप समस्या का समाधान अवश्य करेंगे। मौके पर हर्ष अजमेरा ने कहा की आपकी समस्या वह हमारी समस्या है समस्या का निष्पादन करना ही मेरा लक्ष्य है। आपको कोई समस्या ना हो इसके लिए आप सीधा मेरे कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

20 सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

विष्णुगढ़ । प्रखंड सभागार में प्रखंड एवं अंचल के सभी पदाधिकारी एवं सहकर्मियोंके साथ 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक की गई। जिसमें 20 सूत्री अंतर्गत आने वाले तमाम योजनाओं पर विस्तृत रूप से चचाएं हुई। राजस्व को लेकर मुख्य रूप से चर्चा का विषय रहा जिसमें कहा गया कि चाहे एलपीसी का मामला हो या मोटेशन का मामला हो या फिर जमीन संबंधित जिस किसी तरह का विवाद हो उसे अवीलंब निपटाया जाए आम जनों को परेशान नहीं किया जाए कहीं न कहीं अंचल के क्रियाकलापों से लोग काफी परेशान है । मनरेगा अंतर्गत 2021-22 का 173 डोभा निर्माण को पूर्ण अभी तक नहीं किया जा सका है इसे संज्ञान में लेकर अवीलंब पूर्ण किया जाए ताकि नई योजनाओं को धरातल पर उतारा जा सके।

युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने हूल दिवस पर सिद्धू कान्हु की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग

हूल दिवस के अवसर पर युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने पीडब्ल्यूडी चौक स्थित अमर शहीद सिद्धू कान्हु की प्रतिमा पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। उनके साथ आदिवासी समाज के कई प्रमुख व्यक्ति एवं कई समाजसेवी मौजूद रहे। सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।मौके पर श्री अजमेरा ने कहा कि आज अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासियों के विद्रोह, संघर्ष और उनके बलिदान को याद करने का विशेष दिन है। साथ ही कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों

◆ हूल अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासियों के विद्रोह, संघर्ष और उनके बलिदान को याद करने का विशेष दिन है

की धरती है, 1855 में सिद्धू कान्हु के नेतृत्व में आदिवासियों ने अदम्य वीरता और साहस का परिचय देते हुए अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे, अपने हक,अधिकार और देश की खातिर इन वीरों ने अपनी कुबार्नी दे दी थी, संताल विद्रोह के ऐसे महानायकों की शहादत हम सभी को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

सूरजकुंड धाम में धूमधाम से मनाया गया हूल दिवस

संथाल विद्रोह के नायकों को दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र के सूरजकुंड धाम में संथाल विद्रोह के नायक सिद्धू कान्हू की याद में हूल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान संथाल समुदाय के प्रखंड अध्यक्ष राम जी बेसरा और प्रखंड सचिव मनोज मुर्मू ने सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राम जी बेसरा, प्रखंड सचिव मनोज मुर्मू, श्यामलाल मांझी, मुंशी मांझी, महादेव मांझी,दसों मुर्मू, मोतीलाल मांझी, तुलसी मांझी, संतोष हेंब्रम, कन्हाई बेसरा, सहदेव हेंब्रम, अर्जुन बेसरा, हरिलाल टुडू, सुनील वास्के, सुखदेव बास्के, अमन टुडू ,मुनिया देवी, संगीता देवी के अलावा कई लोग मौजूद थे। के शोषण के खिलाफ क्रांति का बिगुल फुंका था। यह आंदोलन संथाल परगना के साथ पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में हुआ था। इस क्रांति ने ब्रिटिश हुकूमत की नई हिला कर रख दी थी । इस आंदोलन में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी प्राणों की आहुति दी थी। मौके पर

सौंदर्यीकरण के बाद प्रारंभ हुआ वन विभाग का विश्रामागार

पहुंचे विभागीय आलाधिकारी, स्थानीय सांसद-विधायक को नहीं है जानकारी

नवीन मेल संवाददाता। बरही

सौंदर्यीकरण के बाद रविवार से जवाहर घाटी स्थित वन विश्रामागार प्रारंभ हो गया. इस अवसर पर रांची व हजारीबाग से विभाग के आलाधिकारी पधारे थे. रेस्ट हाउस को भी इलेक्ट्रॉनिक बल्ब से सजाया गया था. रेस्ट हाउस प्रारंभ होने संबंधित कोई भी सूचना विभाग ने स्थानीय विधायक या सांसद अथवा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी नही दिया था. जिसका स्थानीय विधायक सह झाविस निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला यादव ने कड़ा विरोध किया है. विधायक विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली से काफी नाराज दिखे. उन्होंने बताया कि किसी भी सरकारी योजना या कार्यक्रम का प्रारंभ के पूर्व उसका उद्घाटन करवाना अनिवार्य है, इसके लिए सिर्फ स्थानीय सांसद या विधायक ही अधिकृत है. परंतु इस संबंध में विभाग ने उनसे संपर्क नही किया, जो उनके विशेषाधिकार हनन का मामला बनता है. इसे लेकर उन्होंने उपायुक्त

◆रिनोवेशन के बाद शुभारंभ करने का अधिकार सिर्फ स्थानीय सांसद या विधायक को ही है : विधायक अकेला

◆करोड़ो के सौंदर्यीकरण कार्य में विभाग ने किया है सिर्फ खानापूर्ति, उचित जांच हो : डॉ निजाम

सहित मुख्यमंत्री से शिकायत करने की बात कही है. उन्होंने कहा कि वह अपने अधिकार को लेकर मामले को सदन में भी लायेंगे. पदाधिकारियों की तानाशाही है, जिसे बर्दाश्त नही किया जा सकता है. मामलों से वह मुख्यमंत्री से अवगत कराएंगे, आवश्यकता हुई तो वह अधिकारियो के खिलाफ धरने पर भी बैठेंगे. उन्होंने बताया कि डीएफओ से उनकी बात नही हो पा रही है. सांसद के निजी सचिव रंजन कुमार ने भी इस प्रकार के कार्यक्रम की सूचना या आमंत्रण से अनभिज्ञता जताई है. पीसीसीआई प्रदेश कमिटी के सदस्य डॉ निजामुद्दीन अंसारी ने बताया कि स्थानीय सांसद-विधायक या स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम में नहीं बुलाना सौंदर्यीकरण कार्य की गुणवता पर सवाल खड़ा करता है.

कैंट मंडल में सुनी गई प्रधानमंत्री के मन की बात, लगाये गए फलदार पौधे

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सुने जाने वाले मन की बात कार्यक्रम को 30 जून रविवार को पूरे रामगढ़ कैंट मंडल में सभी बूथों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना। इस क्रम में बूथ नंबर 50 के अध्यक्ष सत्यजीत चौधरी की अध्यक्षता में वरिष्ठ भाजपा नेता सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू के आवासीय कार्यालय पर वार्ड नंबर छह अंतर्गत आने वाले सभी नौ बूथ क्रमशः 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55 के अध्यक्षों की उपस्थिति में मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में कुंटू बाबू एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। मन की बात कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात उपस्थित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में कुंटू बाबू ने अपनी माताजी की याद में आम के दो फलदार पौधे लगाएं। उन्होंने कहा की अपनी माताजी के नाम पर पौधा लगाने का संदर्भ उस पौधे से अपनत्व और भावनात्मक जुड़ाव को जागृत करने का एक तरीका है जिससे लोग पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें और उसे वृक्ष बनने में सहयोग करें । साथ ही पूरे देश को भी वृक्ष की उपयोगिता और जरूरत का एक संदेश जाए। वहीं, कैंट मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव ने बताया की प्रधानमंत्री नरेंद्र माफी के मन के बात कार्यक्रम को सभी आठ मंडलों में सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आईटी सेल प्रभारी प्रवीण कुमार सोनू,अजीत गुप्ता संजय श्रीवास्तव, अभिषेक चौधरी, सुरेंद्र शर्मा, मनोज साव, अरविंद सिंह, मणिशंकर ठाकुर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सूरजकुंड धाम में धूमधाम से मनाया गया हूल दिवस

संथाल विद्रोह के नायकों को दी गई श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड क्षेत्र के सूरजकुंड धाम में संथाल विद्रोह के नायक सिद्धू कान्हू की याद में हुल दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान संथाल समुदाय के प्रखंड अध्यक्ष राम जी बेसरा और प्रखंड सचिव मनोज मुर्मू ने सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। मौके पर एसडीओ जॉहान टुडू ने शहीद सिद्धू कान्हु, चांद भैरव की प्रतिमा पर पूजा अर्चना कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि झारखंड के आदिवासी अब किसी से काम नहीं हैं। अब हर जगह यह अपना राजनीतिक दबदबा बना रहे हैं। वहीं एसडीओ ने कहा कि 30 जून 1855 को ब्रिटिश हुकूमत और महाजनों के शोषण के खिलाफ क्रांति का बिगुल फुंका था। यह आंदोलन संथाल परगना के साथ पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में हुआ था। इस क्रांति ने ब्रिटिश हुकूमत की नई हिला कर रख दी थी । इस आंदोलन में हजारों क्रांतिकारियों ने अपनी प्राणों की आहुति दी थी। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राम जी बेसरा, प्रखंड सचिव मनोज मुर्मू, श्यामलाल मांझी, मुंशी मांझी, महादेव मांझी,दसों मुर्मू, मोतीलाल मांझी, तुलसी मांझी, संतोष हेंब्रम, कन्हाई बेसरा, सहदेव हेंब्रम, अर्जुन बेसरा, हरिलाल टुडू, सुनील वास्के, सुखदेव बास्के, अमन टुडू ,मुनिया देवी, संगीता देवी के अलावा कई लोग मौजूद थे।

हूल दिवस के अवसर पर डीसी व एसपी ने किया सिदो कान्हु की प्रतिमाओं पर किया माल्यार्पण

हजारीबाग। हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त नैंसी सहाय व पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने पीडब्ल्यूडी चौक अवस्थित सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बलिदानों को याद किया। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह एवं प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे भी उपस्थित थे। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि आदिवासी समाज,सभ्यता और अस्मिता के अस्तित्व की लड़ाई को लेकर सिद्धू, कान्हु, चांद एवं भैरव के योगदानों को हमेशा याद रखा जाएगा। 30 जून 1855 को मौजूदा साहेबगंज ज़िले के भोगनाडीह गांव में वीर सिदो-कान्हो और चांद-भैरव के नेतृत्व में हीं 4 सौ गांवों के लगभग 50 हजार लोगों ने अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जंग का बिगुल फूंका था। उनके कुर्बानियों को नमन कर हम आज हूल दिवस मनाते है।

तस्करी

एनजीटी की रोक के बावजूद बरकट्ठा में धड़ल्ले से निकल रहा बालू

तीन थानों से हो कर गुजरता हैं बालू वाहन, प्रशासन मौन

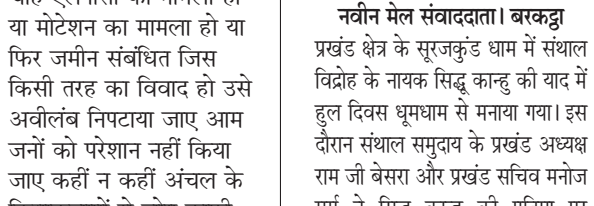

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

एनजीटी की रोक के बावजूद बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में बालू तस्करी का कारोबार व्यापक पैमाने पर जारी है। जानकारी हो कि एनजीटी ने 10 जून से नदी व घाट से बालू उठाव और परिवहन पर पूर्ण रूप से रोक लगा रखी हैं। लेकिन इसका असर बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र में देखने को नहीं मिल रहा है। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बरकनगांगो के बड़ाकर नदी घाट से कारोबारियों के द्वारा रात-दिन बालू कि उठाव की जा रही है। बालू तस्करी के कारोबार को संचालित करने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। जो स्थानीय प्रशासन और पुलिस अधिकारी को मैनेज कर इसे चलवाने का कार्य कर रहे हैं। एनजीटी कि रोक और जिले के उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक की सख्त निर्देश की अवहेलना कर बालू माफिया बालू का उठाव व बरकट्ठा, गोरहर, इचाक थाने क्रोस कर परिवहन खुलेआम करते देखे जा रहे हैं।

बाजारों में दोगुनी कीमत पर बिक रही है बालू

एनजीटी की रोक के बाद बालू की कीमत दुगनी से अधिक कर दिया गया है। एक माह पूर्व बरकट्ठा क्षेत्र में 2 हजार से लेकर 25 सौ रुपये तक प्रति ट्रैक्टर बालू कि बिक्री की जाती थी। वहीं अभी इसकी कीमत 4 हजार से लेकर 4500 सौ रुपये बालू प्रति ट्रैक्टर बिक रहा है। बालू तस्करी का काम दिन से ज्यादा रात के अंधेरे में होती है जिसे रोकने वाला कोई नहीं है।

क्या कहते हैं अधिकारी

बरकट्ठा अंचल अधिकारी रामजी प्रसाद गुप्ता ने बताया कि एनजीटी कि रोक और जिला प्रशासन के सख्त निर्देश के बाद भी इस प्रकार की अवैध कारोबार की जा रही है तो कारोबारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सीओ ने बताया कि सूचना मिलने के बाद प्रखंड क्षेत्र में किए जा रहे अवैध बालू तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए छापामारी अभियान चलाया जाएगा। वहीं इस बाबत बरकट्ठा पुलिस निरीक्षक इमदाद अंसारी से पूछें जाने पर कुछ भी बताने से इंकार किया।

पंजाबी हिन्दू बिरादरी की त्रिवार्षिक आम चुनाव संपन्न

सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनी

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

पंजाबी हिन्दू बिरादरी की 38वीं वार्षिक आम सभा शनिवार की देर शाम झंडा चौक के माता वैष्णों देवी मंदिर स्थित बिरादरी हॉल में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष एससी वासुदेव और संचालन महासचिव महेश मारवाह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री वासुदेव ने बिरादरी की भूमिका को और अधिक कारगर बनाने के लिए अधिक से अधिक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर जोर दिया। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान किए जाने वाले संभावित कार्यक्रमों की रुप-रेखा से सभा को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अधिक से अधिक सामाजिक कार्यक्रम किए जाने की योजना बनाई गई है। सभा के दूसरे सत्र में पंजाबी हिन्दू बिरादरी का चुनाव बिरादरी के वरिष्ठ सदस्य रमण मेहरा की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से किया गया।

न्यूज बॉक्स

राष्ट्रीय सेवा मंच ने 150 जरूरतमंदों को कराया भोजन

रामगढ़। भदानीनगर क्षेत्र अंतर्गत वैंकटेश स्पंज आयरन फैक्ट्री लपंगा के सौजन्य से सामाजिक संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच के बैनर तले प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी भुरकुंडा साप्ताहिक हाट में दुर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह व अन्य सदस्यों द्वारा करीब 150 गरीब महिला-पुरुष और बच्चों के बीच पूरी-सब्जी और बुंदिया का वितरण किया गया। मौके मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा ही मंच का उद्देश्य है और यही मानव धर्म भी है। उन्होंने बताया गया कि पिछले आठ वर्षों से मंच द्वारा जन सहयोग के माध्यम से गरीबो को भोजन कराया जाता रहा है जो आगे भी जारी रहेगा। मौके पर मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, प्रो रामानुज सिंह, अशोक झा, उदयभान दुबे, रिंकू वर्णवाल, लालू उरांव, लखन राम आदि उपस्थित थे।

सांसद पहुंचे स्व. संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम मैदान परिसर में चल रहे कार्यों का किया निरीक्षण

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद सह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) के अध्यक्ष मनीष जायसवाल लोकसभा सत्र के दो दिवसीय अवकाश के दौरान दिल्ली से सीधे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र पंहुचे जहां शनिवार की शाम से लेकर रविवार की शाम तक अपने सांसद सेवा कार्यालय में लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए और जरूरतमंदों को हरसंभव सहयोग पंहुचा। इसी रविवार की सुबह उन्होंने स्व.संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर जायजा लिया। सांसद मनीष जायसवाल ने यहां चल रहें कार्य यथा ग्राउंड में मिट्टी भराई, ग्राउंड का विस्तारीकरण कार्य, पवेलियन में ग्रील लगाने का कार्य, पेयजल की उचित उपलब्धता और व्यवस्था से संबंधित कार्य का निरीक्षण कर बारीकी से जानकारी प्राप्त किया। मौके पर उन्होंने मैदान परिसर में वृक्षारोपण भी किया। मैदान निरीक्षण के क्रम में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद सह एचडीसीए के अध्यक्ष मनीष जायसवाल ने कहा की निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से क्या संभव नहीं हो सकता है। स्व. संजय सिंह स्टेडियम (वेल्स क्रिकेट मैदान) को लेकर हमने जो सपना देखा था अब वह पूरा होता नजर आ रहा है। उन्होंने यह भी कहा की लेकिन हमें रुकना नहीं है, सुविधाओं को ओर बेहतर करते जाना है, इसी दिशा में आज इस खेल परिसर का निरीक्षण किया और जरूरी दिशा- निर्देश दिया।

अमन कुमार जेल से हुए रिहा, सांसद मनीष जायसवाल ने किया स्वागत

हजारीबाग । महुदी प्रकरण में पिछले 17 दिनों से जेल में बंद हिंदू प्रचारक इंजीनियर अमन कुमार को बेल मिलने के बाद रविवार को जेल से रिहा कर दिया गया। उनके स्वागत में शहर के बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में जनसभा का आयोजन किया है। इससे पहले जेल से ही उनके परिवारजन, समर्थक और बिहार से हजारीबाग पंहुचे भाजपा नेता मनीष कश्यप के साथ बड़ी संख्या में उमड़े उनके समर्थकों की भीड़ ने जेल से निकलने पर इंजीनियर अमन कुमार का स्वागत किया। बुढ़वा महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित जनसभा में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए और जेल से बाहर आने पर हिंदुत्व प्रचारक ई. अमन कुमार का स्वागत किया। मौके पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की अमन कुमार कोई अपराधी नहीं, एक धर्म प्रचारक हैं। उन्होंने कहा की किसी भी सरकारी सड़क पर किसी का गुजरना या जुलूस लेकर जाना संवैधानिक तरीके से जायज होने के वाबजूद महुदी में दशकों से रामभक्तों को शोभायात्रा की अनुमति नहीं दी जाती थी। ऐसे में इस अतिक्रमण सड़क पर शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस पार कराने पर राज्य सरकार को अमन कुमार का सम्मान करना चाहिए लेकिन ऐसे नहीं करके उनके साथ षडयंत्र करके उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया गया ।

टाटीझरिया जिप सदस्य कंपनी के भ्रष्टाचार के विरोध में साइकिल से दिल्ली रवाना

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के टाटी झरिया के जिप सदस्य रामप्रसाद उर्फ कंपनी ने रविवार को साइकिल यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए दिल्ली के लिए हुए रवाना, श्री प्रसाद ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक अनोखा अभियान प्रारंभ किया है उन्होंने बताया कि देश में हर जगह भ्रष्टाचार काफी मात्रा में चल रहा है और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर प्रधानमंत्री का ध्यान आकर्षित करना हम सभी का दायित्व है इसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करने के लिए साइकिल के माध्यम से दिल्ली के लिए रवाना हो रहा हूं। टाटी झरिया से निकलने के बाद डिस्टिक मोड पहुंचने के उपरांत युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा ने अपने कार्यालय परिसर में माला पहनकर स्वागत व अभिनंदन किया वहीं कार्यालय में मौजूद सभी ने भी माला पहनकर उनका इस अनोखे अभियान का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सिद्धू कान्हू ने अंग्रजों के खिलाफ अदम्य साहस के प्रतीक है : विकास राणा

हजारीबाग। आजसू पार्टी की जिला कमिटी के द्वारा हूल दिवस मनाया गया ! इस अवसर पर सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर फूल माला पहनकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आजसू पार्टी के हजारीबाग जिला अध्यक्ष सह केन्द्रीय प्रवक्ता विकास राणा के नेतृत्व में आजसू पार्टी कार्यकताओं ने उनकी प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला अध्यक्ष सह केन्द्रीय प्रवक्ता विकास राणा ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासी इस दिन को अपने संघर्ष और अंग्रेजों के द्वारा मारे गए अपने 20000 लोगों की याद में मनाते हैं। जैसा कि यह विद्रोह आदिवासियों की संघर्ष गाथा और उनके बलिदान को आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले नायकों को याद करने का खास दिन है। आदिवासी इस दिन को अपने संघर्ष और अंग्रेजों के द्वारा मारे गए अपने 20000 लोगों की याद में मनाते हैं। जैसा कि शब्दों से स्पष्ट हो रहा है, यह विद्रोह आदिवासियों की संघर्ष गाथा और उनके बलिदान को आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले नायकों को याद करने का खास दिन है। हूल दिवस सिद्धू कान्हू द्वारा अंग्रजों के खिलाफ अदम्य साहस प्रतीक है जिसमें अंग्रेजों जमींदारों और महाजनों के खिलाफ युद्ध था। अमर शहीद सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित करनेवालों में मुख्य रूप से केन्द्रीय सदस्य आनन्द सिंह, केन्द्रीय सदस्य विजय वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अजय कुमार, महिला मोर्चा की संगीता बारला, जिला सचिव विवेक कुमार राणा, प्रमोद कुमार वर्मा, नगर अध्यक्ष आफताब आलम, सदर प्रखण्ड अध्यक्ष ओम प्रकाश देव सहित अन्य लोग शामिल थे।

एक नजर

प्रदेश सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा बानो के आह्वान पर शिक्षकों ने निकाला मशाल जुलूस

बानो। प्रदेश सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा बानो के आह्वान पर हुल दिवस के अवसर पर शिक्षकों को किये वादे को लेकर सरकार को जगाने के लिये मशाल जुलूस निकाला गया।मशाल जुलूस प्रखण्ड कार्यालय से निकलकर बिरसा मुंडा चौक पहुंचा। मौके पर जुलूस में शामिल सदस्यों ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।प्रखण्ड अध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार ने वादा किया था कि तीन माह के अंदर सहायक अध्यापकों को वेतनमान दी जाएगी लेकिन अब सरकार वेतनमान देने से मुकर रही है।उन्होंने कहा कि सरकार हमें वेतनमान नहीं देती है तो आने वाले समय में जोरदार आंदोलन की जाएगी।जुलूस में उपाध्यक्ष बहुरा माझी ,सचिव मुरारी सिंह ,मुनेश्वरी देवी,अचन लोहरा, कलेश्वर मोदी ,प्रेमचंद तोपनो ,बिरसा सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

केलघाघ डैम का एसडीपीओ ने लिया जायजा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

सिमडेगा। जिले के युवाओं में बढ़ते नशा की आदत, लगातार घटती दुष्कर्म जैसी घिनौनी घटनाएं और बढ़ते सड़क दुर्घटना को लेकर सिमडेगा पुलिस काफी चिंतित है। पुलिस लगातार इन सभी पर अंकुश लगाने के प्रयास में जुटी हुई है। केलाघाघ में मतरगस्ती करने वालों की भी अब खैर नहीं।यहां आने वाले हर लोगों का अब लिखित रिकॉर्ड रखा जाएगा।रविवार सुबह एसडीपीओ पवन कुमार,सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार के साथ शहर के नजदीक पर्यटन स्थल केलाघाघ के सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए एसडीपीओ ने थाना प्रभारी सिमडेगा व अन्य पुलिस पदाधिकारियों को केलघाघ तरफ रोज घूमने वालों पर कड़ी नजर रखने, प्रतिदिन शाम को बाइक चेकिंग करने, शराब पीने वालों पर फाइन करने तथा अन्य तरह का नशा करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया।

राष्ट्रीय व सांस्कृतिक महत्व की बातों का सार है प्रधानमंत्री के मन की बात:भैया बांके बिहारी

हजारीबाग। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, भैया बांके बिहारी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ₹मन की बात ₹कार्यक्रम के 111वें संस्करण के श्रवण के बाद कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व के तथ्यों से देशवासियों को अवगत कराने का सफल प्रयास किया।अपने संवाद में श्री मोदी ने झारखण्ड के वीर संथाल भाइयों,₹ सिद्धू, कान्हो ₹के 1855 में अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिएआज के दिन ही शहीद होने की बात बतलायी जो हूल दिवस के रूप में मनाया जाता है।आज का दिन स्वतंत्रता की लड़ाई में मील का पत्थर रहा।इसी कड़ी में प्रधानमंत्री ने हमारे सनातन संस्कृति में ₹मां ₹के साथ हमारे सम्बन्ध और महत्व पर प्रकाश डालते हुए आह्वान किया कि इस देश के प्रत्येक व्यक्ति को एक पेड़ मां के नाम₹ को आधार मानकर वृक्षारोपण करना चाहिए।

हूल दिवस पर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम व वैचारिक गोष्ठी का आयोजन

जात-पात व भेद भाव से ऊपर उठकर एकजुट होने की आवश्यकता है : कमांडिंग ऑफिसर

नवीन मेल संवाददाता। जलडेगा प्रखण्ड के जलडेगा पहानटोली में शहीद विलियम लुगुन युवा मोर्चा के तत्वावधान में हूल दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वैचारिक गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत संथाल हूल के महानायक सिद्धू, कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो की तस्वीर पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण एवं मंच पर द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सीआरपीएफ कमांडिंग ऑफिसर जोसेफ लुगुन उपस्थित हुए। स्वागत भाषण युवा मोर्चा के अध्यक्ष रेयाड़न लुगुन ने दी। हूल दिवस कार्यक्रम में जलडेगा पहानटोली की बच्चियों द्वारा सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया गया, बांधा खेत के अभिनेता सह मुकुन्द नायक के कुंजवन संस्था के सदस्य अनुराग लुगुन ने मर्दानी झुमर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय विश्वविद्यालय गया के प्रोफेसर डॉ अनुज लुगुन ने 'हूल दिवस की इतिहास और हमारा समाज' विषय पर अपनी बात रखी। इसके बाद मुख्य अतिथि पूर्व सीआरपीएफ कमांडिंग ऑफिसर जोसेफ लुगुन ने भी अपने संबोधन में कहा कि हमें अपने हक अधिकार की लड़ाई के लिए जाती पाती भेद भाव एवं राजनीतिक पार्टी से ऊपर उठकर एकजुट होने की आवश्यकता है। हम सभी आदिवासी मूलवासी एक हैं और एक रहेंगे उन्होंने शहीद विलियम लुगुन एवं संथाल हूल के महानायक की जीवनी पर प्रकाश डाला। जलडेगा पंचायत की मुखिया बालमुनी लुगुन, पंचायत समिति जयंती देवी, ग्राम सभा अध्यक्ष इरेनियुस लुगुन, बोंगेरा के विलियम तोपनो, झारखंड आंदोलनकारी आनंद सिंह , ढोलो सिंह, सुरेश नायक, अमरदीप नाग,ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मुंगेश्वर साहु ने किया।

जिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की वार्षिक सम्मेलन आयोजित

आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की लड़ाई में मैं कदम से कदम मिलाकर खड़ा हूं : दिलीप तिर्की

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा रविवार को जिला आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ की सातवीं वार्षिक सम्मेलन एसएस स्कूल के सभागार में आयोजन किया गया। जिसमें आंगनबाड़ी की प्रदेश अध्यक्षा रीना देवी,संगठन महामंत्री रामचंद्र गोप, जिला महामंत्री कुमुदनी, रामधनी देवी एवं प्रखंड के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस इंटक प्रदेश सचिव दिलीप तिर्की,विशिष्ट अतिथि जिला परिषद शांतिबाला, इस्माईल केरकेट्टा उपस्थित रहे। मौके पर संबोधित करते हुए रामचन्द्र गोप के कहा कि आंगनबाड़ी कर्मचारी सचमुच शोषित है। जुलाई 23 से 500 रुपये की बढोत्तरी करना है उसे अभी तक सिमडेगा जिला में लागू नहीं किया गया जो लापरवाही को दशार्ता है। इसके लिए आंदोलन की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कर्मचारी जो सेवानिवृत्त हो गई है उनको ग्रेच्युटी दिलाने के लिए उच्च न्यायालय रांची में याचिका दायर करने को संघ मजबूर है। आगे उन्होंने कहा कि सिमडेगा जिला में कुछ लोग गलत प्रचार कर रहे वैसे लोगों से सावधान रहते हुए संगठन को मजबूत रखें। जिला परिषद सदस्य शांति बाला ने कहा कि सचमुच आंगनबाड़ी बहनों द्वारा बहुत कठिन कार्य को संपादित करती है और समय पर मानदेय एवं पोषाहार राशि नहीं दिया जाता है जो कि अन्याय है।

न्यूज बॉक्स

कुंवार इंग्रेबिंग जोन का विधायक भूषण बाड़ा ने किया उद्घाटन

सिमडेगा। शहर के सलडेगा में कुंवार इंग्रेबिंग जोन का मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने उद्घाटन किया। मौके पर विधायक ने वर्कशाप संचालक कुंवर गोप को शुभकामना दी। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए ब्यापार का बढ़ना बहुत जरूरी है। वर्कशॉप के खुल जाने से जिलेवासियों को काफी फायदा होगा। जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने भी वर्कशॉप संचालक को बधाई दी। मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष कुमार सिंह , जिप सदस्य समरोम पॉल टोपनो, नगर अध्यक्ष अध्यक्ष अरशद हुसैन (अक्षण),नगर विधायक प्रतिनिधि शकील अहमद,जिला प्रवक्ता रणधीर रंजन,विधायक प्रतिनिधि अरविंद लुगुन चंदन कुमार,रोहित शर्मा,कुंवर गोप,रिशमाला देवी,अंजली रानी,प्रतिमा कुजूर, उर्मिला केरकेट्टा, इम्तियाज हुसैन आदि शामिल थे।

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

कुरडेग। प्रखंड के राज्यकीयकृत ,+2 उच्च वि कुरडेग में रविवार को मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृति की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त सम्पन्न हुई। जैक द्वारा आयोजित इस परीक्षा में नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने शामिल हुए थे।प्रखंड में एक परीक्षा केन्द्र बनाया गया था। परीक्षा केन्द्र में कुल 459 में 183 विद्यार्थियों ने परीक्षा लिखी एवं 276 विद्यार्थि अनुपस्थित थे।इस परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को एक हजार प्रतिमाह छात्रवृति मिलने का प्रावधान है।

जयनगर एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर युवक ने की आत्महत्या

बानो। बानो थाना के जराकेल अंडर पास के समीप रविवार सुबह ट्रेन से कट एक युवक ने आत्महत्या कर लिया।मृतक की पहचान जराकेल निवासी श्याम लाल बड़ाइक उम्र 30 रूप में किया गया है।घटना की जानकारी होने पर बानो पुलिस घटनास्थल पहुंच कर शव को कब्जे में लेते हुए अंत्यपरीक्षण हेतु सिमडेगा भेज दिया गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार श्यामलाल बड़ाइक सुबह चार बजे रेलवे अंडर पास के समीप रेल पटरी के पास चल गया।इसी क्रम में जयनगर एक्सप्रेस ट्रेन आ गयी।जिससे ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गयी। पुलिस घटना के मामले की जांच कर रही है।

आषाढ़ी सरना पूजा में शामिल हुए भाजपा नेता श्रद्धानन्द बेसरा

सिमडेगा। पाकरटांड़ प्रखंड के कैरबेड़ा पंचायत के किनबिरा गंझुटोली ग्राम में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी आषाढ़ कृष्ण पक्ष सप्तमी को गांव गंजारी पूजा विधिवत सरना स्थल में ग्राम पाहन के द्वारा किया गया। गांव के पाहन पदमन पाहन के द्वारा सभी ग्राम वासियों की उपस्थिति में ग्राम की खुशहाली, सुरक्षा, अच्छी फसल, अच्छी वर्षा और गांव की सुख समृद्धि के लिए के लिए ग्राम देवता को याद करते हुए पूजा पाठ एवं बलि देकर विधिवत पूजन किया गया। पूजा की समाप्ति उपरांत देवता खुश हुए एवं वर्षा कर शुभ संकेत दिया।इस पूजा में पूर्व भाजपा प्रत्याशी सिमडेगा श्रध्दानंद बेसरा भी शरीक हुए और उपस्थित सभी सरना भक्तों को प्राकृतिक पूजा की शुभकामनाएं दी। पूजा के अवसर पर पूर्व भाजपा सांसद प्रतिनिधि दीप नारायण दास, सुखदेव राम गंझु, हेमनारायण दास, पीतांबर राम, राजेंद्र राम, वार्ड मेंबर लक्ष्मी मांझी, मनोज दीवान, लकेश्वर राम, महेश राम, कंचन माझी इत्यादि सैकड़ों गणमान्य श्रद्धालु गण पूजा में शरीक हुए।

फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 25 जुलाई से

बानो। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत शहीद विद्यापति व तुराम बिरुली श्रद्धांजलि फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 25 जुलाई को एस एस हाई स्कूल मैदान में आयोजित की गई हैं। प्रतियोगिता का उदघाटन 25 जुलाई व फाइनल मैच 30 जुलाई को खेला जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिमडेगा एस पी सौरव कुमार होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इच्छुक टीम 9955096177, 7319827570 व 9798426124 नम्बर पर सम्पर्क कर सकते हैं।उक्त जानकारी थाना प्रभारी विकास कुमार ने दी।

करंट से युवक हुआ घायल

बानो। प्रखण्ड के ग्राम बुरुइरगी निवासी जुलयुस कंडुलना बिजली तार के सम्पर्क में आने से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को जुलयुस कंडुलना घर मे बिजली का काम कर रहा था।तभी तार छूट कर उसके ऊपर गिर गया। जिससे उसे गले मे जख्म हो गया। घायल जुलयुस को परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। डॉक्टर जावेद ने बताया कि स्थिति अच्छी है।इलाज के बाद घर भेज दिया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी प्रधानमंत्री के 111वां एपिसोड की मन की बात

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा रविवार को जिला मुख्यालय सहित सभी मंडलो और बूथों में प्रधानमंत्री की मन की बात का 111वां एपिसोड कार्यकताओं ने सुनी। मन की बात सुनने के पश्चात भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने अंतिम मन की बात में चुनाव के बाद फिर से उपस्थित होने का वादा किया था। इसी क्रम में रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात का प्रसारण सुना प्रधानमंत्री ने मानसून एवं आने वाले पेरिस ओलंपिक की चर्चा के साथ ही प्रधानमंत्री ने देशवासियों को बताया कि 30 जून का दिन महत्वपूर्ण है इसी दिन हमारे आदिवासी भाई-बहन हूल दिवस के रूप में मनाते हैं यह दिन वीर सिद्धो कान्हू के साहस से जुड़ा हुआ है जिन्होंने विदेशी शासको की अत्याचार का पुरजोर विरोध किया था।मन की बात कार्यक्रम में भाग लेने आये हुए जिला संगठन प्रभारी बबन गुप्ता, बीरू मंडल में कार्यकताओं संग मन की बात सुनी और उन्होंने कहा कि चुनाव में लंबे ब्रेक के बाद पुनः प्रधानमंत्री की मन की बात सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 2024 का चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था,दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ। जिसमें 65 करोड लोगों ने वोट दिया। उन्होंने मतदान प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति को बधाई दिया।

सभी लोगों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है कांग्रेस : विधायक

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा कुरडेग प्रखंड के गोहरीटाड़ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ विधायक भूषण बाड़ा ने लोकसभा चुनाव समीक्षा एवं आगामी विधानसभा चुनावी की तैयारी हेतु बैठक की। मौके पर विधायक ने लोकसभा चुनाव में खुंटी सीट पर मिले एकतरफा जीत के लिए सभी कार्यकताओं को बधाई दी। साथ ही जीत का सारा श्रेय कार्यकताओं की मेहनत को दिया। विधायक ने कहा कि जिस तरह से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एकतरफा जीत मिली। ऐसे ही विधानसभा चुनाव में भी सभी कार्यकर्ताओं के मेहनत से कांग्रेस पार्टी को एकतरफा जीत मिलेगी। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकताओं को कांग्रेस का सच्चे सिपाही बताते हुए विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी, गरीब, मजदूर एवं सभी समाज के लोगों का विकास करने वाली पार्टी है। कांग्रेस ने जाति धर्म और भेदभाव की भावना से ऊपर उठकर क्षेत्र का विकास करने का काम करती है। विधायक ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर हमारी जनता भी तैयार ही। सभी जाति धर्म और समुदाय के लोगों का रुझान कांग्रेस पार्टी की ओर बढ़ा है। आगामी चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी को एकतरफा वोट देने का मन बना रही है। विधायक कार्यकताओं को क्षेत्र का भ्रमण भी तेज करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि क्षेत्र के हर एक लोगों को कांग्रेस पार्टी से जोड़ने का काम करें। न सिर्फ बूथ स्तर को बल्कि गांव स्तर तक कांग्रेस पार्टी को मजबूत करें। कार्यकर्ता और ज्यादा मेहनत करें। क्योंकि हर चुनाव आपकी मेहनत पर निर्भर करेगा।मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि हम सभी को मिलकर कांग्रेस को सबसे मजबूत पार्टी बनानी है। आप सभी कार्यकर्ता अगर चाह ले तो हम हर चुनाव एकतरफा जीतेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन में बुजुर्गों, माताओं, बहनों और युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ें। महिलाओं को संगठन में पूरा सम्मान दें।

भाजपा जिला कार्यालय में एसटी मोर्चा के बैनर तले मनाया गया हूल दिवस

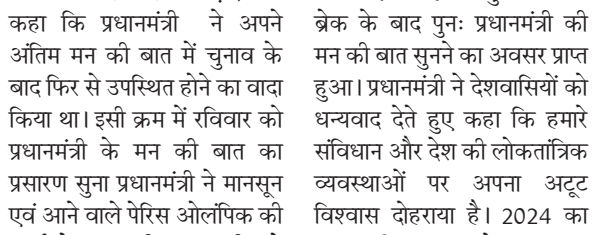

अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले नायकों को याद करने का दिन है : विमला प्रधान

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा भाजपा जिला कार्यालय में एसटी मोर्चा के बैनर तले एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष बसंत नारायण मांझी के नेतृत्व में रविवार को हूल दिवस पर सिद्धो कान्हू की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अदम्य साहस को याद किया गया। मौके पर पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा कि यह दिन वीर सिद्धो कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है, जिन्होंने विदेशी शासकों के अत्याचार का पुरजोर विरोध किया था। आदिवासी इस दिन को अपने संघर्ष और अंग्रेजों के द्वारा मारे गए अपने 20,000 लोगों की याद में मनाते हैं। जैसा कि शब्दों से स्पष्ट हो रहा है या विद्रोह आदिवासियों की संघर्ष गाथा और उनके बलिदान को आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले नायकों को याद करने का खास दिन है। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह के प्रतीक के तौर पर फूल दिवस मनाया जाता है यह अन्याय और दासता से मुक्ति की विजय गाथा उन नायकों का पवित्र स्मरण आज भी हम सबों का मार्गदर्शन करता है।वहीं हूल दिवस पर भाजपा एसटी मोर्चा की जिला अध्यक्ष बसंत नारायण मांझी ने कहा कि 30 जून 1855 को झारखंड के आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत की अत्याचार के खिलाफ पहली बार विद्रोह का बिगुल भूमिका इस दिन 400 गांव के 50,000 लोगों ने साहिबगंज के भोगनाडीह गांव पहुंचकर अंग्रेजों से आमने-सामने की जंग का ऐलान कर दिया आदिवासी भाइयों सिद्धो कान्हू, चांद और भैरव के नेतृत्व में तब संथलों में मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो का जोर-शोर से ऐलान किया। अंग्रेजों ने तब संथाल विद्रोहियों से घबराकर उनका दमन प्रारंभ किया।इसकी प्रतिक्रिया में आदिवासियों ने अंग्रेजी सरकार की ओर से आए जमींदारों और सिपाहियों को मौत के घाट उतार दिया तब विद्रोहियों को सबक सिखाने के लिए अंग्रेजों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर चांद और भैरव को अंग्रेजों ने मार डाला इसके बाद सिद्धो और कान्हू को भी भोगनाडी में एक पेड़ से लटका कर 26 जुलाई 1855 को फांसी दे दी गई संथाल की माटी के इन्हीं शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है। मौके पर जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, जिला संगठन प्रभारी बबन गुप्ता,एसटी मोर्चा जिला महामंत्री राकेश रविकांत, दीपक पुरी, अनूप प्रसाद, अशोक रजक, सावित्री देवी मौजूद थे।

झामुमो सिमडेगा ने मनाया हूल दिवस

सिमडेगा। झामुमो सिमडेगा द्वारा अल्बर्ट एक्का स्टेडियम सिमडेगा में वीर सिदू कान्हु के तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर हूल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना ने कहा कि वीर शहीद सिदू कान्हु दोनों भाइयों ने अंग्रेजों के अत्याचार और शोषण के खिलाफ लड़ते हुए अपनी शहादत दे दी। आज हम सभी को सिदू कान्हु के पद चिन्हों पर चलते हुए गरीबी और शोषण के खिलाफ लड़ाई लड़नी है ताकि हम अपने समाज क्षेत्र और राज्य को को सुखी और संपन्न बना सकें।

महानायकों को माल्यार्पण कर आजसू पार्टी ने मनाया हुल दिवस

सिमडेगा। रविवार को आजसू पार्टी जिला कार्यालय सिमडेगा में आजसू जिला कमेटी सिमडेगा के द्वारा 'हूल दिवस' मनाया गया। भारत के महान क्रांतिकारी और हूल विद्रोह के महानायक सिद्धू- कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया।मौके पर आजसू जिला अध्यक्ष धूपेंद्र पाण्डे ने कहा अंग्रेजी सरकार के अत्याचार, शोषण और दमन के खिलाफ सिद्धू-कन्हू, चांद-भैरव चारों भाइयों ने 1857 में हूल विद्रोह कर अंग्रेजी सरकार को मुंह तोड़ जवाब दिया था।

कार्यक्रम

संसार का हर धर्म व्यक्ति को सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलने की सीख देता है

शुद्ध सोने से भी कीमती है परमेश्वर का वचन : एनोस

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा परमेश्वर का वचन शुद्ध सोने से भी कीमती है, ये मधु से भी मीठे हैं। परमेश्वर का वचन का पालन करने से जीवन बदलने में समय नहीं लगता है। पूर्व मंत्री सह झारखंड पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का रविवार को जीईएल चर्च करमघाट मंडली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। एनोस ने अपने संबोधन में परमेश्वर को धन्यवाद देते हुए कहा कि परमेश्वर की योजना से ही उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेने की अनुमति मिली है। उन्होंने कहा कि संसार का हर धर्म व्यक्ति को सत्य, अहिंसा और सदाचार के मार्ग पर चलने की सीख देता है। एनोस एक्का ने परमेश्वर के वचन को कीमती बताते हुए कहा कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है उससे जीवित रहेगा। उन्होंने बाइबल के वचन की बात कहते हुए बोला कि बाइबल कहती है कि अगर प्राण और शरीर की रक्षा प्रभु करते हैं, तो बाकी भी उनकी मर्जी पर छोड़ दो। परमेश्वर हर दुख और मुश्किल की घड़ी में कभी आपको अकेला नहीं छोड़ेगा।

राजनीतिक जीवन में उतार-चढ़ाव के बीच आशा नहीं खोनी चाहिए : संदेश

झापा युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का ने कहा कि सरकार में ईश्वर के उद्देश्य को समझें। ईश्वर का राज्य सब पर शासन करता है, इसलिए हमें राजनीतिक जीवन के उतार चढ़ाव के बीच आशा नहीं खोनी चाहिए। संदेश ने कहा कि राजनीति में दिखावे या राय से प्रभावित न हों। हमें अपनी परंपरा और राजनीतिक परवरिश को अलग रखना चाहिए, और सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी पहचान हमारे राजनीतिक दल से ज्यादा मसीह में निहित हो। हमारी वफादारी मसीह के मार्ग, उद्देश्य और सत्य के प्रति अधिक होनी चाहिए ताकि हम केवल मानवीय राय से प्रभावित न हों।

झामुमो जिला अध्यक्ष ने विभिन्न गांवों का दौरा कर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

ठेठईटांगर। रविवार को ठेठईटांगर प्रखंड अंतर्गत कोरोमिया पंचायत के डोंगाडूबा, महतोटोली और पाहनटोली के ग्रामीणों ने झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना को अपने गांव आने का निमंत्रण दिया।इस दौरान ग्रामीणों ने उनके समक्ष अपनी समस्याएं रखी।अनिल कांडुलना ने सर्वप्रथम ग्रामीणों को पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के जेल से रिहा होने की खबर बताई जिसे सुनकर ग्रामीणों ने जोरदार ताली बजा कर अपनी खुशी का इजहार किया। इसके बाद ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यान से सुना और कहा कि आज राज्य में झामुमो की अगुवाई में गठबंधन की सरकार है,आपका कोई भी काम या समस्या हो तो जरूर हमें अवगत कराएं, निश्चित समाधान होगा।

झारखंड सरकार की भावना और मंशा के अनुरूप कार्य हो : कोंगाड़ी

जिला में कुल 964 विद्यालयों का संचालन सरकार कर रही है, सिर्फ 75 विद्यालयों में ही जनजातीय क्षेत्रीय भाषा पढ़ाने के लिए शिक्षक का पद सृजन किया गया

नवीन मेल संवाददाता। सिमडेगा कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी ने मुख्यमंत्री से मिलकर झारखंड सरकार की जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा के विकास और संरक्षण की योजना के अंतर्गत सभी विद्यालयों में शिक्षक की बहाली करते हुए भाषा की पढ़ाई कैसे सुनिश्चित हो, इस मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा। कोलेबिरा विधायक ने मुख्यमंत्री को सिमडेगा जिले में हो रहे विसंगतियों के बारे में विस्तार से बताया कि सिमडेगा जिला में निवास करने वाले 99 प्रतिशत लोग जनजातिय या क्षेत्रीय भाषा का उपयोग करते हैं। झारखंड सरकार की भावना और मंशा के अनुरूप काम होना चाहिए। हमारा सिमडेगा जनजातीय और मूलवासी बहुलता वाला जिला है। सिमडेगा जिला में कुल 964 विद्यालयों का संचालन झारखंड सरकार कर रही है, परंतु सिर्फ 75 विद्यालयों में ही जनजाती या क्षेत्रीय भाषा पढ़ाने के लिए शिक्षक का पद सृजन किया गया है। जिसमें खड़िया के लिए मात्र 1, मुण्डारी के लिए 16, नागपुरी के लिए 58 और उरांव के लिए शून्य है। चुंकि हमारी सरकार की जनजातिय और क्षेत्रीय समाज के विकास और संरक्षण की भावना और जनजातिय समाज के लोगों के उत्थान के लिए रोजगार सृजन करने की मंशा बहुत ही स्पष्ट है। इसलिए विधायक ने मुख्यमंत्री से इस मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

एक नजर

तिसरी में जेबीकेएसएस/जेएल केएम की प्रखंड स्तरीय बैठक संपन्न

गिरिडीह (तिसरी)। धनवार विधानसभा के तिसरी प्रखंड में JBKSS/JLKM का प्रखंड स्तरीय बैठक केंद्रीय सचिव-सह- धनवार विधानसभा नेता राजदेश रतन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें प्रखंड में संगठन विस्तार के साथ-साथ श्री जयराम कुमार महतो के विचारधारा को कैसे जन-जन तक पहुंचाई जाय, इस पर चर्चा परिचर्चा हुई। ज्ञात हो कि संगठन के केंद्रीय सचिव-सह-धनवार विधानसभा नेता राजदेश रतन जी के नेतृत्व में लगातार धनवार विधानसभा के प्रखंडों तथा पंचायतों में संगठन का विस्तार किया जा रहा है। आज की बैठक में मुख्य रूप से अभिनव कुमार, अतुल कुमार, रोहित कुमार, जितेंद्र कुमार, यादव प्रदीप कुमार, विशाल कुमार, पवन कुमार, कुंदन कुमार, सचिन कुमार यादव, गुरुदेव कुमार यादव, दानिश खान, रोहित कुमार, विकास कुमार, अमरजीत कुमार, शंकर कुमार, सुरेश साव, रितेश कुमार सिंह तथा अन्य साथी मौजूद थे।

देवचंद मोड से एक गोवंशीय पशु तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बरही । ग्रामीणों की सूचना पर संज्ञान लेते हुए बरही पुलिस ने गोवंशीय पशु तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. जानकारी देते हुए पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि कोनरा निवासी मो जुबेर को देवचन्दा मोड के पास ग्रामीणों ने दो गोवंशीय पशु के साथ पकड़ा कर पुलिस को सूचित किया. मामले की जानकारी होते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और मामले का सत्यापन किया. पूछ ताछ के क्रम में गिरफ्तार युवक ने गो वंशीय हत्या को स्वीकारा किया. जिसे तत्काल गिरफ्तार करते हुए कांड संख्या 281/24 दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कुकडू और ईचागढ़ में विधिक जागरूकता शिविर

ईचागढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला के तत्वावधान में कुकडू और ईचागढ़ प्रखंड के कार्यालय सभागार में रविवार को विधिक जागरूकता सह सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चांडिल अनुमंडल न्यायालय के एसडीजेएम अमित खन्ना उपस्थित हुए। वहीं, कुकडू प्रखंड में आयोजित कार्यक्रम में प्रखंड प्रभारी बीडीओ कीकू महतो सहित सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में लाभुकों के बीच पेंशन, केसीसी ऋण, क्रेडिट लिंकेज चेक वितरण, अबुआ आवास, जॉब कार्ड वितरण, फूलो झानों आशीर्वाद योजना का चेक समेत कई योजनाओं का स्वीकृति पत्र भी दिया गया। किसानों को पम्प सेट, छात्रों को साइकिल भी दिया गया।

हाईवा की चपेट में आने से बाल-बाल बचे कार सवार

घाटशिला। घाटशिला थाना क्षेत्र के फुलडुंगरी स्थित अनुमंडल अस्पताल के समीप रविवार को बालू लदा हाइवा से कार पास लेने के दौरान अनियंत्रित हाइवा विपरीत दिशा में काट दिया। हाइवा से बचने के लिए दुर्योधन महतो ने एनएच 18 फोरलेन के डिवाइडर पर कार चढ़ा दी। इससे उनकी जान बच गई। इस दुर्घटना में दुर्योधन महतो बाल-बाल बच गए जबकि उनकी कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने कहा कि अनुमंडल अस्पताल के समीप अंडरपास की मांग वर्षों से की जा रही है, परंतु यहां के सांसद विधायक के कान में जूं तक नहीं रेंगता।

कोदईबांक में ढ़ह गया सड़क का हिस्सा

- बारिश ने खोली 6 माह पहले बनी सड़क की गुणवत्ता की पोल
- सड़क के अंदर बना सुरंगनुमा गोफ

नवीन मेल संवाददाता। तिसरी

सरकारी योजनाओं में होने वाले भ्रष्टाचार की बात किसी से छुपी हुई नहीं है. सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं में अक्सर भ्रष्टाचार की बातें सामने आती रहती है। ऐसे में राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना इससे अछूता कैसे रह सकता है। गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड अंतर्गत बेलवाना पंचायत से ताजा मामला सामने आया है। जहां 6 माह पहले बनें सड़क ने मानसून की पहली बौछार में ही जवाब दे दिया। दरअसल मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना द्वारा कोदईबांक से बेलवाना तक लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से करीब साढ़े 3 किमी तक सड़क का निर्माण करवाया गया था। शनिवार की शाम हुई तेज बारिश से कोदईबांक के पास उक्त सड़क का हिस्सा ढह गया। जिससे सड़क के अंदर सुरंगनुमा गोफ बन गया है। वहीं गार्डवॉल नहीं रहने के कारण लगभग चार जगहों पर पानी के साथ सड़क के नीचे की मिट्टी भी बह गई है जिससे जगह - जगह गोफ बन गया है। साथ ही सड़क के नीचे की मिट्टी बहने से आस - पास के खेत भर गए हैं।

▶ इसको लेकर रविवार को पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि उमर फारुख के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने मीडिया के माध्यम से इसकी शिकायत की। मुखिया प्रतिनिधि उमर फारूक ने कहा कि इस सड़क का निर्माण 6 माह पहले ही हुआ है, लेकिन पहली बारिश में ही सड़क धंस गया है तो कई जगहों पर गोफ बन चूका है। इसमें कहीं न कहीं संवेदक की लापरवाही है जिसके कारण ऐसी स्थिति बनी है। विधायक बाबूलाल मरांडी से आग्रह है कि कुछ जगहों पर गार्डवॉल बनवाने की ओर ध्यान दिया जाए वरना सड़क नहीं टिकेगी। कहा कि विभाग तत्काल इस सड़क की मरम्मत करवाए नहीं तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

▶ कोदईबांक निवासी मंझली हांसदा ने बताया कि सड़क धंस जाने से उनके खेत में मिट्टी भर गया है अब बोआई करने में समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि वे लोग खेती कर के ही जीविका चलाते हैं। अब खेती कैसे होगी, इसकी भरपाई कौन करेगा?

▶ बेलवाना निवासी साहिदा खातून ने कहा कि सड़क धंसने के कारण उनका खेत मिट्टी से भर गया है। हमारा इतना नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कौन करेगा?

▶ वहीं इस संबंध में विभाग के जेई अभिलेश कुमार से फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया कि 3 वर्षों तक कार्य में मेंटेनेंस की जिम्मेवारी संवेदक की है। क्षतिग्रस्त हुए सड़क की मरम्मत की जाएगी।

यहां बता दें कि कोदईबांक सूबे के पहले मुख्यमंत्री, वर्तमान में क्षेत्र के विधायक सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का पैतृक आवास है।

ऐसे में जब इनके क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य की यह स्थिति है तो अन्य स्थानों का क्या हाल होगा इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

जेबीकेएसएस ने गोविंदपुर के कुरमीडीह गांव में किया महिला मोर्चा का विस्तार

नवीन मेल संवाददाता। धनबाद

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) इस बार आगामी सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर बिल्कुल तैयारी कर चुकी हैं। इसी दरम्यान झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति केंद्रीय कमेटी के निदेर्शानुसार आज धनबाद जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा जोंन के बड़ा पिछड़ी पंचायत कुरमीडीह गांव में लगभग दो सौ महिलाओं के उपस्थिति में महिला मोर्चा संगठन विस्तार, प्रखंड कमिटी पंचायत कमेटी और बुथ स्तरीय कमेटी के मजबुती प्रदान करने का निर्णय लिया गया । केंद्रीय महासचिव उषा महतो के उपस्थिति से बरवाअड्डा जोंन क्षेत्र में महिला मोर्चा संगठन विस्तार को लेकर पुरे बड़ा पिछड़ी पंचायत और बरवाअड्डा जोंन क्षेत्र में उत्साह का माहौल संचार हुआ धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव होगा। मौके पर उपस्थित झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो, धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, बरवाअड्डा जोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर, छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक, आदि सभी ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के महिला मोर्चा संगठन विस्तार गोविंदपुर प्रखंड कमेटी और बूथ स्तरीय कमेटी के मजबुती के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के मिशन और केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के विचारधाराओं को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया। सिंदरी विधानसभा चुनाव में इस बार ऐतिहासिक जीत के लिए संकल्प लिया गया मौके पर केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो, धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो ,बरवाअड्डा जोंन अध्यक्ष हरेंद्र रजक, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक, धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला/चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र के कटकाही गांव निवासी अनुराज बैगा पिता बंधना बैगा उम्र 29 वर्ष ने अपने घर में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार की रात 9 बजे की बताई जा रही है। इस घटना के संबंध में मृतक की मां ने बताया कि मेरा बेटा चैनपुर बजार गया था,और मेरी बहु गांव वालों के साथ क्षेत्र में अच्छी बारिश के लिए भिक्षाटन करने गई थी।शाम में हमलोग जल्दी खाना खाकर सो गए तभी मेरे बेटे के बहुत के कमरे को बाहर से बंद कर दिया। जिसके बाद मेरी बहु ने आवाज देकर दरवाजा खुलवाया फिर हम दोनों उसे ढूंढने लगे फिर देखा कि घर के बाहर बने कमरे में उसने रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। इधर घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर पुलिस मौके पर पंहुच कर शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए गुमला भेज दिया और मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

सिद्धू -कान्हू हमेशा हम झारखंडियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे : नीरू शांति भगत

लोहरदगा । जिला आजसू कार्यालय में जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भारती की अध्यक्षता में हूल- दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर आजसू नेत्री नीरू शांति भगत ने कहा की सिद्धू कान्हू जैसे भारत माता के अमर सपूत 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पहले ही अंग्रेजों के खिलाफ 1855 में ही बिगूल फूंक दिए थे और उन्होंने झारखंड की माटी छोड़ने का अल्टीमेटम अंग्रेजों को दे दिए थे। उन्ही की प्रेरणा पाकर पूरे देश में 1857 में सिपाही विद्रोह हुआ, किंतु आपसी समन्वय का अभाव रहने के कारण हम अंग्रेजों से हार गए। 1947 तक का 90 वर्ष का लंबा समय आजादी के लिए हमें इंतजार करना पड़ा । उन्होंने कहा कि, सिद्धू कान्हू जैसे अमर स्वतंत्रता सेनानी हमेशा हम सबों के लिए प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे। उनके बताए मार्गो में चलकर आइये हम सभी आजसू कार्यकर्ता संगठित होकर पुनः झारखंड को भ्रष्टाचारमुक्त करने के लिए जोरदार आन्दोलन करें। झारखंड को सुंदर, स्वच्छ एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का कार्य करें। कार्यक्रम में जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी रामचंद्र गिरि, आलोक कुमार, मोहित शर्मा सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की हुई बैठक

गिरिडीह। शहर के श्याम पथ स्थित श्याम मंदिर परिसर में रविवार को जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की एक जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीत सिंह ने किया। बैठक के दौरान देश में बढ़ रही जनसंख्या व इससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। साथ ही भविष्य में देश पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर भी विचार किया गया। बैठक में मुख्य रूप से फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक कौशल उपस्थित थे। वहीं बैठक में संदीप डंगाइच, सदानंद राम, चंदन सिन्हा, श्रेयांश, सौरभ, विवेश जालान , शनि समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

लाइफलाइन संस्था गुमला के सदस्य ने दिया मानवता का परिचय

गुमला। अंकित सिन्हा ने एबी पॉजिटिव ब्लड डोनेशन कर के सदर अस्पताल में इलाजरत एक महिला की सहायता की लाइफलाइन सदस्य के के रोहित खंडेलवाल ने बताया कि ब्लड बैंक में एबी पॉजिटिव ब्लड उपलब्ध नहीं था। और महिला को एबी पॉजिटिव ब्लड की अति आवश्यक आवश्यकता थी।स्थिति की गंभीरता को समझते हुए अंकित सिन्हा ने तुरंत ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान किया। इनका कार्य बहुत ही प्रशंसनीय है।रोहित खंडेलवाल ने बताया है कि रक्तदान वक्त की जरूरत है खून की कमी के होने के कारण कई लोगों की मौत हो जाती है। क्योंकि उन्हें समय पर खून उपलब्ध नहीं हो पता है,सभी नागरिकों से अपील की प्रत्येक 3 महीना में रक्तदान अवश्य करें एवं मानव जीवन को बचाएं ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार ने कहा की रक्तदान करने वाले 80% लोगों को दिल का दौरा पड़ने की संभावना कम हो जाती है।सभी को आगे आकर रक्तदान अवश्य करना चाहिए क्योंकि मानव रक्त के कोई विकल्प नहीं रक्तदान महादान है। यह जीवन का मूल आधार भी है।इस मौके पर लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार सिंह,संगीता कुजूर,अंजू किंडो,भारत कुमार रोहित खंडेलवाल उपस्थित थे।

जिला क्षत्रिय कल्याण समाज की बैठक में संगठन बनाने पर हुई चर्चा

गिरिडीह। जिला क्षत्रिय कल्याण समाज की एक बैठक रविवार को शहर के राजपूत मोहल्ला स्थित एक आवास में आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष गुड्डू सिंह ने किया। बैठक में जिला कार्यकारिणी सदस्य एवं सक्रीय सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन के कार्यों की समीक्षा की गयी। मौके पर जिला संरक्षक अपुर सिंह ने संगठन में गतिशीलता लाने पर जोर दिया। बैठक के दौरान पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंह ने वर्तमान में चल रहे दो गुटों को विलय कर जिला स्तरीय संगठन बनाने का आग्रह किया जिसे उपस्थित लोगों ने स्वागत किया। मौके पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि एक तिथी तय कर ओपचारिक रूप से इसकी घोषणा की जाए। बैठक के दौरान समाज के कार्यकारी अध्यक्ष गुड्डू सिंह ने गिरिडीह कॉलेज के समीप शंकरचक में मौजूद अपनी 6 डिसमिल जमीन को समाज को देने की घोषणा की। बैठक के बाद समाज के राजेन्द्र प्रसाद सिंह, अमर सिंह, अमरेन्द्र सिंह, पप्पू सिंह, अशोक सिंह, मुन्ना सिंह ने जमीन का जायजा लिया और कार्यकारी अध्यक्ष की काफी प्रशंसा की।

झामुमो जिला कार्यालय में मनाया गया हूल दिवस

नवीन मेल संवाददाता। गिरिडीह

हूल दिवस के अवसर पर शहर के बस स्टैंड रोड स्थित झामुमो ज़िला कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गिरिडीह सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू उपस्थित हुए। इस मौके पर पार्टी के नेताओं और कार्यकत्ताओं ने क्रांतिकारी सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव,फुलो-झानो के तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।

मौके पर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने भारत की आजादी, अंग्रेजों की बर्बरता और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले हर क्रांतिकारी को हूल दिवस पर नमन करते हुए कहा कि यह दिवस, हर बर्बरता और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतीक है। उसकी खिलाफत का प्रतीक है।

कहा कि भारत में स्वतंत्रता के लिए सबसे पहले बिगुल फूंकने वालों में झारखंड का नाम अव्वल रहना चाहिए था, परन्तु ऐसा न हो सका। सभी जानते है कि सन 1855 में भोगनाडीह साहिबगंज में चाँद-भैरव, सिदो-कान्हु और फुलो-झानू के नेतृत्व लगभग पच्चास हजार से ज्यादा आदिवासी-मूलवासी ने अंग्रेजों के शोषण के खिलाफ आजादी की लड़ाई की शुरूआत की थी। जिसमें हजारों लोगों ने अपनी शहादत दी। उन्होने झारखंड के बुद्धिजीवियों से आग्रह है किया कि इस विषय में शोध करें और वास्तविकता को सामने लाये।

घाटशिला के चार परीक्षा केंद्र में सीएम मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा हुई

घाटशिला। शिक्षा विभाग की ओर से मुख्यमंत्री (सीएम) मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन रविवार को घाटशिला के चार परीक्षा केंद्रों में किया गया था. चारों परीक्षा केंद्र में काफी संख्या में छात्र परीक्षा से अनुपस्थित थे। इसमें बीडीएसएल गर्ल्स हाई स्कूल घाटशिला परीक्षा केंद्र में कुल 200 परीक्षार्थियों को शामिल होना था। इसमें से 13 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कुल 187 उपस्थित थे। वहीं जेसी हाई स्कूल परीक्षा केंद्र में कुल 594 परीक्षार्थियों को शामिल होना था। इसमें 147 उपस्थित हुए और 447 अनुपस्थित थे। उउवि बनकाटी में कुल 490 में 172 शामिल थे। 318 अनुपस्थित थे। मारवाड़ी हिंदी प्लस टू विद्यालय में 500 में 137 उपस्थित और 363 अनुपस्थित थे। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 तक हुआ। सभी परीक्षा केंद्र में कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हुई।

11 सूत्री मांगों को लेकर बीडीओ को सौंपा गया ज्ञापन

चैनपुर/गुमला। चैनपुर आजसू पार्टी प्रखंड कमिटी ने प्रखंड में व्याप्त अनियमितता, भ्रष्टाचार एवं विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा को ज्ञापन सौंपकर 11 सूत्री मांगो को लेकर जल्द ही निराकरण करने की मांग की है

जमीन संबंधी दाखिल-खारिज हेतु अंचल कार्यालय में जमा आवेदनों का अविलंब निष्पादन किया जाए तथा पंजी-2 में दर्ज जीरो प्लॉट की समस्या का जल्द से जल्द उचित एवं आवश्यक कार्रवाई की जाए।

वर्तमान में अबुआ आवास हेतु चयन में पारदर्शिता लायी जाए तथा जरूरतमंद एवं निर्धन परिवार को इसका समुचित लाभ मिलें।

मनरेगा अंतर्गत संचालित सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं का कियान्वयन एवं भुगतान यथाशीघ्र किया जाए ताकि वर्षा से पहले कार्य को पूर्ण किया जा सके।

छात्र-छात्राओं के छात्रवृत्ति हेतु जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण-पत्र बनवाने में शीघ्रता लाई जाए

ताकि गरीब एवं निर्धन परिवार के अध्ययनरत छात्र-छात्राएँ छात्रवृति से वंचित न हो। सभी किसानों को खाद एवं बीज की आपूर्ति समय पर किया जाए ताकि खेती पर निर्भर रहने वाले किसानों को समुचित लाभ हो सके। प्रखण्ड में बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। अतः भीषण गर्मी को देखते हुए प्रखण्ड में 24 घण्टे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रखण्ड/अंचल कार्यालय में पदस्थापित समस्त कर्मियों की उपस्थिति सरकारी नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए ताकि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले ग्रामवासियों का कार्य सरलतापूर्वक हो सके। सरकारी योजनाओं में झारखंड आंदोलनकारियों एवं उनके परिवार के आश्रितों को प्राथमिकता दी जाए।

आजसू जिला कार्यालय में मनाया गया हूल दिवस

सिद्धू और कान्हू ने अंग्रजों के विरूद्ध देश में संगठित आंदोलन की शुरूआत की : चंद्रप्रकाश चौधरी

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

आजसू जिला कार्यालय में 30 जून को हूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विशिष्ट अतिथि पार्टी के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो,केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा, जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी मौजूद थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश महतो और संचालन राजेन्द्र महतो ने की। मौके पर मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने महान क्रांतिकारी सिद्धू और मुर्मू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार महतो, जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो, अमृतलाल मुंडा व दिलीप दांगी ने सिद्धू और कान्हू के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर अपने संबोधन में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि महान क्रांतिकारी सिद्धू और कान्हू ने 1855-56 में ब्रिटिश सत्ता,साहूकारों, व्यापारियों, और जमींदारों के अत्याचार के विरूद्ध विद्रोह की शुरूआत की। कहा कि इस विद्रोह को हूल आंदोलन के नाम से जाना जाता है। सांसद ने कहा कि इस विद्रोह में सिद्धू और कान्हू ने नारा दिया था कि अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो। कहा कि सिद्धू ने संथालों को संगठित किया और 30 जून 1855 ई को भोगनाडीह में विशाल सभा का आयोजन किया।

तुईयो के ग्रामीणों को जिप सदस्य कुमकुम के सहयोग से मिला ट्रांसफार्मर,जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता। बरकट्ठा

प्रखंड के ग्राम तुईयो में ट्रांसफार्मर पिछले कुछ दिनों से खराब हो गया था जिसकी सूचना ग्रामीणों ने जिप सदस्य कुमकुम देवी को दिया। कुमकुम ने विद्युत कार्यालय इक्सक्यूटिव इंजिनियर हजारीबाग से मिल कर अगले दिन ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। इसके लिए लोगों ने जिप सदस्य कुमकुम देवी का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया। कहा अब बिजली आ जाने से बच्चों को पढ़ाई करने के साथ-साथ ग्रामीणों को इस भीष्ण गर्मी से राहत मिलेगी।वहीं स्थानीय निवासी जितेंद्र कुमार ने कहा, हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर रहनेवाली कुमकुम आगामी विधानसभा चुनाव में विधायक के पद पर चुनाव लड़े ताकि उनसे ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। कुमकुम शुरू से ही जनमानस की सेवा भाव से ओत-प्रोत रही है। मौके पर जितेंद्र कुमार विजय प्रसाद बसंत प्रसाद भोला प्रसाद मुस्तकीम अंसारी हीरामन महतो वंशी महतो खगेन्द्र प्रसाद आदि उपस्थित थे।

सख्त हो गए हैं कानून, भारतीय कानून अब दंड संहिता नहीं न्याय संहिता के नाम से जाने जायेगें : एसडीपीओ सह एएसपी

नवीन मेल संवाददाता। बरही

1 जुलाई से केंद्र सरकार ने 1860 की आईपीसी को समाप्त करते हुए बीएनएस 2023 लागू कर दिया है. इस व्यवस्था के तहत भारतीय दंड संहिता (इंडियन पेनल कोड) को अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), क्रिमिनल पेनल कोड (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम के नाम से जाना जाएगा. पुराने दंड संहिता में काफी बदलाव किए गए हैं. उक्त जानकारी एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि धारा 302 हत्या को 103(1), ठगी व धोखाधड़ी 420 को 118(4), चोरी के लिए लगने वाले 379 को 303(2) और दुष्कर्म के 376 आईपीसी को अब 76 बीएनएस के नाम से जाना जाएगा। अंग्रेजी कानून राजद्रोह धारा 124(क) को खत्म करते हुए उसे देशद्रोह में परिवर्तित किया गया है। कोई भी व्यक्ति जो देश में विनाश या विखंडात्मक कार्य करेगा उसे देशद्रोह के तहत जेल जाना होगा। एसडीपीओ ने बताया कि नए कानून व्यवस्था के तहत कानून सख्त हुए है, महिलाओ की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

गौर तलब हो कि नए कानून के तहत देश के कानून में भारी भरकम बदलाव किया गया है। जानकारी के अनुसार आईपीसी की 511 धाराओं को 356 धाराओं में परिवर्तित किया गया है। 175 धाराओं को बदले गए है जबकि 8 नई धाराएं लाई गई है और 22 धाराओं को खत्म किया गया है। सीआरपीसी की 560 धाराओं को मात्र 160 में बदले गए है। 9 पुरानी धाराएं हटाई गई है तो 9 नई धाराएं जोड़ी गई है। नए बीएनएसएस के तहत पूछताछ से ट्रायल तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का सहारा लिया जा सकता है। ट्रायल कोर्ट को हर एक फैसला अधिकतम 3 साल के अंदर देना होगा।

जाने कौन सी धाराओं में हुआ है परिवर्तन : हत्या के लिए आईपीसी 302 को बीएनएस 103(1), जान मारने के प्रयास आईपीसी 307 को बीएनएस 109, गैर इरादतन हत्या धारा 304(ए) को बीएनएस 109, दहेज हत्या आईपीसी 304 (बी) को बीएनएस 80, भ्रूण हत्या आईपीसी 313 को बीएनएस 89, आत्महत्या के लिए उकसाने वाला आईपीसी 306 को बीएनएस 108, लूट के आईपीसी 302 को बीएनएस 309 (ए), अश्लील हरकत के लिए आईपीसी 354 को बीएनएस 79, अभद्रता या छेड़छाड़ के आईपीसी 294 को बीएनएस 296 तथा अपहरण 337 को बीएनएस 137(2) के रूप में परिवर्तित किए गए हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत देवनगर में पौधरोपण

देवनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रविवार को बाराद्वारी के देवनगर में कोशिश संस्था के संरक्षक सामाजिक कार्यकर्ता शिव शंकर सिंह के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया. इस दौरान पौधे के बड़े होने तक संरक्षण की व्यवस्था की गई। पौधरोपण हूल क्रांति के महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव, फूल-झानो और बलिदानियों को समर्पित किया गया। शिव शंकर सिंह ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए। धरती पर पेड़-पौधे होंगे तो हर साल बढ़ते तापमान, पर्यावरण प्रदूषण, ओजोन परत में बढते छिद्र जैसे गंभीर मुद्दे का आसानी से हल हो सकेगा।

जलवायु और जल की गंभीर चेतावनी

वर्षा जल पर आधारित झारखंड की अर्थव्यवस्था रोज आकाश की ओर निहार रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न जल संकट, जो पानी के अंधाधुंध उपयोग के कारण और गहरा गया है, जिसके प्रति भारतीय पर्यावरणविद लगातार चेताते रहे हैं, सिर्फ पर्यावरण या स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं है, बल्कि एक गंभीर आर्थिक मुद्दा भी है, जो 1.4 अरब की आबादी वाले इस देश की महत्वाकांक्षाओं को कुचल सकता है। अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, और 2024 में भी इसके तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन भारत की आकांक्षाएं कई कारकों पर निर्भर करती हैं, जिनमें पानी भी एक है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 'भारत में जल संकट बढ़ता जा रहा है, क्योंकि तेज आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के बीच पानी की खपत बढ़ रही है। यह सॉवरेन क्रेडिट के साथ-साथ कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्रों एवं इस्पात निर्माण जैसे पानी की भारी खपत वाले क्षेत्रों के लिए भी नुकसानदेह है।' 'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' किसी देश या संप्रभु इकाई की ऋण पाने की क्षमता का एक स्वतंत्र मूल्यांकन है, जो यह भी बताता है कि उस देश में निवेश करना कितना जोखिम भरा हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के समय में जल संकट जैसे कारक, इससे होने वाली भारी मानवीय पीड़ा के अलावा आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं।

'सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग' किसी देश या संप्रभु इकाई की ऋण पाने की क्षमता का एक स्वतंत्र मूल्यांकन है, जो यह भी बताता है कि उस देश में निवेश करना कितना जोखिम भरा हो सकता है। जलवायु परिवर्तन के समय में जल संकट जैसे कारक, इससे होने वाली भारी मानवीय पीड़ा के अलावा आर्थिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण हैं।

तीव्र औद्योगिकीकरण एवं शहरीकरण के साथ भारत का तेज आर्थिक विकास दुनिया की इस सबसे बड़ी आबादी वाले देश में पानी की उपलब्धता को कम कर रहा है। जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक जल उपलब्धता 2031 तक घटकर 1,367 क्यूबिक मीटर रह जाने की आशंका है, जो 2021 में पहले से ही कम 1,486 क्यूबिक मीटर थी। जलवायु परिवर्तन के कारण झारखंड में भी चरम जलवायु घटनाओं, जैसे सूखा, लू, बाढ़ की आवृत्ति, गंभीरता या अवधि में वृद्धि से स्थिति और भी बदतर हो जाएगी, क्योंकि भारत पानी के लिए मानसून पर ज्यादा निर्भर है। इससे खाद्य पदार्थों की महंगाई बढ़ेगी और इससे प्रभावित व्यवसायों एवं समुदायों की आय में कमी होगी, जिससे सामाजिक अशांति भी फैल सकती है। भारत में नदियों और भू-जल के लगभग 70 प्रतिशत पानी का उपयोग कृषि कार्यों में किया जाता है। लेकिन कुछ उद्योग भी पानी की ज्यादा खपत करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, औद्योगिक क्षेत्र में कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र और स्टील निर्माता उत्पादन के लिए पानी पर बहुत ज्यादा निर्भर होते हैं। बढ़ता जल संकट उनके संचालन को बाधित कर सकता है और उनकी कमाई को कम कर सकता है, जिससे उनकी कर्ज चुकाने की क्षमता भी खत्म हो सकती है। दिल्ली या अन्य महानगरों जैसे टैंकर माफिया के बारे में जमीनी स्तर से कई खबरें आ रही हैं। भारत में भू-जल रिचार्ज चालू वर्ष में 449 अरब क्यूबिक मीटर (बीएमसी) तक पहुंच गया है, जो 2004 के बाद से अधिकतम है और 2022 की तुलना में 11.5 बीएमसी ज्यादा है, जैसा कि केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा कराए गए भारत के गतिशील भू-जल संसाधनों के राष्ट्रीय संकलन, 2023 में बताया गया है। लेकिन रिपोर्ट यह भी बताती है कि भू-जल का दोहन कई जगहों पर चिंता का विषय बना हुआ है, जहां रिचार्ज किए जाने से ज्यादा पानी जमीन के अंदर से नलकूपों के जरिये निकाला जाता है। टेन वाटर हार्वेस्टिंग के साथ जल छाजन की योजनाओं को कागजी नहीं धरती पर लाना होगा।

इन दिनों

वेंकैया गारू- भारत की सेवा में समर्पित जीवन

■ नरेन्द्र मोदी

आज भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति और राष्ट्रीय राजनीति में शुचिता के प्रतीक हमारे एम. वेंकैया नायडू गारू का जन्मदिवस है। वेंकैया नायडू जी आज 75 वर्ष के हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रसेवा और जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखा है। मैं उनके दीर्घायु होने और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। देश में उनके लाखों चाहते वाले हैं। मैं उनके सभी शुभचिंतकों और समर्थकों को भी बधाई देता हूं। वेंकैया जी का 75वां जन्मदिवस एक विशाल व्यक्तित्व की व्यापक उपलब्धियों को समेटे हुये है। उनका जीवन सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की ऐसी यात्रा है, जिसके बारे में सभी देशवासियों को जानना चाहिए। राजनीति में अपने प्रारम्भिक दिनों से लेकर उपराष्ट्रपति जैसे शीर्ष पद तक, नायडू गारू ने भारतीय राजनीति की जटिलताओं को जितनी सरलता और विनम्रता से पार किया, वो अपने आपमें एक उदाहरण है। उनकी वाकपटुता, हाजिरजवाबी और विकास से जुड़े मुद्दों के प्रति उनकी सक्रियता के कारण उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर हर पार्टी में सम्मान मिला है। वेंकैया गारू और मैं दशकों से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। हमने लंबे समय तक अलग-अलग दायित्वों को संभालते हुए साथ काम किया है, और मैंने हर भूमिका में उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैंने देखा है, जीवन के हर पड़ाव पर आम लोगों के प्रति उनका स्नेह और प्रेम कभी नहीं बदला। वेंकैया जी सक्रिय राजनीति से आंध्र प्रदेश में छात्र नेता के रूप में जुड़े थे। उन्होंने राजनीति के पहले पड़ाव पर ही प्रतिभा, वक्तृत्व क्षमता और संगठन कौशल की अलग छाप छोड़ी थी। किसी भी राजनीतिक दल में उन्हें कम समय में बड़ा स्थान मिल सकता था। लेकिन उन्होंने संघ परिवार के साथ काम करना पसंद किया, क्योंकि उनकी आस्था राष्ट्र प्रथम के विजन में थी। उन्होंने विचार को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखा और बाद में जनसंघ एवं बीजेपी को मजबूत किया। लगभग 50 साल पहले जब कॉंग्रेस पार्टी ने देश में आपातकाल लगाया था, तब युवा वेंकैया गारू ने आपातकाल विरोधी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्हें लोकनायक जेपी को आंध्र प्रदेश में आमंत्रित करने के लिए जेल जाना पड़ा। लोकतंत्र के लिए उनकी ये प्रतिबद्धता, उनके राजनीतिक जीवन में हर जगह दिखाई देती है। 1980 के दशक के मध्य में, जब महान एनटीआर की सरकार को कांग्रेस ने गलत तरीके से बर्खास्त कर दिया था, तब वे फिर से लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए हुए आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में थे। 1978 में आंध्र प्रदेश ने जब कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया था, तब वेंकैया जी प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद एक युवा विधायक के रूप में जीतकर आए थे। पांच साल बाद, राज्य चुनाव में एनटीआर की लोकप्रियता अपने सर्वोच्च स्तर पर थी। तब भी वे बीजेपी के विधायक चुने गए। उनकी जीत ने आंध्र समेत दक्षिण में बीजेपी के लिए भविष्य के बीज बोये थे। युवा विधायक के रूप में ही, वे विधायी मामलों में अपनी दृढ़ता और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की आवाज उठाने के लिए सम्मानित होने लगे। उनकी वाकपटुता, शब्दशैली और संगठन सामर्थ्य से प्रभावित होकर एनटीआर जैसे दिग्गज ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। एनटीआर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करना चाहते थे, लेकिन वेंकैया गारू हमेशा की तरह अपनी मूल विचारधारा पर अडिग रहे। उन्होंने आंध्र प्रदेश में बीजेपी को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभाई, गांवों में जाकर सभी क्षेत्रों के लोगों से जुड़े। उन्होंने विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व किया और आंध्र प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष भी बने। 1990 के दशक में बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने वेंकैया गारू के परिश्रम और प्रयासों को पहचानते हुये उन्हें पार्टी का अखिल भारतीय महासचिव नियुक्त किया। 1993 में यहीं से राष्ट्रीय राजनीति में उनका कार्यकाल शुरू हुआ था। एक ऐसा व्यक्ति, जो किशोरावस्था में अटल जी और आडवाणी जी के दौरों की तैयारी करता था, उनके लिए ये कितना बड़ा मुकाम था। पार्टी महासचिव के रूप में, उनका एक ही लक्ष्य था कि अपनी पार्टी को सत्ता में कैसे लाया जाए! उनका एक ही संकल्प था कि कैसे देश को बीजेपी का पहला प्रधानमंत्री मिले। दिल्ली आने के बाद, उनकी मेहनत का ही परिणाम था कि उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कुछ ही समय बाद वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बने। वर्ष 2000 में, जब अटल जी सरकार बना रहे थे तो वो वेंकैया गारू को अपनी सरकार में मंत्री बनाना चाहते थे। अटल जी ने उनसे उनकी इच्छा पूछी तो वेंकैया गारू ने ग्रामीण विकास मंत्रालय को अपनी प्राथमिकता के रूप में चुना। उनकी इस पसंद ने तब कई लोगों को हैरान किया था। क्योंकि, उसके पहले नेताओं के लिए दूसरे मंत्रालय पहली पसंद हुआ करते थे। लेकिन, वेंकैया गारू की सोच बिल्कुल स्पष्ट थी- वह एक किसान पुत्र थे, उन्होंने अपने शुरूआती दिन गांवों में बिताए थे और इसलिए, अगर कोई एक ऐसा क्षेत्र था जिसमें वह काम करना चाहते थे, तो वह ग्रामीण विकास था। उस समय एक मंत्री के रूप में 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' को जमीन पर उतारने में उनकी अहम भूमिका थी। 2014 में एनडीए सरकार ने सत्ता संभाली, तो उन्होंने शहरी विकास, आवासन एवं शहरी गरीबी उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों को संभाला। उनके कार्यकाल के दौरान ही हमने 'स्वच्छ भारत मिशन' और शहरी विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं। शायद, वह उन नेताओं में से एक हैं जिन्होंने इतने लंबे समय तक ग्रामीण और शहरी विकास दोनों के लिए काम किया है। 2014 के उन शुरूआती दिनों में वेंकैया जी का अनुभव मेरे भी बहुत काम आया था। मैं उस समय दिल्ली के लिए एक बाहरी व्यक्ति था। मेरा करीब डेढ़ दशक गुजरात में ही काम करते हुये बीता था। ऐसे समय में वेंकैया गारू का सहयोग मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। वह एक प्रभावी संसदीय कार्य मंत्री थे। वो सदन में पक्ष-विपक्ष की बारीकियों को समझते थे। साथ ही, जब संसदीय मानदंडों और नियमों की बात आती थी, तब वो नियमों को लेकर भी उतना ही स्पष्ट नजर आते थे। वर्ष 2017 में, हमारे गठबंधन ने उन्हें हमारे उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। ये हमारे लिए एक कठिन और दुविधा से भरा निर्णय था। हम ये जानते थे कि वेंकैया गारू के स्थान को भरना बेहद कठिन होगा। लेकिन साथ ही, हमें ये भी पता था कि उपराष्ट्रपति पद के लिए उनसे बेहतर कोई और उम्मीदवार नहीं है। मंत्री और सांसद पद से इस्तीफा देते हुए उन्होंने जो भाषण दिया था, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। जब उन्होंने पार्टी के साथ अपने जुड़ाव और इसे बनाने के प्रयासों को याद किया तो वह अपने आंसू नहीं रोक पाए। इससे उनकी गहरी प्रतिबद्धता और जुनून की झलक मिलती है। उपराष्ट्रपति बनने पर उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए जिससे इस पद की गरिमा और भी बढ़ी। वह राज्यसभा के एक उत्कृष्ट सभापति थे, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि युवा सांसदों, महिला सांसदों और पहली बार चुने गए सांसदों को बोलने का अवसर मिले। उन्होंने सदन में उपस्थिति पर बहुत जोर दिया, समितियों को अधिक प्रभावी बनाया। उन्होंने सदन में बहस के स्तर को भी ऊंचा उठाया। जब अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने का निर्णय राज्यसभा के पटल पर रखा गया, तो वेंकैया गारू ही सभापति थे। मुझे यकीन है कि यह उनके लिए एक भावनात्मक क्षण था। वह युवा जिसने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के संकल्प के लिए अपना जीवन समर्पित किया था, जब वह सपना पूरा हुआ तो वह सभापति के पद पर आसीन था। किसी निष्ठावान देशभक्त के जीवन में इससे बड़ा समय और क्या होगा! काम और राजनीति के अलावा, वेंकैया गारू एक उत्साही पाठक और लेखक भी हैं। दिल्ली के लोगों के बीच, उन्हें उस व्यक्ति के रूप में जाना जाता है जो शहर में गौरवशाली तेलुगु संस्कृति लेकर आए। उनके द्वारा आयोजित उगादी और संक्रांति कार्यक्रम स्पष्ट रूप से शहर के सबसे पसंदीदा समारोहों में से एक हैं। मैं वेंकैया गारू को हमेशा एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जानता हूं जो भोजन प्रेमी हैं और शानदार मेजबानी करना जानते हैं। लेकिन, पिछले कुछ समय से उनका संयम भी सबके सामने दिखने लगा है। फिटनेस के प्रति उनकी प्रतिबद्धता इस बात से झलकती है कि वह अभी भी बैडमिंटन खेलना और ब्रिस्क वॉक करना पसंद करते हैं। उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा करने के बाद भी, वेंकैया गारू सार्वजनिक जीवन में बेहद सक्रिय हैं। वह लगातार देश के लिए जरूरी मुद्दों और विकास कार्यों को मुझसे बात करते रहते हैं। हाल ही में जब हमारी सरकार तीसरी बार सत्ता में लौटी, तो मेरी उनसे मुलाकात हुई थी। वह बहुत खुश हुए और उन्होंने मुझे व हमारी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं। मैं एक बार फिर उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मुझे आशा है कि युवा कार्यकर्ता, निर्वाचित प्रतिनिधि और सेवा करने का जुनून रखने वाले सभी लोग उनके जीवन से सीख लेंगे और उन मूल्यों को अपनाएंगे। यह वेंकैया गारू जैसे लोग ही हैं जो हमारे राष्ट्र को बेहतर और अधिक जीवंत बनाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार है।)

आपकी बात

श्री जगन्नाथ रथयात्रा की हो रही तैयारी!

सुनील कुमार सिंह

झारखंड राज्य के हजारीबाग जिले अंतर्गत जीटी रोड चौपारण स्थित सियरकोनी में भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा महोत्सव की भव्य तैयारियां जोरो से की जा रही है। आयोजक रथ यात्रा को लेकर जोर शोर से प्रचार प्रसार कर अतिथियों को आमंत्रित कर रहे हैं। इस निमित्त राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बताया कि इस रथ यात्रा की शुरूआत इस्कॉन से जुड़े भक्ति वेदांता और गुरुकुल के संस्थापक सह संचालक डॉ केशवानंद प्रभु, उज्जवल शखा प्रभु की अगुवाई में 20 जून 2023 को पहले भगवान श्री जगन्नाथ की पांच दिवसीय रथ यात्रा की आयोजन कर किया गया था। रथ यात्रा की रथ की तैयारी इस्कॉन मुख्यालय मायापुर पश्चिम बंगाल से आए कारीगरों के दल द्वारा तैयार किया गया था।

काव्य कोना

सदाचारी

क्रूर सन्नाटा
कुरुक्षेत्र अपना-अपना
धर्मयुद्ध अपना-अपना
युद्ध का तरीका अपना-अपना ।
क्रूर सन्नाटा
सन्नाटे में एक आवाज
सुनो-सुनो ध्यान से सुनो
एक सदाचारी ने जन्म लिया
आठवें कोने में दुनिया के
न जाने कब सोता है
जागता कब है
हमने तो बस सुना
सदाचारी - आठवाँ कोना!
क्रूर सन्नाटे में एक और गूँज
हर पग पर क्रूर परीक्षा बाट जोहेगी
हर पग पर अमृत नहीं विष के घट
होंगे
नीलकंठ की तरह पी के जीना होगा
क्रूर सन्नाटा,
कुरुक्षेत्र अपना-अपना

■ नाग मणि

धर्म

अवैध धर्मांतरण: राष्ट्र को बर्बाद करने का मार्ग

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

दुनिया मुस्लिम कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ रही है, जिस पर तलवार की नोक पर धर्मांतरण करने का आरोप है। एक खामोश क्रांति चल रही है, जिसके बारे में हममें से कोई भी जानना नहीं चाहता। यह इतनी सहज और सुनियोजित है कि लोगों को इसका अंदाजा ही नहीं है और वे पूरी तरह संतुष्ट हैं। कई ईसाई मिशनरियाँ धर्मांतरण के उद्देश्य से अनुसूचित जाति और जनजातियों को निशाना बना रही हैं। इन मिशनरियों को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण तत्व उनकी वित्तीय और सहायता प्रणाली है। दो से अधिक वर्षों से, कई ईसाई मिशनरियों ने सनातन धर्म को मिटाने और भारत में ईसाई धर्म को स्थापित करने की कोशिश की है। 19वीं सदी के मिशनरी और आज के मिशनरी के बीच एकमात्र अंतर यह है कि पहले वाले ने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की, जबकि बाद वाले स्पष्ट कारणों से चुप हैं।

19वीं सदी के मिशनरी और आज के मिशनरी के बीच एकमात्र अंतर यह है कि पहले वाले ने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की, जबकि बाद वाले स्पष्ट कारणों से चुप हैं।

प्यू रिसर्च के अनुसार, अधिकांश भारतीय ईसाई (54%) कर्म में विश्वास करते हैं, जो ईसाई अवधारणा नहीं है। कई भारतीय ईसाई पुर्नजन्म (29%) और गंगा नदी की शुद्धिकरण शक्ति (32%) में भी विश्वास करते हैं, जो दोनों ही प्रमुख हिंदू सिद्धांत हैं। भारतीय ईसाइयों के लिए अन्य धर्मों से जुड़ी प्रथाओं का पालन करना भी लोकप्रिय है, जैसे दिवाली मनाना (31%), या माथे पर बिंदी लगाना (22%), जिसे आमतौर पर हिंदू, बौद्ध और जैन महिलाएं पहनती हैं। वे आधिकारिक तौर पर भारत की आबादी का केवल 2.5% हिस्सा हैं। दक्षिण भारत देश के लगभग आधे ईसाइयों का घर है, जबकि भारत के विरल आबादी वाले पूर्वोत्तर में ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं, जहाँ अधिकांश ईसाई आदिवासी समुदायों के सदस्य हैं। यह विश्लेषण क्या कहता है। आधिकारिक संख्या और अध्ययनों के अनुसार, सभी धर्मांतरित लोगों में से आधे से अधिक हिंदू हैं। एक परेशान करने वाली और चिंताजनक सच्चाई यह है कि, इन औपचारिक धर्मांतरित लोगों के अलावा, कई एससी, एसटी और अन्य हाशिए पर पड़े गरीब लोग जो ईसाई धर्म में परिवर्तित हो गए हैं, उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपना धर्म नहीं बदला है क्योंकि उन्हें डर है कि वे सरकारी लाभ खो देंगे, जिसका अर्थ है कि कुल धर्मांतरण बहुत अधिक है।

(ये लेखक के निजी विचार है।)

बोधि वृक्ष

घने जंगल के बीच स्थित है आस्था का केंद्र साईं धाम

साईं मंदिर में साईं बाबा की मूर्ति के अलावा दत्तात्रेय तथा गणेश जी का चित्र लगा है। मंदिर के अंदर दो नगाड़े तथा ज्ञानरंजन का चित्र भी लगा है।

सर्व धर्म सदभावना के प्रतीक हैं साई बाबा–

साई बाबा एक ऐसे संत हैं जिन्हें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी धर्म के लोग समान श्रद्धा-भाव से पूजते हैं। जात-पात के भेद-भाव से ऊपर उठकर लोगों को मानवता का पाठ पढ़ाया। कभी भी किसी धर्म की अवहेलना नहीं की, बल्कि सभी धर्म का सम्मान करके मानवता को ही सबसे बड़ा धर्म बताकर जीवन जीने की शिक्षा प्रदान की। इनकी आराधना किसी भी विशेष मुहूर्त या वार को की जा सकती है, परंतु गुरुवार को इनकी पूजा का विशेष महत्व माना गया है। गुरुवार गुरु का दिन माना जाता है। सभी धर्म में गुरु का खास स्थान माना जाता है, गुरु ही हमें आदर्श जीवन जीने के सूत्र बताते हैं। साईं बाबा को गुरु मानने वाले सभी भक्त इस दिन बाबा के मंदिर जाते हैं। **ग्रामीणों को मिला रोजगार –**

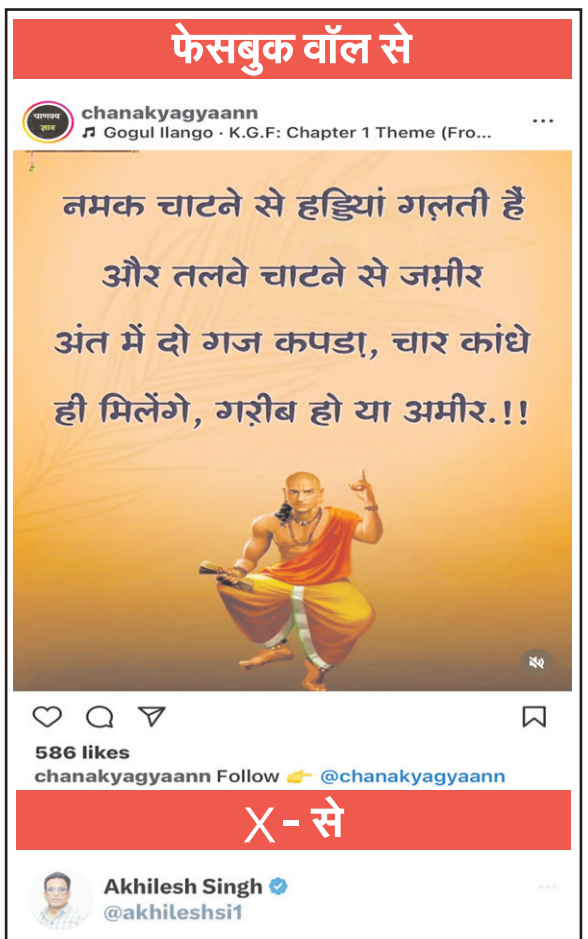

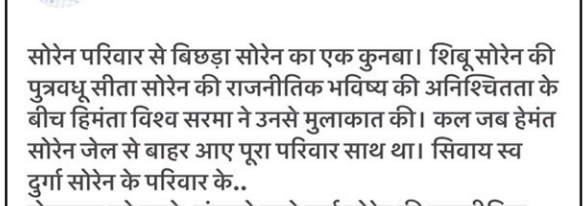

साई धाम की स्थापना के बाद सरसा गांव के लोगों के जीवन स्तर में काफी सुधार आया है। इस इलाके में पहेल काफी गरीबी थी। गांव से लोगों का पलायन काफी ज्यादा हुआ करता था। **(क्रमशः)**

फेसबुक वॉल से

chanakyagyaann
♫ Gogul Ilango · K.G.F: Chapter 1 Theme (Fro...

नमक चाटने से हड्डियां गलती हैं
और तलवे चाटने से ज़मीर
अंत में दो गज कपडा, चार कांधे
ही मिलेंगे, गरीब हो या अमीर.!!

586 likes
chanakyagyaann Follow 👉 @chanakyagyaann

X - से

Akhilesh Singh
@akhileshsi1

सोरेन परिवार से बिछड़ा सोरेन का एक कुनबा। शिबू सोरेन की पुत्रवधू सीता सोरेन की राजनीतिक भविष्य की अनिश्चितता के बीच हिमंता विश्व सरमा ने उनसे मुलाकात की। कल जब हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए पूरा परिवार साथ था। सिवाय स्व दुर्गा सोरेन के परिवार के..
जेएमएम को गढ़ने, संवारने वाले दुर्गा सोरेन की राजनीतिक विरासत भाजपा में कितने दिन ठहरेगी, ये कहा नहीं जा सकता। लेकिन जेएमएम में लौटने की चाहत भी हुई तो क्या इनकी प्रासंगिकता वहां भी रहेगी?

Translate post

11:27 AM · 29/06/24 From Earth · 496 Views

4 Reposts 1 Quote 22 Likes

अपने पत्र हमें इमेल कर सकते हैं-article.rnmail@gmail.com

दुनियां में हर वर्ष हो रही शराब सेवन से 26 लाख मौतें

किशन भावनानी

भारत में अभी हम पर तमिलनाडु शराब सेवन से हुई मौतों के सदमे से उबर भी नहीं पाएं है कि, वैश्विक स्तर पर दुनियां के करीब 196 सदस्यों वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिनांक 28 जून 2024 को जारी ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट आन एल्कोहल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर 2024 जो 334 पुष्ठो की है, जिसमें पूरे विश्व में शराब का अत्यधिक सेवन करने से मानवीय शरीर में होने वाले दुष्टपरिणामों व मौतों के बारे में बताया गया है जो हैरान कर देने वाला है। पूरी दुनियां में करीब 40 करोड़ लोग शराब और नशीली दवाओं के कारण होने वाली बीमारियों से पीड़ित हैं,यह दुनियां की कुल मौतों का 4.7 प्रतिशत है। यानें हर 20 में से एक मौत के लिए शराब जिम्मेदार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ड्रग्स से होने वाली मौतों को भी उसमें जोड़ा जाए तो यह संख्या 30 लाख से अधिक हो जाएगी। रिपोर्ट में भारत के बारे में बताया गया है कि यहां एक लाख मौतों में शराब से 38.5 प्रतिशत मौत हो रही है जो चीन की संख्या से दोगुनी है,जहां इससे 16.1 प्रतिशत मौतें होती है, जो रेखांकित करने वाली बात है। चूंकि विश्व स्वास्थ्य संगठन से रिपोर्ट 2024 दुनियां में हर वर्ष शराब से 26 लाख मौतें, भारत में चीन से दुगनी मौतें हो रही है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट आन एल्कोहल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर 2024 जारी की है, शराब व नशीली मादक चीजों केअत्यधिक सेवन से लीवर से जुड़ी समस्याएं कैंसर की बीमारी से दिल की बीमारी से मौत होने की पुष्टि को गंभीरता रेखांकित करना अत्यंत जरूरी है। साथियों बात अगर हम 28 जून 2024 को जारी विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट को समझने की करें तो, शराब हर साल 26 लाख से ज्यादा लोगों की मौत का कारण बन रही है। दुनिया भर में करीब 40 करोड़ लोग शराब और नशीली दवाओं के कारण होने वाली बीमारियों से पीड़ित हैं। यह दुनिया की कुल मौतों का 4.7 फीसदी है। यानी हर 20 में से एक मौत के लिए शराब जिम्मेदार है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कीग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन ऐल्कॉहॉल एंड हेल्थ एंड ट्रीटमेंट ऑफ सब्सटेंस यूज डिसऑर्डर में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार यदि ड्रग्स से होने वाली मौतों को भी इसमें जोड़ दें तो यह संख्या 30 लाख से ज्यादा है। भारत में हालात और बुरे हैं। यहां एक लाख मौतों में शराब से 38.5 फीसदी मौतें हो रही हैं। यह संख्या चीन से दोगुनी से भी अधिक है। चीन में प्रति एक लाख मौतों में शराब से मरने वालों की संख्या 16.1 फीसदी है। कैंसर, दिल की बीमारी घेर रही है। शराब के अत्यधिक सेवन से कई तरह की समस्याएं सामने आती है। रिपोर्ट में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि 2019 में शराब की वजह से होने वाली 26 लाख मौतों में से 16 लाख मौतें गैर-संचारी रोगों जैसे कैंसर से 4,01000 और दिल की बीमारियों से 4,74,000 मौतें हुईं। शराब और नशीली दवाओं का सबसे ज्यादा शिकार 20 से 39 साल के युवा बन रहे हैं। शराब के 13 फीसदी शिकार इसी आयु वर्ग के लोग थे। **(ये लेखक के निजी विचार है।)**

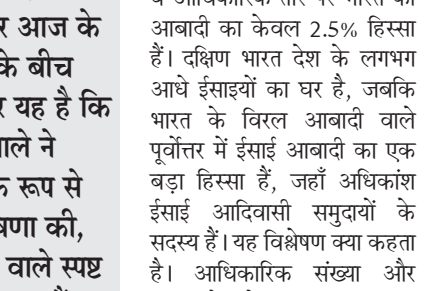

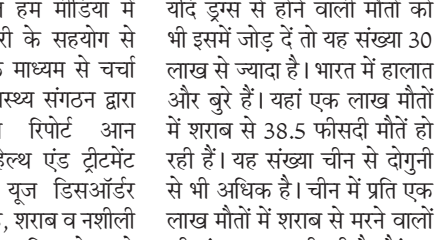

टेक वर्ल्ड

जानें 1.5 टन ऐसी को पूरी रात चलाने पर कितना आ सकता है बिल?

गर्मी से सबका बुरा हाल हो रखा है। अगर आप भी एसी का इस्तेमाल करते हैं पूरी रात लेकिन इसका बिल देखकर अच्छे- अच्छे लोगों का पसीना निकल जाता है। बिना एसी के रहना भी काफी मुश्किल होता है। जानिए 1.5 टन एसी को पूरी रात चलाने पर कितना बिल आएगा। गर्मी से पूरा देश का बुरा हाल हो रखा है। ऐसे में सभी के घरों में एसी का इस्तेमाल हो रहा है। बिना एसी के घर में रहना भी काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सभी के घरों में पूरी रात एसी चलती है। एसी का बिल देखकर अच्छे-अच्छे लोगों को पसीना निकल जाता है। आमतौर पर ज्यादातर लोग 1.5 टन वाला एसी घर में लगाते हैं। इस लेख में हम आपको 1.5 टन एसी के 3 स्टार और 5 स्टार वाले वर्जन को आधार बनाकर बिल की गणना करेंगे।

एसी का कितना बिल आएगा

हम सभी के घरों में पूरी रात एसी चलती है। आपको बता दें कि, 1.5 टन एसी के 3 स्टार और 5 स्टार वाले वर्जन का बिल कितना आएगा। ताकि आप सही अनुमान लगा सके। गौरतलब है कि कोई भी एयर कंडीशनर को चलाने में कितना बिल बढ़ेगा यह उसके पॉवर कंजम्पशन पर डिपेंड करता है।

1.5 टन का 5 स्टार रेटिंग एसी

अगर आप 5 स्टार रेटिंग वाला 1.5 टन का स्प्लिट एसी लगवाना चाहते हैं तो आपको यह करीब 840 वाट (0.8kWh) बिजली प्रति घंटे के हिसाब से खपत करेगा।

(क्रमशः)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

एक नजर

गुजरात में सीबीआई ने जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन को हिरासत में लिया

अहमदाबाद। नीट (यूजी) पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पंचमहल जिले के जय जलाराम स्कूल के चेयरमैन दीक्षित पटेल को शनिवार देर रात हिरासत में ले लिया। दीक्षित पटेल को हिरासत में लेने के बाद गोधरा सिविल अस्पताल में उनका मेडिकल कराया गया। नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क में होने के संदेह के आधार पर सीबीआई ने दीक्षित पटेल के खिलाफ यह कार्रवाई की है। इससे पहले 27 जून को नीट में धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने दीक्षित पटेल से पूछताछ की थी। इसके अलावा सीबीआई ने कुछ छात्रों के परिजनों के भी बयान दर्ज किए।

नवादा के रजौली चेक पोस्ट से 25 शराबी गिरफ्तार

नवादा। बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित चितरकोली पंचायत अंतर्गत समेकित जांच चौकी पर उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार द्वारा वाहन जांच के दौरान विभिन बसों से 25 शराबी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया है। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को उत्पाद विभाग की टीम रजौली चेक-पोस्ट पर झारखंड की ओर से आने वाले सभी छोटे-बड़े वाहनों की सघन जांच कर रही थी।इसी बीच विभिन बसों को जांच के लिए रोका गया।जिसमें 25 शराबी को नशे के हालत में पाया गया।उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जांच के दौरान उत्पाद विभाग के एसआई सनी कुमार के साथ कई अधिकारी मौजूद थे।

रिटायरमेंट से पहले जनरल मनोज पांडे को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

एजेंसी। नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रविवार 30 जून को सेवानिवृत्ति हो रहे हैं। कार्यकाल के आखिरी दिन उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उनके सेवानिवृत होने के साथ ही लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को ही नए सेना प्रमुख का पदभार संभालेंगे। जनरल मनोज पांडे 26 महीने तक इस पद पर रहे। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन उन्होंने वॉर मेमोरियल पर जाकर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अब भारतीय सेना की कमान संभालने जा रहे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख होंगे। इससे पहले उन्होंने फरवरी में थल सेना उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया था।

रिटायर्ड हो रहे जनरल मनोज पांडे को 30 अप्रैल 2022 को सेनाध्यक्ष नियुक्त किया गया था

भारतीय सेना की कमान संभालने जा रहे लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख होंगे

सेनाध्यक्ष के रूप में जनरल द्विवेदी की नियुक्ति को सरकार ने 11 जून को मंजूरी दी थी। सन 1964 में 01 जुलाई को जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री (जम्मू-कश्मीर राइफल्स) में कमीशन मिला था। लगभग 40 वर्षों की अपनी लंबी और प्रतिष्ठित सेवा के दौरान, वह विभिन्न कमानों, स्टाफ, प्रशिक्षण संबंधी और विदेशी नियुक्तियों में कार्यरत रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट (18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स), ब्रिगेड (26 सेक्टर असम राइफल्स), महानिरीक्षक, असम राइफल्स (पूर्व) और 9 कोर की कमान शामिल हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने सेना उपप्रमुख के रूप में नियुक्ति से पूर्व 2022-24 तक महानिदेशक इन्फैंट्री और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (मुख्यालय उत्तरी कमान) सहित महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। सैनिक स्कूल रीवा, नेशनल डिफेंस कॉलेज और यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के पूर्व छात्र लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने डीएसएससी वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज, महू में भी अध्ययन किया है। आज रिटायर्ड हो रहे जनरल मनोज पांडे को 30 अप्रैल 2022 को सेनाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्हें दिसंबर 1982 में इंजीनियरों की कोर (बॉम्बे सैपर्स) में कमीशन दिया गया था। सीओएएस के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वह थल सेना के उपप्रमुख के रूप में नियुक्त हुए थे।

हाइवा की टक्कर से बाइक सवार पिता और पुत्र की मौत

कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पिता और पुत्र दोनों बाइक से घर लौट रहे थे

एजेंसी। औरंगाबाद

औरंगाबाद के रिसियप थाना क्षेत्र के दोमुहान के पास तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में बाइक पर सवार पिता और पुत्र की मौत हो गयी। मृतक की पहचान नबीनगर थाना क्षेत्र के सुनील प्रजापति और उनके पुत्र सुशील कुमार के रूप में हुई है। इधर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया। रिसियप थाना प्रभारी सुनील कुमार ने कहा कि पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। दोषी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सुनील और सुशील दोनों औरंगाबाद गये थे। यहां रिसियप थाना क्षेत्र में सुशील को एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पिता और पुत्र दोनों बाइक से घर लौट रहे थे।

थाना प्रभारी

रिसियप थाना प्रभारी सुनील कुमार ने कहा दोषी जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत

फारबिसगंज/अररिया। अररिया-फारबिसगंज एनएच-57 पर डोरिया सोनापुर के पास हुए भीषण सड़क दुघर्टना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से अररिया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक रानीगंज प्रखंड क्षेत्र के धामा रूपौली निवासी स्वेज (21) है। घायल डोरिया सोनापुर निवासी इरशाद है। बताया जा रहा है की दो युवक बाइक पर अररिया से फारबिसगंज की ओर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी,जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जिसके बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर दूसरी ओर सर्विस रोड पर चढ़ गई।

फारबिसगंज डीएसपी मुकेश कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर कर आक्रोशित लोगों समझबुझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

मां के सामने बेटे को मार दी गोली, मौत

गोपालगंज। अंडा फार्म में काम कर रहे वर्कर की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना जिले के बरौली थाना क्षेत्र के पिपरहिया गांव की है। मृतक की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के लौकरिया थाना क्षेत्र के पुनई लक्ष्मीपुर गांव निवासी आनंद महतो के 25 वर्षीय बेटे गुड्डू कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि गुड्डू अपने तीन भाई और मां के साथ पिछले छह माह से बरौली थाना क्षेत्र के नवादा गांव निवासी इमरान आजम के अंडा फार्म में काम करता था। काम करने के दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश पहुंचे और सीने में गोली मार दी। जिससे उसकी मौत हो गई।

मानसून के कारण देश के कई हिस्सों में डेंगू का प्रकोप

नई दिल्ली। एक तरफ जहां मानसून ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है, वहीं कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों से डेंगू के बढ़े हुए मामले सामने आए हैं। डॉक्टरों ने सावधानी बरतने की सलाह देते हुए लोगों को समय रहते इसका पता लगाने की जरूरत पर जोर दिया है। डेंगू एक वेक्टर जनित बीमारी है, जो संक्रमित मच्छर के काटने से फैलती है। मच्छर गर्म और नम वातावरण में पनपते हैं और इस बीमारी को जन्म देते हैं। इस बीमारी का प्रकोप 100 से ज्यादा देशों में देखा जाता है। मदरहुड हॉस्पिटल्स बनशंकरी बेंगलुरु में सीनियर कंसल्टेंट और लीड पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी संतोष कुमार ने आईएएनएस को बताया, "बच्चों में पिछले सालों की तुलना में अलग-अलग तरह के डेंगू बुखार होने का जोखिम अधिक है। पारंपरिक रूप से बुखार की बीमारी थोड़े समय के लिए होती है, इसमें उल्टी और पेट में दर्द, भूख में कमी और मांसपेशियों में दर्द होता है। लेकिन इस मौसम में असामान्य ऊपरी श्वसन संक्रमण और गैस्ट्रोएंटेराइटिस वाले बच्चे भी डेंगू पॉजिटिव होते है।" कर्नाटक में डेंगू के 5,374 मामले सामने आए हैं, इनमें से पांच की मौत हुई है। वहीं ,तेलंगाना में 882, ओडिशा में 288, केरल के एनार्कुलम में 400 मामले और आंध्र प्रदेश में डेंगू और मलेरिया दोनों के ही मामले सामने आए हैं।

नेपाल में भारी बारिश से बागमती नदी का बढ़ा जलस्तर

पूर्वी चंपारण। बागमती नदी के जलग्रहण क्षेत्र नेपाल में लगातार दो दिनों से हो रही भारी बारिश से बागमती नदी के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है।फिलवक्त बागमती नदी पूर्वी चंपारण व शिवहर की सीमा क्षेत्र विभिन्न घाटो पर खतरे का निशान 61.28 सेंमी से महज एक सेंमी यानी 60.12 पर बह रही है।

नवादा में चार बच्चे नदी में डूबे, दो की मौत, एक की हालत गंभीर

पटना। बिहार में नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत देउरा गांव में रविवार को तिलैया नदी में नहाने गये चार बच्चे डूब गये। घटना में दो बच्चों की मौत हो गयी जबकि एक की हालत गंभीर बतायी जा रही है। मृतक बच्चों में प्रवीण सिंह का 12 साल का बेटा प्रिंस राज और शिवकुमार चौधरी का 10 वर्षीय बेटा सतीश कुमार उर्फ कारू है जबकि ओम कुमार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उज्जवल कुमार का इलाज गांव में ही किया गया और वह ठीक है। बताया गया है कि पांच बच्चे तिलैया नदी में नहाने गये थे। चार बच्चे नदी में उतरे। नहाने के दौरान गहराई का पता नहीं चला और सभी गहरे पानी में डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख पांचवा बच्चा जोर-जोर से चिलाने लगा, जिसे देख स्थानीय गोताखोरों ने नदी में छलांग लगा दी और कड़ी मशक्त के बाद नदी में डूबे बच्चों को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक दो बच्चों की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया है। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू, गृह मंत्री शाह, बंगाल की सीएम ने संथाल विद्रोह के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। कोलकाता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को हूल दिवस (विद्रोह दिवस) के अवसर पर संथाल विद्रोह के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दिन 1855 में दो संथाल भाइयों सिद्धो मुर्मू और कान्हू मुर्मू ने इस आदिवासी समुदाय से करीब 10 हजार लोगों को इकट्ठा करके अंग्रेजों के खिलाफ एक आंदोलन शुरू किया था। संथाल समुदाय के लोगों को उनकी भूमि से वंचित किये जाने के कारण जो विद्रोह हुआ था, उसे हूल (विद्रोह) कहा गया था। इसलिए परंपरागत रूप से इस दिन को भारत में हूल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

खुद आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, मैं संथाल विद्रोह के सभी अमर सेनानियों को 'हूल दिवस' पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

अन्याय के विरुद्ध ऐतिहासिक युद्ध करने वाले सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो जैसे वीरों और वीरांगनाओं के बलिदान की अमर गाथाएं स्वर्णाक्षरों में अंकित हैं। उन क्रांतिवीरों के आदर्श, हम सभी देशवासियों के लिए, सदैव प्रेरणा-स्रोत बने रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हूल दिवस के अवसर पर सभी जनजातीय वीरों के अमर बलिदान को नमन करता हूं। मातृभूमि, स्वसंस्कृति और जनजातीय अस्मिता की रक्षा के लिए सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव जैसे वीरों व फूलो-झानो जैसी वीरांगनाओं ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन क्रांतिकारियों के शौर्य और त्याग से संथाल परगना जल, जंगल व जमीन के लिए संघर्ष की प्रेरणा बन गई।

महान हूल क्रांतिकारियों की शौर्य गाथा भावी पीढ़ी को मातृभूमि की सेवा करने के लिए प्रेरित करती रहेगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, हूल दिवस के अवसर पर मेरे सभी आदिवासी भाइयों और बहनों को हार्दिक सम्मान।

शासकों के अत्याचार और शोषण के खिलाफ सिद्धो-कान्हू के नेतृत्व में संथालों का संघर्ष हमें अन्याय के खिलाफ सिर उठाने की प्रेरणा देता है। संथाल विद्रोह के इन दो नायकों को सम्मानित करते हुए उनके नाम को राज्य के एक विश्वविद्यालय में शामिल किया है। हूल विद्रोह एक वर्ष तक चला था। इसने ब्रिटिश शासकों को काफी परेशान किया। दोनों भाइयों के नेतृत्व में विद्रोहियों ने जंगलों के भीतर से गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई थी।

आज का राशिफल

मेष यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी।

वृषभ लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मिथुन दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा।

कर्क विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे।

सिंह शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कन्या आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी।

तुला व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

वृश्चिक समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा।

धनु मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

मकर जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग।

कुम्भ कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

मीन अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल रहेगा।

2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाएगी योगी सरकार

एजेंसी। लखनऊ

योगी सरकार वर्ष 2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए वहां संचालित विभिन्न परियोजनाओं में 85 हजार करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। यह बात उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा कराई गई एक स्टडी में सामने आई है। यह स्टडी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई), अहमदाबाद गुजरात ने की है। ईडीआई ने अपनी स्टडी में बताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या का विकास इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन और सौंदर्यीकरण से जुड़े हुए मुख्यतः 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इनमें से बहुत सारे प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं।

कुछ पर अभी काम संचालित है, जिनके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है

27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है विकास

रोड और पार्किंग, रेल लाइन का दोहरीकरण, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट, गुप्तारघाट, मंदिर संग्रहालय, वैक्स संग्रहालय, सांध्य सरोवर, अयोध्या बाजार, 37 धार्मिक स्थलों का पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण, 25 पौराणिक एवं 39 चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, साउंड लाइट शो के साथ वाटर स्पोर्ट्स और सरयू में क्रूज का संचालन, सरयू के घाटों पर 500 प्रीफैब शौचालय की स्थापना, परिक्रमा मार्गों का विकास, विभिन्न मंदिरों का सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास, 140 भाषाओं में मौसम का पूवार्नुमान, सोलर बोट्स का संचालन, 28 भाषाओं में पथ प्रदर्शक बोर्ड, हेलीकॉप्टर की सुविधा, कैफेटेरिया एवं ओपन थियेटर की सुविधाएं, सफाई मित्रों की तैनाती और स्ट्रीट लाइट जैसे अन्य प्रोजेक्ट शामिल हैं।

वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनी हैं परियोजनाएं

ईडीआईआई स्टडी में इस बार की पुष्टि की गई है कि नव्य अयोध्या के विकास के लिए बनी परियोजनाएं विश्वस्तरीय हैं। इसके लिए अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इंटरनेशनल बस स्टेशन का विकास किया जा रहा है। इसमें पहले फेज का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन को देशभर के प्रमुख शहरों के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक मानकों को ध्यान में रखकर उसका पुनर्विकास किया गया है।

भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद की स्टडी में निकलकर सामने आई यह बात

इन 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है विकास

वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनी हैं परियोजनाएं

क्या कहते हैं ईडीआई के महानिदेशक

क्या कहते हैं ईडीआई के महानिदेशक

ईडीआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि अयोध्या में दुनिया की सबसे लंबी सौर स्ट्रीट लाइट परियोजना संचालित है, जिसमें गुप्तारघाट से लक्ष्मण घाट तक 10 कि.मी. के क्षेत्र में 400 से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं।

विपक्ष पर बरसे चिराग पासवान, कहा

आगामी विधानसभा चुनाव में भी बिहार की जनता देगी हमारा साथ

एजेंसी। पटना

लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार को इस बार बिहार की जनता उखाड़ फेंकेगी।

चिराग पासवान ने कहा, इस तरह के दावे पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से किए जाते हैं, लेकिन आखिर में फैसला चुनाव के माध्यम से जनता ही करती है। गत लोकसभा चुनाव में भी विपक्ष ने बहुत तरह के दावे किए थे। विपक्ष ने कहा था कि एनडीए का खाता नहीं खुलेगा।

यह लोग जीरो पर आउट हो जाएंगे, लेकिन हकीकत में परिणाम क्या हुआ? हम लोग अधिकांश सीटों पर जीत का पताका फहराने में सफल रहे। अगर आप मेरी पार्टी की बात करेंगे, तो हम पांच सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रहे और विपक्ष दावा कर रहा था कि हम हाजीपुर में भी हारने जा रहे हैं। राजनीति में इस तरह के दावे

आमतौर पर किए जाते हैं, लेकिन निर्णायक भूमिका जनता की होती है। उन्होंने कहा, मैं आपको बता दूं कि इस बार जनता ने तय कर लिया है कि डबल इंजन की सरकार से ही बिहार का विकास हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से केंद्र के चुनाव में बिहार की जनता ने हम लोगों के पक्ष में मतदान किया, ठीक उसी तरह आगामी विधानसभा चुनाव में भी बिहार की जनता हमारा साथ देगी। हालांकि, हम इस बात को स्वीकार करते हैं कि कुछ सीटों पर हमारा प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, उसके कारणों से हम वाकिफ हैं। उन सीटों पर हुई हार की समीक्षा हो चुकी है। निकट भविष्य में इस तरह का परिणाम न आए, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

न्यूज बॉक्स

सपा नेता के घर में घुस कर दबंग युवकों ने की फायरिंग,पांच घायल

वाराणसी। दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के मीरघाट में रविवार को पूर्व पार्षद सपा नेता विजय यादव के घर में घुस कर दबंग युवकों ने परिजनों को गाली देने के साथ कई चक्र फायरिंग कर दी। इसमें एक महिला सहित पॉच लोग घायल हो गए। फायरिंग की आवाज सुन क्षेत्रीय लोगों को जुटता देख दबंग युवक भाग निकले। सूचना पाते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार सपा नेता विजय यादव के घर के बाहर अपरान्ह में लामबंद होकर जुटे 15-20 युवकों के समूह ने पहले नेता को जमकर गाली दी और घर के बाहर निकलने के लिए ललकारा। यह देख परिवार की महिलाओं ने विरोध किया तो दबंग युवकों ने ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली के छर्रे की चपेट में आकर महिला सहित पांच लोग घायल हो गए। गोली की आवाज और चीखपुकार सुन आसपास के लोग जुट कर बदमाशों को पकड़ने के लिए दौड़े तो बदमाश भाग निकले। इस दौरान क्षेत्रीय युवाओं ने भाग रहे एक हमलावर युवक कल्लू यादव को दौड़ा कर पिस्टल के साथ पकड़ लिया। घायलों को इलाज के लिए मंडलीय अस्पताल में पहुंचाया गया।

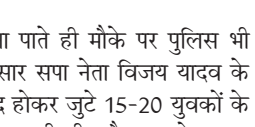

तृणमूल के दो गुटों के बीच झड़प, पांच गिरफ्तार

हावड़ा। हावड़ा जिले के बांकड़ा में रविवार को अतिक्रमण निरोधी अभियान को लेकर तृणमूल के दो गुटों में विवाद हो गया। विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया और दोनों गुटों के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि इस दौरान बमबारी और पथराव किये गये जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना बांकड़ा के शेखपाड़ा इलाके में हुई इस घटना की सूचना मिलने पर डोमजूर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और इस घटना से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। खबर लिखे जाने तक स्थिति नियंत्रित थी। इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए रैफ और केंद्रीय बल के जवानों को तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर इस हफ्ते अतिक्रमण को लेकर कोलकाता में काफी सख्ती देखी गई। इस निर्देश के बाद से ही कोलकाता के बेहला, साल्टलेक, न्यू टाउन, अलीपुर समेत कोलकाता के कई इलाकों में फुटपाथ पर कब्जा करने वालों के खिलाफ बुलडोजर चलाया गया है। इसके अलावा राज्य के विभिन्न जगहों पर यह अभियान चलाये जा रहे हैं, जिसको लेकर हलचल मची हुई है।

देसी कट्टा और कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। वारदात को अंजाम देने पहुंचे अपराधी को पुलिस ने धर दबोचा. घटना जांरगी की है. पियर थाना प्रभारी पंकज कुमार को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के जारंगी स्थित अरविंद चौधरी के आम के बगीचे में दो अपराधी किसी वारदात को अंजाम देने पहुंचे हैं। जिन्हे संदिग्ध परिस्थिति में देखा गया है। सूचना मिलते ही पियर थाना प्रभारी पूरे मामले से अपने वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए उक्त स्थल पर जाकर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही अपराधकर्मी भागने लगे। लेकिन पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। जबकि एक भागने में सफल रहा। पुलिस ने अपराधी की तलाशी ली तो उसके पास से एक देसी कट्टा, कारतूस और कई अन्य चीजों को बरामद किया गया। एसडीपीओ पूर्वी टू मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बीते दिनों पियर थाना क्षेत्र में अपराधियों द्वारा एक दंपति से लूटपाट की कोशिश की थी। ये अपराधी दोबारा पियर थाना क्षेत्र में फिर पहुंचे थे। लेकिन वारदात को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने बोचहा थाना क्षेत्र के अपराधी पवन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पूछताछ के बाद गिरफ्तार अपराधी को जेल भेज दिया गया।

एक लाख रुपये देने का दावा करने वाली कांग्रेस वसूली कर रही : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद। कांग्रेस शासित प्रदेशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गरीबों के बैंक खाते में खटाखट एक लाख रुपये देने का दावा करने वाली कांग्रेस ने उनकी जेब से खटाखट पैसे निकालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित प्रदेशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया गया है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जुमले की सरकार किसकी है। कांग्रेस ने पहले लोगों को गुमराह किया कि उनके खाते में एक लाख रुपये भेजे जाएंगे, लेकिन अब रुपये भेजने की बात तो दूर, सरकार अब उनसे ही वसूली कर रही है। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

पूर्व भारतीय फुटबॉलर भूपिंदर सिंह रावत निधन

सूरत। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने भारत के पूर्व विंगर भूपिंदर सिंह रावत के निधन की पुष्टि की है, जिनका संक्षिप्त बीमारी के बाद शनिवार को निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। रावत के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। 1960 और 1970 के दशक के तेज तर्रार खिलाड़ी, रावत 1969 में मलेशिया में मडेर्का टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सदस्य थे। घरेलू फुटबॉल में, उन्होंने दिल्ली गैरीसन, गोरखा ब्रिगेड और मफतलाल जैसी शीर्ष टीमों के लिए खेला। उन्होंने संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में सर्विसेज और महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। अपनी छोटी कद-काठी के बावजूद प्रतिद्वंद्वी डिफेंस को भेदने की अपनी गति और क्षमता के कारण भीड़ के चहेते रावत को स्टैंड में उनके प्रशंसकों द्वारा स्कूटर उपनाम दिया गया था।

विराट और रोहित का टी20 से संन्यास

एजेंसी। बारबाडोस

टी 20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद विराट कोहली ने टी20 से संन्यास लिया तो उसके कुछ देर बाद ही भारत के लिए आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी टी20 से संन्यास की घोषणा कर दी। हालांकि उन्होंने कहा कि वह वनडे और टेस्ट खेलना पसंद करेंगे। रोहित ने शनिवार को मैच के बाद पत्रकार वार्ता में कहा, यह मेरा भी आखिरी टी20आई मैच था। इस प्रारूप को अलविदा कहने का इससे बेहतर लम्हा नहीं है। मैंने हर लम्हे का लुत्फ लिया है। मेरे करियर की शुरूआत ही इस प्रारूप के साथ हुई थी। मैं बस यही चाहता था, मैं बस इस कप को जीतना चाहता था। उन्होंने कहा, मैं सच में इस कप को जीतना चाहता था। इसको शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह मेरे लिए बहुत भावुक पल है। मैं अपने करियर में सच में इस खिताब को चाहता था। मैं खुश हूं कि हम लाइन को पार कर पाए हैं। रोहित ने इस प्रारूप में अपने करियर का अंत सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के तौर पर किया है, जहां पर उन्होंने 159 मैचों में 4231 रन बनाए हैं और उनके नाम सबसे अधिक पांच टी20 शतक हैं। रोहित ने अपने टी20 करियर में दो आईसीसी टूर्नामेंट जीते। इससे पहले वह 2007 टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे और इस बार बतौर कप्तान उन्होंने यह खिताब जीता है। रोहित के टी20 करियर की बात करें तो उन्होंने 159 मैचों में 32.05 की औसत और 140.89 के स्ट्राइक रेट से 4231 रन बनाए, जिसमें पांच शतक के अलावा 32 अर्धशतक भी शामिल रहे।

रोहित की जोकोविच की हरकत से हुई तुलना

बारबाडोस। खिताब हासिल करने के तुरंत बाद, रोहित ने मैदान को कई बार थपथपाया और बाद में उन्हें केंसिंग्टन ओवल की पिच की मिट्टी खाते हुए भी देखा गया जबकि भारतीय खिलाड़ियों ने मैदान पर अपना जश्न जारी रखा। विंबलडन के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट ने रोहित और नोवाक जोकोविच की समान एक्शन वाली तस्वीरें साझा कीं, जो उनके संबंधित खेलों के दो महान खिलाड़ियों के बीच समानता दशार्ती हैं। नेटिजन्स ने भी रोहित के मिट्टी खाने के जश्न को जोकोविच के समान नोटिस किया, जिन्हें विंबलडन ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद घास खाने की आदत है।

कार्यकाल खत्म होने के बाद द्रविड़ का छलका दर्द

नई दिल्ली। राहुल द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारतीय क्रिकेट टीम पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराया। बतौर खिलाड़ी द्रविड़ कभी विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा नहीं रहे लेकिन कोच के रूप में उन्होंने भारतीय टीम को टी20 में वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। द्रविड़ का बतौर हेड कोच टीम इंडिया के साथ कार्यकाल इस विश्व कप तक ही था। अब वह टीम इंडिया के कोच नहीं रहेंगे। कभी टीम इंडिया की दीवार रहे द्रविड़ वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा बनने पर खुश हैं। हालांकि उन्हें इस बात का दुख है कि वह अगले सप्ताह से बेरोजगार हो जाएंगे। द्रविड़ ने टीम को विश्व चैंपियन बनाने के बाद अपना पहला रिएक्शन दिया है।

तेंदुलकर ने की रोहित व कोहली की सराहना

बारबाडोस। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के गौरव के साथ अपने टी20 करियर को उच्च स्तर पर समाप्त करने के लिए दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा की सराहना की है। ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की जीत के साथ भारत ने अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीतने के तुरंत बाद, कोहली को उनकी 59 गेंदों में 76 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया और उन्होंने कहा कि यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टी20 था। कोहली ने 125 मैचों में 48.69 के औसत और 137.04 के स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाकर, इस प्रारूप में भारत के दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में अपने टी20 करियर का अंत किया।

जो पूरा देश चाहता था हमने कर दिखायाः हार्दिक पांड्या

एजेंसी। बारबाडोस

अहमदाबाद में दिल टूटने के सात महीने बाद ही भारतीय टीम ने बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के बाद टीम के अहम खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। फाइनल में 20 रन पर तीन विकेट लेने वाले भारतीय उपकप्तान हार्दिक पांड्या ने शनिवार को कहा, इसके मायने बहुत अधिक हैं। यह भावुक पल है। हम काफी कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन कई बार चीजें काम नहीं करती। हालांकि, आज ऐसा दिन था जब शायद हम वह पूरा करने में सफल रहे जो पूरे देश को चाहिए था। बहुत सारे लोग समर्थन दे रहे थे। उन्होंने कहा,मेरे लिए यह और भी स्पेशल है क्योंकि मेरे पिछले छह महीने जिस तरह के रहे। ऐसा लगा कि मेरे छह महीने जो गए हैं वो वापस आ गए। मैंने बहुत कंट्रोल किया। जब मुझे रोना था तो मैं नहीं रोया क्योंकि मुझे लोगों को नहीं दिखाना था। जितने भी लोग मेरे कठिन समय में खुश हो रहे थे मुझे उन्हें और खुशी नहीं देनी थी। ऊपर वाले की कृपा से मुझे मौका भी कितना शानदार मिला।

सूर्या को 'फील्डर ऑफ द मैच'

बारबाडोस। 17 साल के लम्बे अंतराल के बाद टी 20 विश्व कप जीतने के उपरांत टीम इंडिया जब अपने ड्रेसिंग रूम में गयी तो फील्डिंग कोच टी दिलीप ने चैंपियंस को 'फील्डर ऑफ द मैच' मैडल के लिए एकत्रित किया। फील्डर ऑफ द मैच समारोह तेजी से सबसे पसंदीदा सेगमेंट में से एक बन गया है और बीसीसीआई की सोशल मीडिया टीम पदक पेश करने के नए तरीके खोजने में काफी रचनात्मक रही है और सबसे खास पुरस्कार देने की जिम्मेदारी इस बार बीसीसीआई सचिव जय शाह को दी गई। यह सम्मान किसी और को नहीं बल्कि सूर्यकुमार यादव को दिया गया, जिन्होंने आखिरी ओवर की फील्डिंग में डेविड मिलर को आउट करने के लिए बाउंड्री पर शानदार कैच लपका।

एक नजर

आंसू तो विरोधी टीम के भी खूब बहे...

नई दिल्ली। जीत के बाद जहां एक ओर टीम इंडिया ही नहीं बल्कि पूरे देश में जश्न का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका की टीम में मातम पसरा हुआ है. ऐसा होना लाजमी भी है क्योंकि अफ्रीकी टीम टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी के बेहद करीब पहुंचने के बाद जीत दर्ज करने से चूक गई. एक वक्त पर साउथ अफ्रीका की टीम को महज 24 गेंदों पर 26 रन की दरकार थी. मैदान पर हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर जैसे बैट्समैन मौजूद थे. फिर भी अफ्रीकी टीम जीत दर्ज नहीं कर पाई. जहां टीम इंडिया के प्लेयर्स अपने परिवार के साथ जीत की खुशी में डूबे नजर आ रहे हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर सामने आ रही तस्वीरों में साउथ अफ्रीका के प्लेयर्स भी अपने परिवारों के साथ गम के साए में नजर आए।

विश्व कप जीतने के एक दिन बाद जडेजा ने भी टी20 से संन्यास लिया

एजेंसी। बारबाडोस

दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर भारत द्वारा 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा की थी , जिसके बाद बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जड़ेजा ने भी घोषणा की है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले रहे हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट के अनुसार, घुटने की चोट के कारण टूर्नामेंट के 2022 संस्करण से चूकने वाले जडेजा ने लिखा कि वह वनडे और टेस्ट में देश का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे। ह्रकृतज्ञता से भरे दिल के साथ, मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहता हूं। गर्व के साथ दौड़ने वाले एक दृढ़ खिलाड़ी की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप जीतना एक सपने के सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय करियर का शिखर। यादों, उत्साह और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद रवींद्रसिंह जड़ेजा। 2009 में श्रीलंका के खिलाफ अपने पदार्पण के बाद से, जडेजा ने भारत के लिए 74 टी20 खेले, जिसमें मैदान पर 28 कैच लेने के अलावा, 21.45 के औसत और 127.16 के स्ट्राइक-रेट से 515 रन बनाए। गेंद से उन्होंने 29.85 की औसत और 7.13 की स्ट्राइक रेट से 54 विकेट लिए।

बॉलिंग के विराट कोहली हैं जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली। टीम इंडिया के साथ ही पूरा भारतवर्ष इस समय जश्न में डूबा हुआ है. खुशियां मनाएं भी क्यों नहीं... भारत ने 17 साल के बाद टी20 वर्ल्ड कप पर कब्जा जमाया है. टीम इंडिया ने अविजित रहते हुए विश्व कप अपने नाम किया है. साल 2007 में टीम इंडिया लिजेंड्री महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप की विजेता रही थी. आईसीसी ट्रॉफियों के फाइनल में लगातार हार के बाद आखिरकार यह उपलब्धि भारत के नाम आई है. कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के साथ ही भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी हर तरफ चर्चा हो रही है. पाकिस्तानी क्रिकेट के दिग्गज भी बुमराह के मुरीद हो गए हैं. उन्होंने तो जसप्रीत बुमराह को बॉलिंग का विराट कोहली करार दे दिया है. पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर में शुमार शोएब मलिक ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ की है।

बिना कोई मैच गंवाए पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाला पहला देश बना भारत

एजेंसी। बारबाडोस

भारत ने टी 20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। दूसरी बार भारत को यह खिताब दिलाने में कई खिलाड़ियों के योगदान रहे। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने विराट कोहली (76) और अक्षर पटेल (47) की बदौलत 176/7 का स्कोर बनाया था। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिक क्लासेन (27 गेंद, 52 रन) के दम पर मैच को लगभग अपने मुट्ठी में कर ही लिया था। हालांकि, 30 गेंदों में 30 रनों की जरूरत होने पर भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी की और मैच को अपने नाम कर लिया। आइए एक नजर डालते हैं इस मैच में बने बड़े रिकॉर्ड्स पर। भारत पूरे टूर्नामेंट में बिना कोई मैच गंवाए टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बना है। भारत ने टूर्नामेंट में खेले सभी आठ मैच जीते और उनका ग्रुप चरण में कनाडा के खिलाफ मैच बारिश से धुल गया था। भारत टी20 विश्व कप दूसरी बार जीतने वाली तीसरी टीम बन चुका है। वेस्टइंडीज ने यह कारनामा सबसे पहले किया था और फिर इंग्लैंड ने भी इसे दोहराया था। नौ खिलाड़ी दो टी20 विश्व कप फाइनल जीत का हिस्सा रह चुके हैं - रोहित इस लिस्ट में शनिवार को शामिल हुए। डैरेन सैमी, मार्लोन सैमुअल्स, क्रिस गेल, जॉनसन चार्ल्स, ड्वेन ब्रावो, सैमुअल बद्री, आंद्रे रसेल और दिनेश रामदीन दो टी20 विश्व कप फाइनल जीत का हिस्सा रह चुके हैं।

भारत टी20 विश्व कप दूसरी बार जीतने वाली तीसरी टीम बन चुका है

झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष बने दीपक अग्रवाल

रांची। झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की विशेष वार्षिक आम बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। इस बैठक में झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन वर्ष 2024-27 के लिए कार्यकारणी सदस्यों की घोषणा की गई। चुनाव पदाधिकारी झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शिवेंदु दुबे ने नई टीम की घोषणा की। स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल (रांची) बनाए गए है। इसके अलावा संगठन के उपाध्यक्ष स्मिता आनंद(गोड्डा), सीडी सिंह (रामगढ़) और आशीष झा (देवघर), महासचिव वरुण कुमार (दुमका), कोषाध्यक्ष विपुल कुमार (सिमडेगा), संयुक्त सचिव सरोज कुमार यादव (जामताड़ा), आशीष बनर्जी (राँची), कार्यकारणी सदस्यों में एनएन मल्लिक (जमशेदपुर), अभिषेक कुमार पांडेय (धनबाद), मुकेश कुमार (गिरिडीह), अमित पाठक (हजारीबाग) को चुना गया है।

व्यापार/लाइफ व साइंस

टी20 के फाइनल में 40% बढ़ गई क्विक कॉमर्स की बिक्री : रिपोर्ट

नई दिल्ली। फिनटेक स्टार्टअप 'सिंपल' ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि क्रिकेट वर्ल्डकप टी20 फाइनल के आसपास उसके प्लेटफॉर्म पर कंज्यूमर खर्च में 40 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला। 'सिंपल' की फाउंडर और सीईओ नित्या शर्मा ने कहा कि टी20 वर्ल्डकप के दौरान भारतीयों ने खुलकर अपनी क्रिकेट टीम का समर्थन किया। यह उनके ऑनलाइन खर्चों में देखने को मिला। पिछले 50 ओवर के वर्ल्डकप फाइनल के मुकाबले इस टी20 वर्ल्डकप फाइनल में क्विक कॉमर्स पर खरीदारी में 40 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। उन्होंने आगे कहा कि मैच के दौरान रात 8 से 11 बजे के बीच लोगों ने लगातार क्विक कॉमर्स के जरिए खरीदारी की।

कमाई का मौका! हर शेयर पर मिलेगा 685 रुपये डिविडेंड

नई दिल्ली। डिविडेंड देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर है. अगले सप्ताह कई कंपनियों के डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट है. इन कंपनियों में सबसे ज्यादा डिविडेंड का ऐलान 3एम इंडिया लिमिटेड ने किया है। 3एम इंडिया लिमिटेड ने एक शेयर पर 160 रुपये का फाइनल डिविडेंड के साथ ही हर शेयर पर 525 रुपये का स्पेशल डिविडेंड भी मिलेगा. इस तरह कुल मिलाकर 685 रुपये का कुल डिविडेंड मिलेगा. शेयर बाजार में 5 जुलाई को एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी।

सोने में आने वाला है तेजी का बवंडर

जल्द 1,00,000 रुपये तोला पहुंच सकते हैं दाम

एजेंसी। नई दिल्ली

अगर घर में सोना रखा हो तो आदमी चैन की नींद सो सकता है। आपने बुजुर्गों से यह कहावत जरूर सुनी होगी। लेकिन शादी-ब्याह के लिये जेवर खरीदने जाने वालों का चैन छिन गया है। दाम हैं कि रुकने का नाम ही नहीं ले रहे। शादियों में जेवर के लिये बजट दिनों-दिन बढ़ाना पड़ रहा है। इस समय 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 72,550 रुपये प्रति 10 ग्राम है। यानी 84,535 रुपये प्रति तोला। एक तोले में 11.6638 ग्राम होता है। कीमतें जिस तरह से बढ़ रही हैं, उससे वह दिन दूर नहीं रह गया है, जब आपको 1 तोला सोने के लिए 1 लाख रुपये खर्च करने पड़ेंगे। आइए जानते हैं कि वे क्या कारण हैं, जिससे आने वाले समय में सोने की कीमतें रॉकेट बन सकती हैं।

रिटर्न है दमदार

पिछले रिटर्न की बात करें, अक्टूबर 2023 से लेकर अब तक यानी सिर्फ 8 महीने में सोना 35 फीसदी रिटर्न दे चुका है। फरवरी के मध्य से अब तक यह करीब 22 फीसदी रिटर्न दे चुका है। अधिकर कमोडिटी एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले समय में सोने में काफी बड़ी तेजी देखने को मिलेगी। कुछ लोग यह भी कह रहे कि 24 कैरेट सोने के भाव धनतेरस तक 1 लाख रुपये तोला पहुंच जाएंगे।

सोने में क्यों आ सकती है बड़ी तेजी

दुनिया की दिग्गज कमोडिटी रिसर्च फर्म जीएससी कमोडिटी एंटेलिजेंस ने 250 फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस का एक सर्वे किया है। इस सर्वे से यह निकल कर आया कि दुनिया में कर्ज बहुत बढ़ गया है। कोरोना महामारी के बाद इकोनॉमी में डिमांड बढ़ाने के लिए देशों ने खूब नोट छापे, लोगों को बेहद कम रेट पर पैसा दिया। इससे कर्ज काफी बढ़ गया। इस समय दुनिया के देशों पर करीब 310 लाख करोड़ डॉलर का कर्ज है।

पेंशनभोगियों के लिए लांच होगा विशेष अभियान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से पारिवारिक पेंशनभोगियों की शिकायत निवारण के लिए विशेष अभियान सोमवार को लॉन्च किया जाएगा। इस विशेष अभियान की शुरूआत कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह करेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) अपनी 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत 1-31 जुलाई, 2024 के दौरान पारिवारिक पेंशनभोगियों की शिकायतों के प्रभावी निवारण के लिए एक महीने का विशेष अभियान चलाएगा। इसमें 46 मंत्रालय/विभाग भाग ले रहे हैं। इस अभियान के तहत सरकार का उद्देश्य लंबित पारिवारिक पेंशन की शिकायतों में कमी लाना है।

निर्यातकों के संगठन की उद्योग मंत्री से मांग

सभी को मिलें आईइएस के फायदे

एजेंसी। नई दिल्ली

निर्यातकों के एक संगठन ने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर ब्याज समानीकरण योजना को केवल दो महीने के लिए और केवल एमएसएमई के लिए बढ़ाए जाने पर चिंता जताई है। फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा कि इस योजना से अब तक न केवल सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम को लाभ मिला है, बल्कि व्यापारी निर्यातकों और बड़ी विनिर्माण कंपनियों को भी 410 टैरिफ लाइनों के लिए दो प्रतिशत की कम दर पर लाभ मिला है, जिसमें श्रम-गहन उत्पाद शामिल हैं।

योजना में मिलता है एक्सपोर्ट लोन

जून तक वैध वर्तमान योजना, निर्यात से पहले और बाद में रुपए में निर्यात ऋण उपलब्ध कराती है, निर्दिष्ट 410 निर्यात वस्तुओं से संबंधित विनिर्माताओं और व्यापारिक निर्यातकों के लिए दो प्रतिशत ब्याज समतुल्यता दर प्रदान करती है तथा इनमें से किसी भी वस्तु के अंतर्गत निर्यात करने वाले एमएसएमई विनिर्माताओं के लिए तीन प्रतिशत की उच्च दर प्रदान करती है।

पैसा रखें तैयार, अगले सप्ताह तीन आईपीओ में निवेश का मिलेगा मौका

एजेंसी। नई दिल्ली

साल 2024 में आईपीओ मार्केट में बहार है. ऐसा शायद ही कोई सप्ताह गया हो, जिसमें कोई आईपीओ लॉन्च न हुआ हो. अगले सप्ताह भी आपको तीन आईपीओ में पैसा लगाने का मौका मिलेगा. नए कारोबारी सप्ताह में दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट जबकि एक एसएमई सेगमेंट का खुलने जा रहा है. एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स, बंसल वायर और अंबे लैबोरेटरीज पब्लिक इश्यू के जरिए कंपनियां 2700 करोड़ रुपये बाजार से जुटाने की कोशिश करेगी।

3 को खुलेगा एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स आईपीओ

एमक्योर फार्मास्यूटिकलस का प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव 3 जुलाई को खुलेगा. निवेशक इसमें 5 जुलाई तक बोली लगा सकते हैं. इश्यू का प्राइस बैंड 960 रुपये से 1008 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

बंसल वायर आईपीओ

बंसल वायर का आईपीओ भी 3 जुलाई को खुलेगा और 5 जुलाई को बंद होगा. कंपनी इस इश्यू के जरिए 745 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है. इश्यू का 35% हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए आरक्षित है. कंपनी ने इश्यू के लिए प्राइस बैंड 243 रुपये से 256 रुपये प्रति शेयर तय किया है. निवेशक कम से कम 58 शेयरों के लिए अपनी बोली लगा सकते हैं. कंपनी इश्यू से प्राप्त धन का उपयोग अपने कर्ज को चुकाने के लिए करेगी।

जून तिमाही में सबसे अधिक बढ़ा भारतीय शेयर मार्केट

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 की जून तिमाही भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी शानदार रही। इस अवधि में भारतीय शेयर बाजार के पूंजीकरण में 13.8 प्रतिशत (डॉलर में) की वृद्धि हुई है, जो कि दुनिया के शीर्ष 10 बाजारों में सबसे अधिक थी। मौजूदा समय में भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का है और यह दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार है। अप्रैल से जून के बीच दुनिया के सबसे बड़े शेयर बाजार अमेरिका के बाजार मूल्यांकन में 2.75 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और यह करीब 56 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

जुलाई में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक

एजेंसी। नई दिल्ली

आज से चार दिन बाद नया महीना जुलाई शुरू हो जाएगा. अगले महीने में अगर आपका इरादा भी बैंक जाकर कोई जरूरी काम निपटाने का है तो पहले जुलाई का बैंक छुट्टियों का केलैंडर जरूर चेक कर लें. हर महीने की तरह जुलाई में भी कई दिन बैंकों की छुट्टियां रहने वाली हैं. अगले महीने साप्ताहिक छुट्टियों और अन्य अवकाशों को मिलाकर कुल 12 दिन बैंक बंद रहेंगे. अगर अगले महीने यानी जुलाई में किसी काम से बैंक है तो बैंक जाने से पहले छुट्टियों की लिस्ट जरूर देख लें. कहीं ऐसा न हो आप उस दिन घर से निकल जाएं जिस दिन बैंक की छुट्टी हो. रिजर्व बैंक हर कैलेंडर वर्ष में बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी करता है. यहां यह जान लेना जरूरी है कि पूरे देश के बैंक जुलाई में 12 दिन बंद नहीं रहेंगे. हॉलीडे लिस्ट में से कई अवकाश राष्ट्रीय स्तर के हैं. उस दिन पूरे देश में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं, कुछ अवकाश स्थानीय या क्षेत्रीय स्तर के होते हैं. उन दिनों को केवल उससे जुड़े राज्यों में ही बैंक शाखाएं बंद होती हैं. इसलिए यह जरूरी नहीं है कि जिस दिन हिमाचल में बैंक बंद हो उस दिन गुजरात में भी बैंको में कामकाज न हो।

इस हफ्ते खुलेंगे 2,700 करोड़ रुपये के आईपीओ

मुंबई। आईपीओ बाजार में तेजी बनी हुई है। एक के बाद एक कंपनियां अपना आईपीओ लेकर आ रही हैं। इस हफ्ते मेनबोर्ड कैटेगरी में एमक्योर फार्मास्युटिकल्स और बंसल वायर इंडस्ट्रीज का इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) आ रहा है। एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ 3 जुलाई को आम जनता के लिए खुलेगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 1,952 करोड़ रुपये जुटाएगी। यह आईपीओ फ्रेश इश्यू और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का मिश्रण होगा। इस आईपीओ में 800 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 1,152 करोड़ रुपये ओएफएस होगा।

एक नजर

मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा में 220 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

हुसैनाबाद। विभागीय निर्देश पर रविवार को हुसैनाबाद के स्तरोन्नत उच्च विद्यालय कामगारपुर में मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा-2024 ली गयी। परीक्षा में 380 परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। जबकि 220 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जबकि 600 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा था। इस परीक्षा के दौरान हुसैनाबाद प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी नरेश राम ने परीक्षा भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्राधीक्षक व वीक्षकों को कई निर्देश दिया। इस दौरान केंद्राधीक्षक विश्वजीत कुमार चौबे, वीक्षक भंवर सिंह, अंगद प्रसाद, कुमारी अलका, रमेश कुमार आदि सक्रिय रहे।

किशुनपुर हाई स्कूल में मेधा छात्रवृत्ति की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

पाटन। किशुनपुर में राजकीय कृति हीरानंद लक्ष्मी उच्च विद्यालय में झारखंड मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा शांतिपूर्ण कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न की गई। स्कूल के प्राचार्य अनिता कुमारी की ने बताया कि इस स्कूल में 650 विद्यार्थी को मेधा छात्रवृत्ति का परीक्षा देने के लिए स्कूल में केंद्र बनाया गया था। जिसमें 320 परीक्षा में परीक्षार्थी शामिल हुए। 33 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कहा कि मजिस्ट्रेट के उपस्थिति में परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न कर दी गई। पाटन प्रखंड में कुल 2265 मेधा छात्रवृत्ति का परीक्षा के लिए केंद्र बनाए गए थे।

पारा शिक्षकों ने निकाला मशाल जुलूस

सतबरवा। प्रखंड में पारा शिक्षकों द्वारा मसाल जुलूस निकालकर झारखंड के सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। जुलूस बी आर सी भवन के प्रांगण में बैठक कर जुलूस शुरू होकर मेला टांड़ में खत्म हो गया। पारा शिक्षकों टायर जलाकर मशाल जुलूस निकालकर एक समान नीति एक बेतन मान दिया जाए आदि नारों के साथ मांग कर रहे थे। इस मशाल जुलूस में दर्जनों पारा शिक्षक मौजूद थे।

पूजा-अर्चना के साथ हूल दिवस का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अदि कुरुख सरना समाज जिला इकाई पलामू के तत्वावधान में 13वां हूल दिवस का आयोजन किया गया। हूल दिवस समारोह की अध्यक्षता जिला सचिव शंकर उरांव एवं संचालन धुमकुड़िया पोखरहा कला की छात्रा पूनम उरांव ने किया। हूल दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में श्याम लाल उरांव जिला संयोजक एवं विशिष्ठ अतिथि सतीश कुमार उरांव, समाज कल्याण लातेहार के बड़ा बाबू उपस्थित हुए। हूल दिवस समारोह की शुरूवात पाहन मुखदेव उरांव, अरुण उरांव के द्वारा सरना विधि से सिद्ध, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो एवं झानो के चित्र के समीप पूजा अर्चना किया गया। माल्यार्पण करने के पश्चात 'आना आदि' प्रार्थना से किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि के द्वारा कड़सा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत प्रारंभ किया गया। धुमकुड़िया टीम के बच्चियों के द्वारा कुडुख में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सभा को संबोधित करते हुए

मुख्य अतिथि सह जिला संयोजक श्याम लाल उरांव ने कहा कि 169 वर्ष पहले 6 भाई बहनों ने जल, जंगल और जमीन और अपनी भाषा, संस्कृति तथा सरना धर्म के लिए 30 जून 1855 को भोगना डीह वर्तमान साहेबगंज के वरहेट ब्लॉक में 400 गांवों के आदिवासियों को एकत्रित कर अपनी मिट्टी को मुक्त करने के लिए 50 हजार जनजातीय सेना को तैयार कर अंग्रेजों को देश से तड़ी पार करने का संकल्प करवाया। पूरे झारखण्ड में अंग्रेजी सेना और सिद्धू कान्हु सेना के बीच युद्ध छिड़ गया। जिस वक्त पूरे भारत में अंग्रेजों के विरोध आवाज उठाने से डरते थे। उसी समय हमारे पूर्वजों ने अपनी पारंपरिक हथियारों से युद्ध किया और वीर गति को प्राप्त किया। सभा में विचार व्यक्त करते हुए सतीश कुमार उरांव ने कहा कि हम सबों को शिक्षा की ओर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। हूल दिवस समारोह को अनिता भगत, सरिताउरांव, सत्यनारायण उरांव, सूरज उरांव, सीता राम उरांव आदि ने संबोधित किया। इस समारोह में सबिता, मुखदेव उरांव, ओमप्रकाश उरांव, पार्वती, मनिता उरांव, अंशु उरांव, बसंती उरांव, वीरेंद्र उरांव, धर्मेंद्र उरांव, सीतामणी, शीला, उषा, सीमा, ज्योति, शाही उरांव, सरीमा, सिमटी, अंकित, दीपक, लखन उरांव पाहन, कार्तिक, क्रान्ति,अजय उरांव आदि उपस्थित हुए।

अधेड़ की सड़क दुर्घटना में मौत, शोक

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्थानीय पंचायत के टोला गोला पत्थर निवासी शंभू रजवार (50) की खलारी में गुरुवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। शुक्रवार की शाम उनका दाहसंस्कार पैतृक गांव के श्मशान में किया गया। उनके असामयिक मौत से गांव और परिवार में शोक का माहौल कायम हो गया है। वे खलारी में पिछले कई वर्षों से रहकर वाहन चलाने का काम करते थे। घटना उस समय घटी, जब वे सड़क क्रॉस कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से सड़क पर गिर पड़े और सिर में गंभीर चोट लगने से दुर्घटना स्थल पर ही उनकी मौत हो गई थी। रांची में पोस्टमार्टम के बाद उनका शव घर लाया गया। इसे देख पत्नी बेसुध हो गई। अन्य परिजनों में कोहराम मच गया। मौत से परिवार पर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा है। पूर्व उपमुखिया सिद्धार्थ कुमार ने परिवार से मिलकर शोक जताया। उन्होंने हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया। मुखिया प्रतिनिधि रौशन कुमार ने भी इस घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए हर मदद करने की बात कही। पंसस प्रतिनिधि युवा समाजसेवी सुशील कुमार मेहता ने भी शोक व्यक्त करते हुए हर परिस्थिति में मदद के लिए परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले जिप उपाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला परिषद उपाध्यक्ष सह जेएमएम के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने पर उनके रांची स्थित आवास पर मिले। उन्हें बुके देकर बधाई दी। अपनी प्रतिक्रिया में आलोक कुमार सिंह उर्फ टूटू सिंह ने कहा कि संविधान, सच्चाई व हेमंत सोरेन के संघर्षों की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग करने की साजिश नाकाम हुई है। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बेल देकर जो टिप्पणी की है, वह भाजपाइयों को कठघरे में खड़ा कर दिया है। हेमंत सोरेन को बेल मिलने के साथ कोर्ट की टिप्पणी उन्हें बेदाग साबित करती है। इससे झारखंड

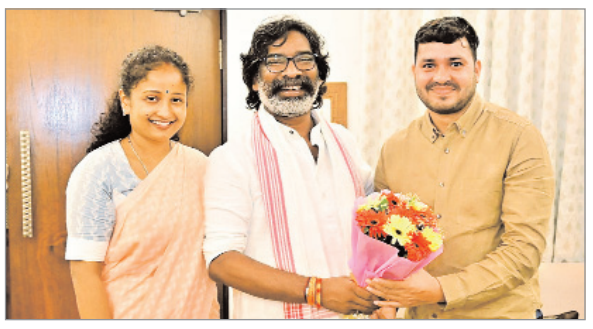

वासियों व झामुमो के नेताओं कार्यकर्ताओं में नया जोश भर गया है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। लोकसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने षड्यंत्र का जाल बिछाया था, झारखंड की जनता ने भाजपा की इस कुटिल चाल को समझ कर उन्हें जवाब देने का काम किया है। कोर्ट ने भी सत्य का साथ दिया है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन को विश्वास दिलाया की जहां भी उनकी आवश्यकता होगी, पार्टी को आगे बढ़ाने में वह अपनी पूरी शक्ति लगा देंगे। उन्होंने कहा कि पलामू समेत सम्पूर्ण राज्य में अपने नेता के मार्गदर्शन में वह पार्टी के लिए कार्य करने को तैयार हैं।

दोनों ओर वाहनों की लगी लंबी कतारें, आवागमन ठप

ट्रेलर ने अधेड़ को रौंदा, घटनास्थल पर मौत

नवीन मेल संवाददाता

नावा बाजार। एनएच 75 पिपरा गांव स्थित विशाल ढाबा के निकट सड़क दुर्घटना में एक रविवार की देर रात अधेड़ की मौत हो गई। मृतक का नाम रामजी भुइयां बताया जाता है। स्थानीय लोगों द्वारा एनएच 75 सड़क को जाम कर दिया गया है। सड़क के दोनों किनारे वाहनों की लंबी कतारें खड़ी है। घटना की जानकारी मिलते ही विश्रामपुर व नौगढ़ा ओपी घटना स्थल पर पहुंच कर मृतक रामजी भुइयां के शव को अपने कब्जे में लेकर लोगों से सड़क पर लगी जाम को हटाने की बातचीत कर रही है। सड़क दुर्घटना में मौत की सूचना मिलते हीं परिवार के सदस्य सहित गांव के लोग दौड़े स्थल पर पहुंच गए। रोते बिलखते

जानकारी के अनुसार मृतक रामजी भुइयां एनएच 75 सड़क किनारे खड़े थे। इसी बीच पंड़वा मोड़ से गढ़वा की ओर जा रही एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े रामजी को ठोकर मार दी। जिसमें घटना स्थल पर हीं मौत हो गई।

परिवार सहित गांव के लोगों ने आवागमन को ठप कर दिया। सड़क के दोनों किनारे वाहनों की लंबी कतार लगी है। विश्रामपुर प्रदीप शर्मा व नौगढ़ा ओपी अनील कुमार यादव द्वारा लोगों को समझाते हुए जाम हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

पहल

रेल परिचालन क्षमता में हुई वृद्धि

काजरात नावाडीह स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का शुभारंभ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व मध्य रेल के डीडीयू रेल मंडल रिकॉर्ड अवसंरचना का विकास, उन्नयन व आधुनिकीकरण जैसे कार्य करते हुए सुचारू रेल परिचालन एवं परिचालन क्षमता में वृद्धि का भी निरंतर कार्य कर रहा है। इसी उन्नयन के क्रम में काजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन पर आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की स्थापना की गई। जिसका शुभारंभ डीडीयू रेल मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार की उपस्थिति में किया गया। नए सिस्टम के साथ रेल परिचालन का शुभारंभ भी किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक दिलीप कुमार ने कहा कि संकेत एवं दूरसंचार विभाग, परिचालन, इंजीनियरिंग, कर्षण, इलेक्ट्रिकल, एबीएल, आरबीएनएल के सैकड़ों रेलकर्मियों की कठिन श्रम और कड़ी मेहनत

के बदौलत मलटी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर, हैसडैग, भीडीयू जैसे कई नयी तकनीक से स्टेशन को लैस कर दिया गया है। नयी तकनीक से लैस इस स्टेशन को 80 रूट क्षमता के साथ सोननगर से मोहम्मदगंज स्टेशन के साथ तिसरी लाईन की सुविधा से भी लैस किया गया है। भीडीयू, एमएसडैक जैसे अनेकों अत्याधुनिक सिगनलिंग संबंधी सुविधाओं से युक्त इस स्टेशन पर 5 लाइन की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई है। जिससे ट्रेनो के परिचालन में असुविधा न हो। कजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन पर अप डाउन, रिभरशेबल और 2 लूप लाइन बनाई गई है।

वहीं जपला में 127 एवं नवीनगर स्टेशन पर 155 रूट की भी व्यवस्था की गई है। भारतीय रेल के अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) के अद्यतन दिशा-निदेर्शों के अनुरूप विभिन्न उन्नत सिग्नल सिस्टम से युक्त इस स्टेशन से होकर ट्रेनों का आवागमन और भी सुगम तथा सुचारू ढंग से होगा। साथ ही संरक्षा में भी बढ़ोतरी होगी। रेलवे स्टेशन पर स्थापित किया गया। अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम समग्र रूप से रेल परिचालन क्षमता वृद्धि में और सहायक होगा। जिससे ट्रेन की आवृति और गति दोनों में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान एडीआरएम के साथ सीनियर डीएसटीई राजेश कुमार कुशवाहा, सीनियर डीईई इंदु प्रकाश, सीनियर डीएसओ अरविंद कुमार, डीओएम धीरज कुमार, आरबीएनएल के महाप्रबंधक एस एस मित्रा, सीनियर डीजीएम मनोज कुमार सिंह, प्रभात कुमार द्विवेदी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा स्थायी करने की मांग को लेकर मनरेगा कर्मी मुख्यमंत्री आवास का करेंगे घेराव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सेवा स्थायी की मांग को लेकर झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ अगामी मंगलवार को रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित बापू उद्यान में राष्ट्रपित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वहां से राजभवन तक पैदल मार्च करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। यह निर्णय रविवार को स्थानीय कचहरी परिसर स्थित ताईद शेड में बैठक में आयोजित बैठक में लिया गया। मौके पर जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संविदा-संवाद एवं रात्रि चौपाल के माध्यम से मनरेगा कर्मियों की सेवा स्थायी करने, वेतनमान देने का वादा किया था। सरकार बनने के बाद कई बार उन्हें अपनी मांग से अवगत कराया गया। वर्तमान मुख्यमंत्री को भी तीन बार भेंट कर, मनरेगा कर्मियों की समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन चार साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मनरेगा कर्मियों की मांग पूरी नहीं हुई। केवल निराशा हाथ लगी है। मांगे पूरा नहीं होने पर राज्य में मनरेगा का काम ठप कर दिया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष, नारद यादव ने कहा कि मनरेगा कर्मी चाहे कितना भी ईमानदारी और निष्ठा से काम करें। परिवार, समाज, जनता, सरकार, अधिकारी किसी को संतुष्ट नहीं कर पाते हैं। ग्रामीण इलाकों में सरकार के सोच के समानांतर योजनाओं को धरातल पर उतरने के लिए रात-दिन मौसम व तबीयत की परवाह किए बिना मशीन की तरह काम करते हैं। पद, प्रतिष्ठा को सरकारी कर्मियों के मुकाबले कमतर समझते जाता है। समय पर पैसा नहीं मिलने के कारण परिवार चलाने में परेशानी होती है। जिला कोषाध्यक्ष, दीपक तिवारी ने कहा सड़क दुर्घटना में अपाहिज या मृत्यु होने पर इलाज के अभाव में दम तोड़ने अथवा गरीबी से तंग आकर आत्महत्या कर लेने के बाद मनरेगा कर्मी का परिवार अनाथ हो जाता है। सरकार की ओर से परिवार को कोई सुविधा नहीं दिया जाता है। एक ओर सरकारी कर्मियों को इलाज के लिए पैसे। मृत्यु होने पर मुआवजा तथा अनुकंपा की सुविधा दी जाती है। मनरेगा कर्मियों को इन गभी सुविधाओं से वंचित रखा गया है। इसलिए मनरेगा कर्मी स्थाईकरण की मांग कर रहे हैं ताकि सरकारी कर्मियों की तरह सभी प्रकार की सुविधा उन्हें मिले। बैठक में मणीशंकर मिश्रा, दिनेश कुमार, विनय राम, अबोक कुमार, राहुल कुमार सोनी, सहित अन्य मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

कोयल नहर से छोड़ा गया पानी, किसानों में खुशी

हुसैनाबाद। भाजपा के प्रदेश कार्यसम्मति सदस्य व वरिष्ठ नेता विनोद कुमार सिंह ने उत्तर कोयल परियोजना के चीफ इंजीनियर से बात कर किसानों की समस्या से अवगत कराया और जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि उतर कोयल नहर से मोहम्मदगंज, हैदरनगर, हुसैनाबाद के सैकड़ों गांवों के किसान अपने खेतों में सिंचाई का लाभ लेते हैं। अगर समय से पानी नहीं दिया गया तो किसान सिंचाई करने से वंचित रह जाएंगे। साथ ही हमलोगों का अधिकतर इलाका नहर के पानी पर ही निर्भर है। भाजपा नेता विनोद कुमार सिंह मोहम्मदगंज के भीम बराज पर कार्यपालक पदाधिकारी से मिलकर धन्यवाद दिया। अब सभी क्षेत्रों में जल्द ही पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होगा। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि उतर कोयल नदी में पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे उतर कोयल नहर से किसानों को पानी पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

पेज एक का शेष

वीर शहीदों से प्रेरणा...

बदल रहा झारखंड, प्रगति की राह पर बढ़ रहा आगेः मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में झारखंड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा अभियान के दौरान लाखों आवेदन हमें मिले। इन आवेदनों के माध्यम से हमें जनता की विभिन्न समस्याओं की पूरी गहराई से जानकारी मिली। लोगों की समस्याओं के आधार पर ही हम योजनाओं को बना रहे हैं, ताकि इसका लाभ हर किसी को मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड तभी आगे बढ़ेगा जब यहां की आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। आदिवासियों-मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहे हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं।

खनिज संसाधनों पर आदिवासियों-मूलवासियों का पहला अधिकारः मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है। इस लिहाज से झारखंड काफी धनी है लेकिन यहां के लोग आज भी गरीब हैं। यहां के खनिज संसाधनों से दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं लेकिन झारखंड पिछड़ा राज्य में ही गिना जाता है। अब इसमें बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि झारखंड को विकसित राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग, खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं। आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

संताल में 45 से...

शेष समुदाय की आबादी 43 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत ही हुई। उन्होंने कहा कि संताल परगना के साहेबगंज और पाकुड़ जिला की स्थिति तो बद से बदतर होती जा रही। जनजातियों के जल जंगल जमीन की सुरक्षा के कानून तो मौजूद हैं लेकिन उनका अस्तित्व पूरी तरह खतरे में है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग किया कि इसकी जमीनी स्तर पर गहराई से जांच होनी चाहिए। साथ ही राज्य सरकार से इस संबध में एसआईटी गठित करने की मांग की।

देश के 30वें सेना...

उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में नियुक्त किया गया था। उन्होंने ऑपरेशन रक्षक के दौरान चौकीबल में एक बटालियन की कमान संभाली थी, जो ऑपरेशन राइनो के दौरान मणिपुर में असम राइफल्स का एक सेक्टर था। उन्होंने असम में इंस्पेक्टर जनरल, असम राइफल्स के रूप में भी कार्य किया है। वह भारतीय सैन्य अकादमी में एक प्रशिक्षक के रूप में तैनात रहे हैं। वह सेशेल्स सरकार में सैन्य अताशे और पैदल सेना के महानिदेशक के रूप में तैनात रहे हैं। उन्हें फरवरी, 2020 में क कोर का कमांडर और अप्रैल, 2021 में सेना स्टाफ (सूचना प्रणाली और समन्वय) के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है, तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते चरित्र के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां अधिक स्पष्ट होती जा रही हैं। इसलिए उभरते राष्ट्र के लिए सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए परिचालन तैयारियां सीओएएस के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र के रूप में प्रमुखता से सामने आएंगी। इसके साथ ही असंख्य गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के लिए एक केंद्रित प्रतिक्रिया रणनीति भी राष्ट्र की रक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक प्राथमिकता होगी। जनरल द्विवेदी अपने साथ अप्रत्याशित रूप से प्रभावी ढंग से योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने का एक समृद्ध अनुभव और सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं। जनरल अधिकारी को सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ है और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सैन्य प्रणालियों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग और एकीकरण करने का एक विचारशील दृष्टिकोण है। यह दृष्टि भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपने आधुनिकीकरण और क्षमता विकास की जरूरतों को पूरा करने के चल रहे प्रयास के अनुरूप है। वह सेना में विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देने और जूनियर अधिकारियों के सशक्तिकरण पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

गिरिडीह में 5.5 करोड़...

लेकिन इससे पहले ही मानसून की बारिश में इसका एक बड़ा हिस्सा गिर जरूर गया। पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता विनय कुमार ने रविवार को बताया कि ये उनके कार्यकाल से पहले की योजना है। ठेकेदार की भारी लापरवाही के कारण पुल का एक स्पेन धंस कर गिरा। इस मामले में वे ठेकेदार पर कार्रवाई के लिए लिखेंगे। पुल गिरने के कारण ही अब गिरिडीह और जमुई जाने के रास्ते का रहा-सहा कसर भी खत्म हो गया। स्थानीय लोग रविवार को जब लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तो देखा की पुल का हिस्सा गिरा पड़ा है। लोगों ने इसकी जानकारी मुखिया को दी। उल्लेखनीय है कि फतेहपुर से भेलवाघाती को जोड़ने वाले इस पुल और सड़क का शिलान्यास पांच साल पहले किया गया था। कंस्ट्रक्शन एजेंसी पांच साल में पूरा काम तक नहीं करा पाई है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट

Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

केदारनाथ धाम के सुमेरु पर्वत की पहाड़ी पर आया एवलांच, कोई नुकसान नहीं

एजेंसी। रुद्रप्रयाग

केदारनाथ धाम मंदिर के पीछे की पहाड़ियों में एक बार फिर से एवलांच आया है। हालांकि इस एवलांच से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बफीर्ली पहाड़ी पर समय-समय पर एवलांच आते रहते हैं। पर्यावरणविदों ने इस घटना को चिंता का विषय बताया।

रविवार सुबह 5 बजकर 46 मिनट के आसपास केदारनाथ मंदिर से पांच किमी पीछे सुमेरु पर्वत पर एवलांच आया। सुमेरु पर्वत की पहाड़ी से तेजी के साथ बर्फ का गुब्बार नीचे आया और पहाड़ी पर बर्फ का धुंआ उड़ने लगा। इसके बाद केदारनगरी में हलचल मच गई। काफी देर तक यह एवलांच आता रहा। हालांकि इस पहाड़ी पर एवलांच आना कोई नयी बात नहीं है। यहां समय-समय पर एवलांच आते रहते हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ मंदिर के पीछे सुमेरु पर्वत की पहाड़ी पर कई बार एवलांच की घटना देखने को मिल रही है। रविवार सुबह आए एवलांच से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि इस पहाड़ी पर इस प्रकार के एवलांच आते रहते हैं। यहां बर्फ अधिक गिरने पर इस प्रकार की घटनाएं होती रहती हैं। इनसे किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता है। वहीं, पर्यावरणविद जगत सिंह जंगली ने इस घटना को चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र में लगातार हो रही इस प्रकार की घटनाओं को लेकर सोचने की आवश्यकता है। हिमालय

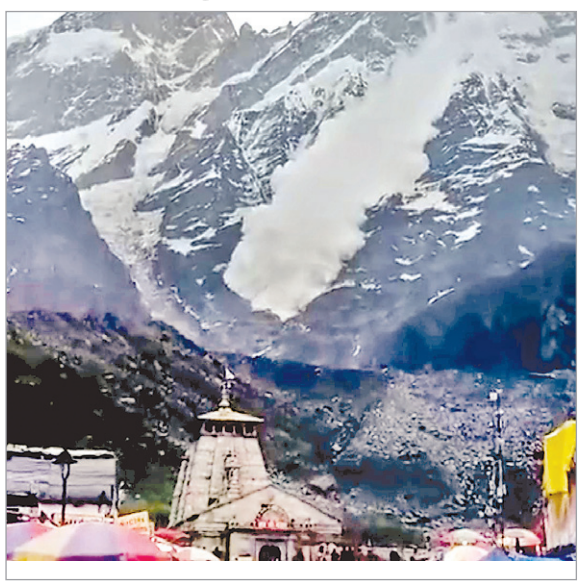

क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य और हेली कंपनियों की अनियमित उड़ानों के कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं।

जय फिलिस्तीन पर सांसद ओवैसी के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने रविवार को हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी के संसद में शपथ ग्रहण के दौरान जय फिलिस्तीन नारा लगाने पर कड़ी आलोचना करते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने 34 अशोका रोड स्थित ओवैसी के आवास के बाहर उनका पुतला जलाया। हिन्दू संगठन के कार्यकताओं ने ओवैसी के खिलाफ नारेबाजी की और पोस्टर दिखाए। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ओवैसी के घर के बाहर उनकी नेम प्लेट पर काली इंक पोती गई थी और एक पोस्टर लगाया गया था, जिसमें इजराइल के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत माता की जय लिखा था। इस दौरान विहिप के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने जंतर-मंतर पर औवैसी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

नौसेना प्रमुख चार दिवसीय बांग्लादेश दौरे पर, सहयोग के नए रास्ते तलाशेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 4 जुलाई तक बांग्लादेश की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करना और नौसेना सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशना है। एडमिरल त्रिपाठी ढाका में अपने समकक्ष बांग्लादेश नौसेना के प्रमुख एडमिरल एम नजमुल हसन के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। साथ ही 4 जुलाई को चटगांव में बांग्लादेश नौसेना अकादमी (बीएनए) में होने वाली पासिंग आउट परेड की समीक्षा भी करेंगे। यात्रा के दौरान सीएनएस बांग्लादेश सेना और वायु सेना के प्रमुखों, प्रधान स्टाफ अधिकारी सशस्त्र बल प्रभाग और बांग्लादेश सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। अपनी यात्रा के

नौसेना प्रमुख बनने के बाद पहली विदेश यात्रा पर ढाका पहुंचे एडमिरल

चटगांव में बांग्लादेशी नौसेना की पासिंग आउट परेड की समीक्षा भी करेंगे

दौरान सीएनएस ढाका के राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे और कुछ प्रमुख रक्षा सुविधाओं का दौरा करेंगे। भारत और बांग्लादेश के बीच नौसेना सहयोग पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है, जिसमें बंदरगाहों पर जाकर परिचालन संबंधी बातचीत, द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास, क्षमता निर्माण, क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण पहल शामिल हैं। नौसेना प्रमुख की इस यात्रा से दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच दोस्ती के बंधन और मजबूत होंगे।

इनामी माओवादी दंपती समेत 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/रायपुर। बीजापुर जिले में शनिवार को एक इनामी माओवादी दंपती समेत 12 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। सभी नक्सलियों ने सीआरपीएफ के अधिकारियों के सामने नक्सलियों की खोखली विचारधाराओं से तंग आकर आत्मसमर्पण है। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया है कि नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है।ये सभी नक्सली आदिवासियों पर माओवादियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से निराश थे।इसलिए इनलोगों ने आत्मसमर्पण किया है।आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं, जो कि भैरमगढ़, गंगालूर और राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र समितियों के तहत सक्रिय थीं।

नाइजीरिया : आत्मघाती हमले में छह लोगों की मौत, 15 लोग हुए घायल

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तरपूर्वी प्रांत बोर्नो में शनिवार को एक व्यस्त मोटर पार्क में एक संदिग्ध आत्मघाती बम हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। जबकि, 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बोर्नो के पुलिस प्रमुख यूसुफ लावल ने पत्रकारों को बताया कि संदिग्ध हमलावर ने मर्राबन ग्वोजा शहर में मोटर पार्क के पास आयोजित एक शादी समारोह को निशाना बनाया। पुलिस प्रमुख ने आगे बताया कि कम से कम छह शवों को बाहर निकाल लिया गया है। घायलों को बचाकर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

प्रधानमंत्री ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू पर तीन पुस्तकों का विमोचन किया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विमोचन किया। अन्वया कन्वेंशन सेंटर, गाचीबोवली तेलंगाना में नायडू की 75वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नायडू को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीवनी और दो अन्य पुस्तकें लोगों को सही दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्हें स्वयं उनसे साथ में काम करने के दौरान प्रेरणा मिली है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंत्रिमंडल में सहयोगी

और देश के उपराष्ट्रपति के तौर पर उनके साथ काम करने और सीखने के कई मौके मिले हैं। विमोचित पुस्तकों में पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी 'वेंकैया नायडू-लाइफ इन सर्विस', संकलित एक फोटो क्रॉनिकल 'सेलिब्रेटिंग भारत-एम. वेंकैया नायडू का भारत के 13वें उपराष्ट्रपति के रूप में मिशन और संदेशह्न और सचित्र जीवनी 'महानता-एम. वेंकैया नायडू का जीवन और यात्रा' शामिल है। इन्हें क्रमशः द हिंदू, हैदराबाद संस्करण के पूर्व रेजिडेंट एडिटर एस नागेश कुमार, उनके पूर्व सचिव आई.वी. सुब्बा राव, संजय किशोर ने लिखा एवं संकलित किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता सुख पाने के लिए नहीं है, बल्कि सेवा के माध्यम से समाधान करने के लिए है। अटल बिहारी वाजपेई की सरकार और उनकी सरकार में भी उन्होंने इसे चरितार्थ करके दिखाया है।

राजनाथ ने डिप्टी स्पीकर पद के लिए ममता से मांगा समर्थन

ममता ने अखिलेश से कहा अयोध्या के सांसद को डिप्टी स्पीकर प्रत्याशी बनाइये

-कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। जो दिखता है वही सब कुछ नहीं होता। बहुत कुछ जो नहीं दिखता है वह होता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरुद्ध केन्द्र का पूरा तंत्र किस हद तक कई साल से लगा है, सबको पता है। कुछ न कुछ हर माह खबरों में आ ही जाता है। केन्द्रीय सत्ताधारी पार्टी और ममता की पार्टी के कार्यकर्ता एक दूसरे को मारने मरने पर उतारू रहते हैं। मरते भी हैं। लेकिन जब लाभ लेना हो तो क्या होता है। उदाहरण है ममता को केंद्रीय रक्षा मंत्री का फोन। किसलिए? लोकसभा में डिप्टी स्पीकर पद पर ममता की पार्टी का समर्थन लेने के लिए। यह काम नरेन्द्र मोदी और अमित शाह तो करेंगे नहीं, क्योंकि किसी भी विपक्षी नेता से इस तरह का संबंध व व्यवहार नहीं रह गया है, जिससे कोई विपक्षी नेता उनसे सहजता से बात कर सके। इसलिए इस काम के लिए ही राजनाथ सिंह को केंद्र में मोदी के बाद कागज में दूसरे नंबर का दर्जा दिया गया है। लेकिन कामकाजी पावर के मायने में अमित शाह दूसरे नंबर पर माने जाते हैं। कागजी तौर पर वह तीसरे नंबर पर हैं। राजनाथ सिंह को इसी तरह से लोकसभा स्पीकर पद पर इंडिया गठबंधन दलों से बात करने के लिए लगाया गया था। उन्होंने बात भी किया। लेकिन कांग्रेस ने शर्त रख दिया कि यदि भाजपा लोकसभा का डिप्टी स्पीकर पद इंडिया गठबंधन को दे दे, तो इंडिया गठबंधन भाजपा के स्पीकर प्रत्याशी को समर्थन दे देगा। जिस पर राजनाथ सिंह ने कहा था कि पीएम से पूछकर बताएँगे। लेकिन वह बताए नहीं। अब इसी तरह से राजनाथ को ममता से समर्थन मांगने के लिए लगाया गया है। ताकि कहने को हो जाए कि भाजपा तो सर्वसम्मति से डिप्टी स्पीकर का भी चुनाव कराना चाहती है। इधर इंडिया गठबंधन में अभी तक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बनी है। लेकिन इस बीच अपने स्वभाव के मुताबिक ममता बनर्जी ने सपा के अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद को डिप्टी स्पीकर बनाने की बात चला दी। क्योंकि यदि अवधेश प्रसाद डिप्टी स्पीकर बन गये तो उनको पद पर देखते ही भाजपा के सांसद असहज होते रहेंगे। क्योंकि अयोध्या सीट गँवाना भाजपा के लिए कई कारण से बहुत ही खटकने वाला हो गया है। उधर इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस चाहती है कि डिप्टी स्पीकर पद का प्रत्याशी कांग्रेस के सांसद को बनाया जाए। इन हालात में यदि चुनाव हुआ तो क्या होगा, अनुमान लगाया जा सकता है।

एजुकेशन

12वीं के बाद कृषि की पढ़ाई देता है रोजगार के अवसर

रजनीश

कृषि को अक्सर एक पारंपरिक उद्योग के रूप में माना जाता है, लेकिन यह खेती और शारीरिक श्रम से परे रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता को शामिल करते हुए यह क्षेत्र महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुआ है, जिससे कैरियर पथों की एक विविध श्रृंखला तैयार हो रही है।

कृषि की पढ़ाई करवाने वाले कॉलेज और विश्वविद्यालय

- बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची
- इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर
- आचार्य एनजी रांगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- जवाहरल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- केन्द्रीय संस्थान कृषि अभियांत्रिकी, भोपाल
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
- अंबिल धर्मलिंगम कृषि कॉलेज और अनुसंधान संस्थान, थिरुचिरापाली
- भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टिट्यूट, बरेली
- राष्ट्रीय डेयरी रिसर्च इंस्टिट्यूट, करनाल

जानिए कैसे करे आवेदन

- कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी कोर्सेज को जानें और अपने लिए एक बेहतर विकल्प चुनें।
- उसके बाद कौनसे कॉलेजेस आपका चुना कोर्स उपलब्ध करातें है पता लगाएं। ध्यान से कोर्स और कॉलेज के लिए दी गई योग्यता को पढ़ें।
- एंट्रेंस एग्जाम के लिए योग्यता और तारीख का ध्यान रखें। अगर आप योग्य हों तो एग्जाम के लिए रजिस्टर कर दें।
- रिजल्ट आने के बाद, काउंसिलिंग के लिए रजिस्टर करें और प्रोसेस फॉलो करें।
- अपने चुनें गए कॉलेज और कोर्स को काउंसिलिंग में बैठे

प्रवेश परीक्षाएं

- सेट
- एक्ट
- आईईएलटीएस
- एजीआरआईसीईटी
- आईसीएआर एआईईईए
- केईएएम
- आईजीकेवीसीटेट
- सीजी प्री एग्रीकल्टर टेस्ट
- जीबी प्लांट यूनीवर्सीटी एडमिशन
- एमपी प्री एग्रीकल्टर टेस्ट
- एमसीएईआर कोमन एंट्रेंस टेस्ट

अन्य कार्य

1. कृषिविज्ञानी:
2. कृषि इंजीनियर:
3. पशु पोषण विशेषज्ञ:
4. फसल अनुसंधान वैज्ञानिक:
5. फार्म प्रबंधक:
6. खाद्य वैज्ञानिक:
7. बागवानी चिकित्सक:
8. सिंचाई इंजीनियर:
9. नर्सरी प्रबंधक:
10. जैविक किसान:
11. कीट नियंत्रण विशेषज्ञ:
12. रेंज मैनेजर:
13. मृदा वैज्ञानिक:
14. सतत कृषि विशेषज्ञ:
15. पशुचिकित्सक:
16. जल गुणवत्ता विशेषज्ञ:

करियर स्कोप

- भारत सरकार और राज्य सरकारों के कृषि से संबद्ध सभी विभाग,
- आईसीएआर के सभी अनुसंधान केंद्र और स्टेट एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी,
- कृषि विज्ञान केंद्र,
- स्टेट एग्रीकल्चर रिसर्च स्टेशन,
- मृदा जाँच केंद्र,
- राष्ट्रीय बीज निगम,
- केंद्रीय कृषि पशुपालन मंत्रालय और कृषि विभाग,
- राज्य कृषि व पशुपालन मंत्रालय व विभाग,
- जल एवं पर्यावरण मंत्रालय,
- मौसम विभाग आदि प्रमुख हैं।
- खाद व उर्वरक कम्पनी
- फार्मिंग इंडस्ट्री कंसल्टेंट्स
- पेस्टिसाइड इंडस्ट्रीज
- एग्रीकल्चर इक्यूपमेंट इंडस्ट्रीज
- एग्रीकल्चरल कमोडिटीज प्रोसेसर्स
- सीड इंडस्ट्रीज
- एनजीओ
- स्ववित्तपोषित संस्थान
- मीडिया ग्रुप
- फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज
- डेरी इंडस्ट्रीज
- फार्म मैनेजर
- सुपरवाइजर
- सॉइल साइंटिस्ट
- एंटरोलॉजिस्ट
- पैथोलॉजिस्ट
- हॉर्टिकल्चरिस्ट
- एग्रोनोमिस्ट
- मौसम वैज्ञानिक
- पशुपालन विशेषज्ञ
- एग्रीकल्चर इंजीनियर
- एग्रीकल्चरल कम्प्यूटर इंजीनियर (जिन इंजीनियर्स के पास कंप्यूटर प्रोग्रामिंग स्किल्स होते हैं
- आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस
- एग्रीकल्चर फूड साइंटिस्ट
- एग्रीकल्चर रिसर्च ऑफिसर
- एग्रीकल्चर ऑफिसर
- प्लांट फिजियोलॉजिस्ट
- सर्वे रिसर्च एग्रीकल्चर इंजीनियर
- एनवायर्नमेंटल कंट्रोल्स इंजीनियर
- माइक्रोबायोलॉजिस्ट
- फूड सुपरवाइजर
- रिसर्चर
- एग्रीकल्चर क्रॉप इंजीनियर
- बी कीपर
- फिशरी मैनेजर
- बोटेनिस्ट
- सॉयल इंजीनियर
- सॉयल एंड प्लांट साइंटिस्ट
- लेब टेक्नीशियन

12वीं के बाद कृषि में स्पेशलाईजेशन

- **सॉइल साइंस**
- **एग्रोनमी**
- **प्लांट पैथोलॉजी**
- **एग्रीकल्चर इकोनॉमिक्स**
- **प्लांट बायोकेमिस्ट्री**
- **एक्सटेंशन एजुकेशन**
- **बायोटेक्नोलॉजी**
- **एंटोमोलॉजी**
- **एनिमल साइंस**

कब और क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

देश में हर साल की तरह इस साल भी 1 जुलाई को नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाएगा। यह खास दिन पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री और फिजिशियन डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया जाता है। डॉ. बीसी रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई 1962 को 80 साल की उम्र में हुआ था। वह मुश्किल समय में कई राहत कार्यों का हिस्सा बने थे। ऐसे में उनके तमाम योगदान को सम्मान देने के लिए हर साल 1 जुलाई का दिन डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाता है। बता दें कि डॉ. बीसी रॉय को 4 फरवरी 1961 को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया था।

भगवान का दूसरा रूप डॉक्टरों को क्यों माना जाता है

डॉक्टरों को इस धरती पर भगवान का दूसरा रूप माना जाता है जो मरीजों का इलाज करके उन्हें नया जीवनदान देते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि डॉक्टर अपने मरीजों की सेवा में दिन रात डटे रहते हैं और

डॉ. बिधान चंद्र रॉय

उन्हें इलाज के द्वारा स्वस्थ करने का हर संभव प्रयास करते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टरों के महत्वपूर्ण योगदान के प्रति उनका आभार और सम्मान जाहिर करने के लिए हर साल 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस यानी नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। इस दिवस के इतिहास की बात करें तो नेशनल डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत साल 1991 में केंद्र सरकार द्वारा की गई थी। इस दिन भारत के महान डॉक्टर और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि दोनों मनाई जाती है। उन्हीं की याद में इस दिवस को मनाया जाता है।

गौरतलब है कि डॉ. बिधान चंद्र रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को बिहार के पटना में हुआ था। बचपन से ही एक मेधावी छात्र के तौर पर जाने जाने वाले बिधान चंद्र रॉय ने अपनी शुरूआती पढ़ाई भारत से की थी, फिर उन्होंने इंग्लैंड से उच्च शिक्षा हासिल की। एक डॉक्टर के तौर पर उन्होंने अपने करियर की शुरूआत सियालदाह से की थी। एक डॉक्टर होने के साथ ही उन्हें एक महान समाजसेवी, आंदोलनकारी और एक अच्छे राजनेता के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने आजादी की लड़ाई के दौरान लाखों घायलों की सेवा की थी और अपनी कमाई तक लोगों की सेवा के लिए दान में दे दी थी।

भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का उत्सव

भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाने के कई तरीके हैं, जिनमें आभार व्यक्त करने से लेकर चिकित्सा समुदाय का समर्थन करना शामिल है। आप कैसे भाग ले सकते हैं :-

1. स्वास्थ्य सेवा चैरिटी को दान करें: भारत में कई स्वास्थ्य सेवा चैरिटी सक्रिय रूप से चिकित्सा समुदाय का समर्थन करने के लिए काम कर रही हैं। इन चैरिटी को दान करना चिकित्सा पेशेवरों के लिए अपना समर्थन और प्रशंसा दिखाने का एक तरीका है।

2. ऑनलाइन कार्यक्रमों में भाग लें: कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण, कई राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस कार्यक्रम ऑनलाइन हो गए हैं, जिनमें वेबिनार और वर्चुअल चर्चाएं शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में भाग लेने से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के बारे में जागरूकता बढ़ सकती है और अधिक लोगों को चिकित्सा समुदाय का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

3. अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें: चिकित्सा पेशेवरों के प्रति आभार प्रकट करने का सबसे अच्छा तरीका है अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना। स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर आप स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर पड़ने वाले बोझ को कम कर सकते हैं और जरूरतमंद लोगों को संसाधन उपलब्ध करा सकते हैं।

डॉक्टर के पेशे को सलाम

नेशनल डॉक्टर्स डे डॉक्टर्स और उनके पेशे को सलाम करने का दिन है। यह खास दिन उन्हें उनके काम के लिए धन्यवाद व सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। यह सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के लिए जश्न मनाने का दिन है, जो बड़े पैमाने पर समाज की सेवा कर रहे हैं।

डॉक्टर और मरीज का रिश्ता

- एक डॉक्टर ही होता है जो रोते हुए आये लोगों को हंसाते हुए भेजता है।
- एक अच्छा डॉक्टर दवा कम, ख्याल ज्यादा रखने की सलाह देता है।
- जब हम अपनी सारी उम्मीदें खो देते हैं, तब हमारे जीवन को स्वस्थ बनाने की जादुई शक्ति केवल डॉक्टर के पास ही होती है।
- ईश्वर सबके जीवन की रक्षा खुद से नहीं कर पाते इसलिए इस धरती पर अपने रूप में डॉक्टर को भेज दिया।
- संसार में डॉक्टर ही एक ऐसा इंसान है, जिसे मरीज आस भरी नजरों से देखता है। जैसे वह भगवान से दुआ कर रहा है।
- सच कहते हैं जीवन जीना एक कला है। कई बार मौत के करीब से आपको वापस लाने वाला डॉक्टर उसकी सही कीमत बता जाता है।
- जब लोगों के आंखों में आंसू होता है उस वक्त डॉक्टर एक कंधे के समान होते हैं। जब दर्द होता है, तो वह आपके लिए दवा होते हैं।

हम राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस क्यों मनाते हैं?

समर्पण का सम्मान : राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस चिकित्सा देखभाल प्रदान करने और जीवन बचाने में चिकित्सकों की प्रतिबद्धता और निस्वार्थता का जश्न मनाता है।

योगदान को मान्यता : यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, रोग की रोकथाम और स्वास्थ्य सेवा में प्रगति के लिए डॉक्टरों के अमूल्य योगदान को मान्यता देता है।

कृतज्ञता व्यक्त करना : यह दिन मरीजों, सहकर्मियों और समुदायों को डॉक्टरों के अथक प्रयासों के लिए उनके प्रति कृतज्ञता और प्रशंसा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

जागरूकता बढ़ाना : राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है और उनके कल्याण और पेशेवर विकास के लिए समर्थन को प्रोत्साहित करता है।

सहयोग को बढ़ावा देना : यह स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, नीति निमार्ताओं और जनता के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है ताकि स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का समाधान किया जा सके और रोगी परिणामों में सुधार लाया जा सके।

डॉक्टरों का महत्व और भूमिका

डॉक्टर सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उच्च प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवरों के रूप में, वे बीमारियों का निदान और उपचार करने, सर्जरी करने और निवारक देखभाल प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, डॉक्टर मरीजों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बारे में सूचित विकल्प बनाने में सहायता करते हैं। समाज में उनके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है, क्योंकि वे व्यक्तियों और समुदाय की समग्र भलाई सुनिश्चित करने में सबसे आगे हैं।

महान चिकित्सक थे पतंजलि

पतंजलि संस्कृत के अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थों का रचयिता माने जाते हैं। इनमें से 'योगसूत्र' उनकी महानतम रचना है। यह योगदर्शन का मूलग्रंथ है। माना जाता है कि पतंजलि शुंग वंश के शासनकाल में थे। भारतीय साहित्य में पतंजलि द्वारा रचित तीन मुख्य ग्रन्थ मिलते हैं। इनमें 'योगसूत्र', 'महाभाष्य' और 'आयुर्वेद पर ग्रंथ' शामिल हैं। महाभाष्य पाणिनि के अष्टाध्यायी पर पतंजलि का टीका है।

डॉ भंडारकर ने पतंजलि का समय 158 ईस्वी पूर्व माना है, जबकि द बोथलिक ने पतंजलि का समय 200 ईसा पूर्व और कीथ ने 140 से 150 ईसा पूर्व माना है। उन्होंने पुष्यमित्र शुंग का अश्वमेघ यज्ञ भी संपन्न कराया था। इनका जन्म गोनार्ध (वर्तमान में उत्तर प्रदेश के गोंडा) में हुआ था। बाद में वे काशी में बस गए। ये व्याकरणाचार्य पाणिनी के शिष्य थे।

पतंजलि महान चिकित्सक थे और इन्हें ही 'चरक संहिता' का प्रणेता माना जाता है। 'योगसूत्र' पतंजलि का महान रचना है और इसमें उन्होंने चार पादों का वर्णन किया है। पतंजलि रसायन विद्या के विशिष्ट आचार्य थे। अभ्रक विंदास, अनेक धातुयोग और लौहशास्त्र इनकी देन है। राजा भोज ने इन्हें

तन के साथ मन का भी चिकित्सक कहा है। 'महाभाष्य' के रचयिता पतंजलि काशी मंडल के ही निवासी थे। मुनित्रय की परंपरा में वे अंतिम मुनि थे। उन्हें अलौकिक प्रतिभा के धनी माना जाता है। व्याकरण के अतिरिक्त अन्य शास्त्रों पर भी इनका समान रूप से अधिकार था। व्याकरण शास्त्र में उनकी बात को अंतिम प्रमाण माना जाता है। उन्होंने अपने समय के जनजीवन का पर्याप्त निरीक्षण किया था। अतः महाभाष्य व्याकरण का ग्रंथ होने के साथ-साथ तत्कालीन समाज का विश्वकोश भी है।

भारतीय चिकित्सा पद्धति की महान विभूतियां

भारतीय औषध विज्ञान के जनक थे चरक

चरक को आयुर्वेद या प्राचीन भारतीय औषध विज्ञान का जनक माना जाता है। उनकी गणना भारतीय औषधि विज्ञान के मूल प्रवर्तकों में की जाती है। वे कुषाण राज्य के राजवैद्य माने जाते हैं। चरक विदेशों में भी एक महर्षि एवं आयुर्वेद विशारद के रूप में प्रसिद्ध हैं। माना जाता है कि 2300-2400 वर्ष पहले उनका जन्म हुआ था।

उनकी रचना 'चरक संहिता' आयुर्वेद का एक प्रसिद्ध ग्रंथ है। इसमें रोगनाशक एवं रोगनिरोधक दवाओं का उल्लेख है। 'चरक संहिता' में सोना, चांदी, लोहा, पारा आदि धातुओं के भस्म एवं उनके उपयोग का वर्णन मिलता है। 'चरक संहिता' आयुर्वेद में प्रसिद्ध है। इसके उपदेशक अत्रिपुत्र पुनर्वसु, ग्रंथकर्ता अग्निवेश और प्रतिसंस्कारक चरक हैं।

प्राचीन वांगमय के परिशीलन से पता चला है कि उन दिनों ग्रंथ या तंत्र की रचना शाखा के नाम से होती थी। जैसे कठ शाखा में कठोपनिषद् बनी। शाखाएं या चरण उन दिनों के विद्यापीठ थे, जहां अनेक विषयों का अध्ययन होता था। इसलिए संभव है कि 'चरक संहिता' का प्रतिसंस्कार चरक शाखा में हुआ हो।

'चरक संहिता' में 'पालि' साहित्य के

कुछ शब्द मिलते हैं, जैसे अवक्रांति, जेंताक, भंगोदन, खुड्डाक, भूतधात्री। इससे 'चरक संहिता' का उपदेशकाल उपनिषदों के बाद और बुद्ध के पूर्व का प्रतीत होता है। इसका प्रतिसंस्कार कनिष्क के समय 78 ईस्वी के आसपास हुआ है।

भारत में विश्वसनीय चिकित्सकीय जानकारी 1500 ईसा पूर्व से ही मिलती है

एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेद

- 'चिकित्सा पद्धति' या 'प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति' का जन्म भारत में हुआ था
- लोग प्राकृतिक चिकित्सा की शरण ग्रहण कर स्वस्थ और बेहतर जीवन जीने लगे है

'आयुर्वेद' का अर्थ होता है 'जीवन' का विज्ञान

वैदिक काल में भारतीय चिकित्सा की एक अधिक व्यवस्थित प्रणाली की नींव रखी गई। इसे 'आयुर्वेद' के रूप में पहचान मिली। इसका प्रारंभ 600 ईसा पूर्व से माना जाता है। 'आयुर्वेद' का अर्थ होता है 'जीवन का विज्ञान।' जो चिकित्सक आयुर्वेद की प्रणाली को अपनाते थे, उन्हें 'वैद्य' कहा जाता था। 'वैद्य' का अर्थ है 'गहन ज्ञान वाला व्यक्ति। वैसे, आयुर्वेद की जड़ें अथर्ववेद में हैं। आयुर्वेद पौधों और अन्य पदार्थों के औषधीय मूल्य पर आधारित है। आयुर्वेद एक पूर्ण चिकित्सा पद्धति कही जा सकती है।

प्राचीन समय में सभी सभ्यताओं ने प्राकृतिक चिकित्सा की अपनी पद्धति का विकास किया था। लेकिन, भारतीय पद्धति व्यवस्थित थी। इसलिए इसे समग्र चिकित्सा पद्धति के रूप में मान्यता मिली हुई है। हम कह सकते हैं कि 'चिकित्सा पद्धति' या 'प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति' का जन्म भारत में हुआ था। अति प्राचीन काल से भारत में प्राकृतिक चिकित्सा का उपयोग हो रहा है। विश्व को प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति भारत की ही देन है। लेकिन, कुछ कारणों तथा अन्य जगहों पर हुए विकास के प्रभाव से यह पद्धति भारत में लुप्त हो गई।

18वीं शताब्दी के मध्य में कुछ लोगों के प्रयास के कारण प्राकृतिक चिकित्सा की शुरूआत फिर से हुई। इसमें पाश्चात्य देशों के लोगों का भी हाथ रहा है। हम इस चिकित्सा पद्धति को पुनः जानने लगे और धीरे-धीरे इसका प्रयोग बढ़ने लगा। इस पद्धति के पुनरूथान में जिन प्रभावशाली व्यक्तियों का योगदान है, वह पहले से ही रोगों के उपचार के लिए औषधियों का प्रयोग करते थे। लोग प्राकृतिक चिकित्सा की शरण ग्रहण कर स्वस्थ और बेहतर जीवन जीने लगे। इससे इस चिकित्सा पद्धति से और लोग भी प्रभावित हुए। इसका प्रचार-प्रसार बढ़ा और भारत में प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को नया जन्म मिला।

प्राचीन भारत में चिकित्सा के संबंध में विश्वसनीय जानकारी 1500 ईसा पूर्व से ही उपलब्ध है। वैदिक काल (1500-600 ईसा पूर्व) की चिकित्सा पद्धतियों के संबंध में जानकारी चार वेदों के साथ-साथ उनके ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषदों से उपलब्ध हैं।

ईसा पूर्व 600-200 की अवधि में भारत के औषधीय विचारों और प्रथाओं का प्रमाण भारत में समकालीन यूनानी यात्रियों, बौद्ध ग्रंथों और चाणक्य के अर्थशास्त्र के वृत्तांतों से मिलता है। आयुर्वेद चिकित्सा के सिद्धांतों के लिए दो संस्कृत चिकित्सा ग्रंथों 'चरक संहिता' और 'सुश्रुत संहिता' का उल्लेख उस युग के कई इतिहासकार करते हैं। सातवीं शताब्दी का वाग्भट्ट का 'अष्टांगहृदय' आयुर्वेद का एक अन्य महत्वपूर्ण ग्रंथ है। ईसाई युग की शुरूआती शताब्दियों के अन्य साहित्य में भी आयुर्वेद का उल्लेख मिलता है। 'चरक संहिता' में आयुर्वेद के चिकित्सकों को तर्क के मूलभूत विचारों को सिखाने का प्रयास किया गया है, जिससे कि निदान और उपचार तर्क पर आधारित हो।

आयुर्वेद का केंद्र त्रिदोष - वात, पित्त और कफ - के तीन द्रव्य सिद्धांत है। इसमें सभी शारीरिक, शारीरिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ रोग के कारणों को तीन दोषों के रूप में व्यक्ति किया गया है। कोई भी बीमारी इन तीन दोषों के असंतुलन से पैदा होती है।

शल्य चिकित्सा के पितामह हैं महर्षि सुश्रुत

2800 साल पहले प्लास्टिक सर्जरी करने का मिलता है उल्लेख
125 तरह के उपकरणों का प्रयोग करते थे सुश्रुत
300 प्रकार की ऑपरेशन प्रक्रियाओं की खोज की थी महर्षि ने
मोतियाबिंद व अन्य नेत्र शल्य चिकित्सा के पारंगत थे महर्षि सुश्रुत

सुश्रुत प्राचीन भारत के महान चिकित्साशास्त्री एवं शल्य चिकित्सक थे। वे आयुर्वेद के महान ग्रन्थ 'सुश्रुत संहिता' के प्रणेता हैं। इनको शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है। उनके द्वारा आज से लगभग 2800 साल पहले प्लास्टिक सर्जरी करने का उल्लेख मिलता है। आचार्य सुश्रुत का जन्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व में काशी में हुआ था। शल्य चिकित्सा के पितामह सुश्रुत ने धन्वन्तरि से शिक्षा प्राप्त की थी। सुश्रुत संहिता को भारतीय चिकित्सा पद्धति में विशेष स्थान प्राप्त है।

'सुश्रुत संहिता' में सुश्रुत को विश्वामित्र का पुत्र कहा गया है। लेकिन, 'विश्वामित्र' से कौन से विश्वामित्र अभिप्रेत हैं, यह स्पष्ट नहीं हो पाता है। सुश्रुत ने काशीपति दिवोदास से शल्यतंत्र का उपदेश प्राप्त किया था। काशीपति दिवोदास का समय ईसा पूर्व की दूसरी या तीसरी शताब्दी संभावित है। सुश्रुत के सहपाठी औपधेनव, वैतरणी आदि अनेक छात्र थे। सुश्रुत का जिक्र नावनीतक में भी आता है। अष्टांगसंग्रह में सुश्रुत का जो मत उद्धृत किया गया है, उसका उल्लेख सुश्रुत संहिता में नहीं

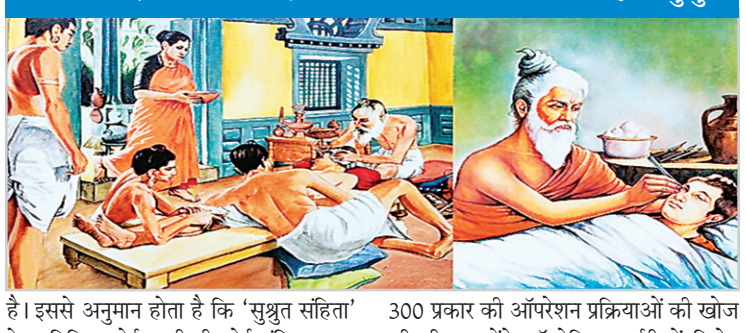

है। इससे अनुमान होता है कि 'सुश्रुत संहिता' के अतिरिक्त कोई दूसरी भी कोई संहिता सुश्रुत के नाम से प्रसिद्ध थी।

'सुश्रुत संहिता' में शल्य चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया गया है। शल्य क्रिया के लिए सुश्रुत 125 तरह के उपकरणों का प्रयोग करते थे। इनमें विशेष प्रकार के चाकू, सुइयां, चिमटियां आदि शामिल हैं। सुश्रुत ने 300 प्रकार की ऑपरेशन प्रक्रियाओं की खोज की थी। उनहोंने कॉस्मेटिक सर्जरी में विशेष निपुणता हासिल कर ली थी। सुश्रुत नेत्र शल्य चिकित्सा भी करते थे। 'सुश्रुत संहिता' में मोतियाबिंद की शल्यक्रिया करने की विधि को विस्तार से समझाया गया है। उन्हें शल्य क्रिया द्वारा प्रसव कराने का भी ज्ञान था।

'सुश्रुत संहिता' से पता चलता है कि सुश्रुत को टूटी हुई हड्डियों का पता लगाने और उनको जोड़ने में विशेषज्ञता हासिल थी। शल्य क्रिया के दौरान होने वाले दर्द को कम करने के लिए वे मद्यपान या विशेष औषधियां देते थे। मद्य एनेस्थिसिया का कार्य करता था। इसलिए सुश्रुत को एनेस्थिसिया का पितामह भी कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त सुश्रुत को मधुमेह व मोटापे के रोग की भी जानकारी थी। सुश्रुत श्रेष्ठ शल्य चिकित्सक होने के साथ-साथ श्रेष्ठ शिक्षक भी थे। उन्होंने अपने शिष्यों को शल्य चिकित्सा के सिद्धांत बताए और शल्य क्रिया का अभ्यास कराया। प्रारंभिक अवस्था में शल्य क्रिया के अभ्यास के लिए फलों, सब्जियों और मोम के पुतलों का उपयोग करते थे। सुश्रुत मानव शारीर की अंदरूनी रचना को समझाने के लिए शव के ऊपर शल्य क्रिया करके अपने शिष्यों को समझाते थे। उन्होंने शल्य चिकित्सा में विशेष कौशल हासलि किया था। उन्होंने इसकी जानकारी अन्य लोगों को भी दी। सुश्रुत ने शल्य चिकित्सा के साथ-साथ आयुर्वेद के अन्य पक्षों जैसे शरीर सरंचना, काय चिकित्सा, बाल रोग, स्त्री रोग, मनोरोग आदि की जानकारी भी दी है।

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग भवेत्। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥

राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस हर साल एक जुलाई को मनाया जाता है। यह दिवस डाक्टर बिधानचंद्र राय के चिकित्सा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए मनाया जाता है। इस दिन सरकार की ओर से जिला स्तर पर समारोह का अयोजन कर जिले में चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर करने वाले डाक्टरों को सम्मानित भी किया जाता है। डाक्टर बिधानचंद राय पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। पलामू वैसे तो एक पिछड़े जिले के रूप में जाना जाता है, लेकिन इस धरती से भी निकल कर कई डाक्टर देश-विदेश में अपनी सेवा दे रहे हैं। पलामू में भी कई डाक्टर ऐसे ही हैं, जिन्हें भगवान के रूप देखा जाता है। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के मौके पर दैनिक अखबार 'राष्ट्रीय नवीन मेल' झारखंड में चिकित्सा के क्षेत्र में एक मुकाम बनाने वाले डॉक्टरों के विचारों के साथ एक विशेष परिशिष्ट प्रकाशित कर रहा है। प्रस्तुत है डाक्टरों के निजी विचार।

मरीजों की सेवा ईश्वर की सेवा है : डॉ. रघुवंश नारायण सिंह

शहर के सीनियर सर्जन डा. रघुवंश नारायण सिंह ने कहा कि चिकित्सा सेवा भगवान के रूप दिया हुआ अनमोल सेवा है। जो लोग भी चिकित्सा सेवा में हैं उनकों पूरी इमानदारी से अपना पेशा करना चाहिए। जब तक मरीजों का विश्वास डाक्टर के प्रति नहीं बढ़ेगा तब तक एक सफल चिकित्सक नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई दशकों से पलामू में सर्जन के रूप में सेवा दे रहे हैं। मरीजों को हमेशा व ईश्वर का सेवा मान कर इलाज करते हैं।

मरीजों के साथ हमेशा अच्छा व्यवहार करें: डॉ. गौतम यादव

शहर के जाने पहचाने युवा फिजिशियन डा. गौतम यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस एक महत्वपूर्ण दिवस है। यह दिवस डाक्टरों को उनके सेवा भाव के समर्पण भाव से काम करने की याद दिलाता है। डाक्टर दिवस मनाने का उद्देश्य है कि डाक्टर मरीजों के साथ अच्छा व्यवहार करें। मरीजों को हर प्रकार से सहयोग करें। मरीज को यह कभी एहसास नहीं हो कि वह डाक्टर के पास आकर गलती कर दिया। मरीज जब भी क्लीनिक से स्वस्थय हो जाए हमेशा हंसता हुआ जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में उनके क्लीनिक द्वारा कई मरीजों को समर्पण भाव से सेवा कर ठीक करने का काम किया गया है।

चिकित्सा सेवा समर्पण की सेवा है : डॉ. गौरव विशाल

शहर के जाने माने शिशु रोग विशेषज्ञ डा. गौरव विशाल ने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को समर्पण भाव से सेवा करने का बोध करता है। चिकित्सा सेवा को धरती पर भगवान के रूप में देखा जाता है। इसलिए जब कोई मरीज डाक्टर के पास अपना इलाज कराने पहुंचता है तब डाक्टरों को भी बिना देर किए उसके सेवा में जुट जाना चाहिए। मरीज को डाक्टर पर विश्वास होना चाहिए कि डाक्टर जैसा भी इलाज कर रहा है वह सही है। यह भाव मरीज के अंदर जगना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा बहुत ही सेवा-समर्पण का सेवा है। निर्स्वाथ भाव का सेवा है। परस्पर विश्वास का सेवा है। आत्म संतुष्टि का सेवा है। डाक्टरों का समाज में अधिक मान सम्मान है। इस मान सम्मान की रक्षा करना भी डाक्टरों का उद्देश होना चाहिए।

आत्म संतुष्टि का भाव होना बेहद जरूरी : डॉ. विनित सिंह

शहर के दंत रोग के विशेषज्ञ के रूप में अपनी पहचान रखने वाले डा. विनित सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को अपना पेशा इमानदारी पूर्वक करने का बोध करता है। उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक को जब डिग्री दी जाती है तब उसे शपथ में मरीजों की सेवा निस्वार्थ भाव से पैसों के लालच के बिना सेवा करना और उसे स्वस्थ बनाकर भेजना प्रण कराया जाता है। इसके अलावा शपथ में जब मरीज स्वस्थ होकर घर जाता है तब उसके चेहरे पर संतुष्टि का भाव दिखता है। साथ ही चिकित्सक को आत्म संतुष्टि होता है कि चिकित्सक उसे भगवान व मरीज का आशीर्वाद मानता है। इससे समाज में विशेष सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि डाक्टरी पेशा के नाते मरीजों का सेवा करना आत्संतुष्टि का बोध कराता है।

मरीज को संतुष्ट करना पहला उद्देश्य : डॉ. अरुण कु. शुक्ला

शहर के प्रख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. अरूण कुमार शुक्ला ने कहा कि मरीजों को भगवान का रूप मान कर वह सेवा करते हैं। वह पिछले 40 सालों से पलामू को अपनी कर्म भूमि मान कर डाक्टरी पेशा कर रहे हैं। मरीज का इलाज करने के बाद उनका पहला उद्देश्य होता है कि मरीज उनके यहां से संतुष्ट होकर जाए। मरीजों की संतुष्टि ही डाक्टर का असली प्रमाण पत्र होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने से नहीं बल्कि डाक्टर विधानचंद राय के जीवन को आत्मसात कर चिकित्सा पेशा करने से ही डाक्टर दिवस मनाने की सार्थकता सही साबित होगी।

सेवा भाव से इलाज करना प्राथमिकता : डॉ. सुशील पांडेय

शहर में सर्जन के क्षेत्र में विशेष से पहचान रखने वाले एमएमसीएच में असिस्टेंट प्रोफेसर डा. सशील कुमार पांडये ने कहा कि डाक्टर को धरती पर भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है। इसलिए डाक्टरों को भी मरीजों का इलाज सेवा भाव के तहत करना चाहिए। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को कर्तव्यबोध का उत्तरदायित्व याद दिलाने के लिए मनाया जाता है। डाक्टरों की छवि समाज में अच्छी होनी चाहिए। कभी ऐसा भी हो जाता है डाक्टर मरीज का जान बचाने का प्रयास करता है, लेकिन वह जान नहीं बचा पता है। उस स्थिति में मरीज के परिजनों को भी धैर्य के साथ काम लेने की जरूरत है। डाक्टरों पर आरोप-प्रत्यारों का दौर नहीं होना चाहिए। इस डाक्टरों का मनोबल पर असर पड़ता है। हमेशा अपने मरीजों को स्वस्थ्य करने का प्रयास करता है।

निर्स्वाथ होना चाहिए मरीजों का इलाज : डॉ. श्वेता सिंह

शहर के महिला दंत सर्जन के रूप में अपनी पहचान रखने वाली डा. श्वेता सिंह ने कहा कि मरीजों का सेवा आत्मसंतुष्टि का भाव डाक्टरों में होना बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने की अच्छी परंपरा है। डाक्टरों को पृथ्वी का दूसरा भगवान माना जाता है, इस नाते सभी डाक्टरों का फर्ज बनता है कि वह पूरी इमानदारी से मरीजों का सेवा निर्स्वाथ भाव से करें। डाक्टर समाज के आर्दश होते हैं इस कारण भी डाक्टरों को पूरी तन्मयता के साथ अपने मरीजों का सेवा करना चाहिए। डाक्टर के प्रति समाज का विश्वास तभी बनेगा जब मरीज उस पर विश्वास का भाव रखेगा। आत्मसंतुष्टी मरीजों के चेहरों पर दिखेगा।

समाज में डाक्टरों को मिलता है ऊंचा स्थान : डॉ. राजीव कुमार

शहर में फिजिशियन के रूप में पहचान रखने वाले डा. राजीव कुमार ने कहा कि चिकित्सा सेवा भगवान का दूसर रूप है। उन्हें मरीजों का सेवा करने में अंदर से आत्म संतुष्टि का एहसात होता है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने की शुरूआत डाक्टरों के लिए सरकार की अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि समाज में डाक्टर को बहुत उंचा स्थान दिया गया है। डाक्टरों को भी अपने गरिमा व पेशा केअनुकूल काम करना चाहिए। इससे समाज में गरिमा बनी रहेगी।

पेशा की गरिमा को बनाए रखें : डॉ. कादिर परवेज

एमएमसीएच में सीनियर सर्जन डा. कादिर परवेज ने कहा कि चिकित्सा सेवा को भगवान के रूप में देखा जाता है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने की परंपरा अच्छी है। डाक्टरों को मरीजों का सेवा समर्पण भाव से करना चाहिए। मरीजों को संतुष्ट करना डाक्टरों का पहला मकसद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मरीज व डाक्टरों के बीच परिवार की तरह व्यवहार होना चाहिए। डाक्टर का पेशा पहले मरीज का सेवा है। इस बात को हर डाक्टर को समझना होगा। डाक्टरों को ज्यादातर प्रयास करना होगा कि वह मरीजों को कम से कम खर्च में इलाज का निरोग करें। डाक्टर दिवस मनाने का मकसद तभी सार्थक होगा जब मरीजों का विश्वास डाक्टरों का बढ़ेगा।

मरीजों की बेहतर सेवा करना लक्ष्य : डॉ. राजेश कुमार

शहर ख्याती प्राप्त जेनरल फिजिशियन डा. राजेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय डाक्टर दिवस मनाने का मकसद है सभी डाक्टरों के अंदर सेवा भाव की भावन के तहत मरीजों का सेवा करना। डाक्टर दिवस हर साल एक जुलाई को डा. विधानचंद्र राय की याद में मनाया जाता है। यह दिवस इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि डा. विधानचंद्र राय अपने पूरे जीवन में तमाम तरह की सुख सुविधाएं छोड़कर सिर्फ मरीजों के रोग का निदान करते थे। हम सभी डाक्टरों को भी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर मरीजों का सेवा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि डाकटर दिवस के मौके पर हर साल जिले में चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर करने वाले डाक्टरों को सम्मानित करने की परंपरा भी राज्य सकार की ओर शुरू की गई, जो एक अच्छी पहल है।

सेवा भाव से कार्य करते हैं : डॉ. रोहित पांडेय

शहर के युवा जेनरल फिजिशियन डा. रोहित पांडेय ने कहा की बचपन से उनका सपना डॉक्टर बनने का ही था। इस प्रोफेशन में सेवा भाव से कार्य किया जाता है। एक डॉक्टर होने के नाते उन्हें सबसे अच्छा क्या लगता है इस बात पर उनका जवाब था कि इस पेशा में लोग सेवा भाव से कार्य करते हैं। सामने मरीज चाहे कोई भी हो एक डॉक्टर का परम कर्तव्य बनता है कि वह उसका इलाज करे।

गरिमा के साथ सभी मरीजों की सेवा करें डॉ. अमरजीत शर्मा

शहर के होमियो पैथिक चिकित्सक डा. अमरजीत शर्मा ने कहा कि चिकित्सक सेवा पृथ्वी पर भगवान का दूसर रूप में देखा जाता है। राष्ट्रीय डाक्टर दिवस डाक्टरों को इमानदारी पूर्वक समाज में सेवा करने का एहसास कराने के लिए मनाया जाता है। किसी भी क्षेत्र के डाक्टर हों उनके अपने क्षेत्र में गरिमा व इमानदारी पूर्वक सेवा करना चाहिए।

मधुमेह जीवनशैली से संबंधित एक बीमारी है जो लोगों के अनियमित रहन-सहन, अनियमित दिनचर्या, तनावपूर्ण जीवन, अनियंत्रित खान-पान एवं शारीरिक सक्रियता की कमी से होती है। आज जहां लोग आधुनिकता और कैरियर के भागदौड़ में आगे निकलने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे है वहीं वो अपने स्वास्थ्य को दांव पर लगाकर मधुमेह और उच्च रक्तचाप, थायरॉयड रोग जैसी बीमारियों को तनाव लेकर गले लगा रहे हैं। मच्चुमेह कुछ प्रतिशत में आनुवंशिक भी होती है। खान-पान में, काबोर्हाइड्रेट की मात्रा सीमित करने, कम से कम 30 मिनट प्रतिदिन शारीरिक व्यायाम करने, तनावरहित जीवन जीने की कला, नियमित योग एवं ध्यान करने की आदत लोगों को मच्चुमेह एवं उच्च रक्त- चाप से दूर रख सकती है। तनावरहित जीवन एवं स्वस्थ जीवन शैली व्यक्ति को उच्च रक्तचाप एवं मच्चुमेह से बचा सकती है।

डॉ0 आशुतोष सिंह
फिजिशियन, मधुमेह एवं थायरॉयड रोग विशेषज्ञ, रांची।

प्रिय मित्रों,

डॉक्टर्स दिवस के अवसर पर, मैं उन सभी समर्पित डॉक्टरों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं जो जीवन बचाने और हमारे समुदाय के स्वास्थ्य में सुधार के लिए अथक प्रयास करते हैं। आपकी अटूट प्रतिबद्धता और निस्वार्थ सेवा वास्तव में सराहनीय है। गंभीर देखभाल सेवाओं के संरक्षक के रूप में, मैंने अपने सहयोगियों द्वारा किए गए असाधारण प्रयासों को देखा है, खासकर चुनौतीपूर्ण समय के दौरान। आपका लचीलापन और करुणा हम सभी के लिए प्रेरणा है। आइए हम अपने चिकित्सा पेशेवरों का समर्थन और सराहना करना जारी रखें जो हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के स्तंभ के रूप में खड़े हैं। हम सब मिलकर एक स्वस्थ और खुशहाल समाज बना सकते हैं।

डॉ. तापस कुमार साहू
एसोसिएट निदेशक और प्रमुख, क्रिटिकल केयर मेदांता अस्पताल, रांची

हैप्पी डॉक्टर्स डे

आंखें हैं अनमोल

- आपकी आँखों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सूझाव।
- स्कूल जाने से पहले बच्चों की आंखो की जांच जरूर करवाएं।
- स्कूल जाने वाले बच्चों को अगर पीछे बैठ के देखने में मुश्किल होती है तो आंखों की जांच जरूर करवाएं।
- गर्मी के मौसम में आंखों में एलर्जी की वजह से आंखों का लाल होना और आंखों में खुजली होना बहुत आम है इसके लिए डॉक्टर को दिखाना चाहिए जिससे एलर्जी को कंट्रोल किया जा सके।
- घर और बाहर खेलते हुए छोटे बच्चों को हमेशा निगरानी में रखें। नुकिली चीजो और केमिकल वाले पदार्थो से बच्चों को दूर रखें।
- मोबाइल स्क्रीन और कंप्यूटर स्क्रीन का उपयोग करने वाले लोगो को हर 20 मिनट में 20 से 30 सेकंड का ब्रेक लेके नजर को दूर करना चाहिए जिस से आँखों पर जोर नहीं पड़े।
- आंख में किसी भी तरह की चोट लगने से या केमिकल गिरने पर डॉक्टर की सलाह जरूर ले।
- आँखों में लाली जलन या चुभन महसूस होना आँखों में सुखेपन की वजह से हो सकता है इसके लिए डॉक्टर से सलाह ले।
- डायबिटीज और ब्लड प्रेशर वाले लोगो को हर वर्ष अपनी आंखों के परदे की जांच करवानी चाहिए।
- कॉर्निया जनित दृष्टिहेंता का इलाज नेत्र प्रत्यारोपण से किया जा सकता है।
- मृत्युपरांत नेत्रदान करें और किसी और के जीवन में रोशनी लाएं।

डॉ. निधि गडकर कश्यप
मोतियाबिंद, पुतली और नेत्रप्रत्यारोपण विशेषज्ञ कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल, रांची।

प्रिय साथियों,

आज डॉक्टर डे के अवसर पर, हम सभी चिकित्सकों को हार्दिक धन्यवाद और सम्मान प्रकट करते हैं। विशेष रूप से, मैं एक न्यूरोलॉजिस्ट के रूप में यह कहना चाहूंगा कि चिकित्सा क्षेत्र में डॉक्टर अपनी निःस्वार्थ सेवा और समर्पण से लोगों की जीवन रेखा बनते हैं। अक्सर हमारे प्रति कुछ नकारात्मक धारणाएं भी बन जाती हैं, जो हमारे समर्पण और परिश्रम को कम करके आंकी जाती हैं।

मैं आप सभी से निवेदन करता हूं कि डॉक्टरों के प्रति अपनी सोच में सकारात्मक बदलाव लाएं। हमारा मुख्य उद्देश्य हमेशा आपकी सेवा करना और आपको स्वस्थ रखना है। डॉक्टर अपने परिवार और निजी जीवन की परवाह किए बिना दिन-रात आपकी सेवा में तत्पर रहते हैं। साथ ही, कृपया अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। यह भी महत्वपूर्ण है कि आप 'गूगल डॉक्टर' और अप्रशिक्षित डॉक्टरों से बचें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या के लिए हमेशा योग्य और प्रशिक्षित चिकित्सक की सलाह लें। इंटरनेट पर मिली जानकारी अक्सर अधूरी या गलत हो सकती है, जिससे आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। सभी डॉक्टरों से भी अनुरोध है कि वे अपनी निःस्वार्थ सेवा को और अधिक समर्पण के साथ निभाएं और मानवता की सेवा में अपने कर्तव्यों का पालन करें।

धन्यवाद।

डॉ. गोविंद माधव
एम डी मेडिसन, डी एम न्यूरोलॉजी एम्स, डायरेक्टर, सेंटर ऑफ न्यूरो साइंसेज (सीएनसी) रांची।

नागरमल मोदी सेवा सदन के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ विनय कुमार ने डॉक्टर्स डे पर लोगों को बधाई दी और कहा कि सभी लोग स्वस्थ रहें और अपनी सेहत का ख्याल रखें। अभी के परिवेश में हेल्दी लाइफ स्टाइल रखने की आवश्यकता है। फिजीकल एक्टीविटी जारी रखें और खास तौर से ध्यान रखें कि स्ट्रेस नहीं लेना है। काम करने के बीच आराम का भी ध्यान रखें, भरपूर नींद लें। स्वस्थ जीवन जीने के लिए भरपूर नींद लेनी भी बहुत जरूरी है। धूम्रपान, अल्कोहल से दूर रहें और जंक फूड का कम इस्तेमाल करें।

- डॉ विनय कुमार
हृदय रोग विशेषज्ञ, नागरमल मोदी सेवा सदन, रांची।

निराशा में भी आशा की लौ जगा देते हैं, असंभव को भी संभव बना देते हैं। डॉक्टरों की सेवा भावना से, उनके महान कर्मों से हम इंसान उनको धरती पर भगवान की संज्ञा देते हैं।

- नीतू शर्मा,
अस्पताल प्रशासक, नागरमल मोदी सेवा सदन

नागरमल मोदी सेवा सदन के शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक अग्रवाल ने डाक्टर्स डे पर सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अभी बरसात का समय शुरू हो रहा है। बच्चों की सेहत का खास तौर पर ध्यान रखना जरूरी है, क्योंकि बरसात में हमलोगों की इम्यूनिटी सबसे कमजोर होती है। इस समय में खान-पान विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। बाहर की चीजों और स्ट्रीट फूड से बचना चाहिए। मैदे से बनी वस्तु या बाहर की पानी वाली वस्तुओं को खाने सें दूरी बनानी चाहिए। बच्चों को भीगने से बचाना चाहिए। अगर भीग गए हैं, तो उनको अच्छे से पोंछना चाहिए, ताकि उन्हें ठंड न लगे। छाता या रेनकोट को अपने पास हमेशा रखना चाहिए। हमें अपने घर और आसपास पानी जमने से रोकना चाहिए, जिससे कि मच्छरों से हमारा बचाव हो सके। इस मौसम में खासातौर से मलेरिया, चिकनगुनिया, डेंगु जैसे मच्चछरों एवं मक्खियों के पनपने की संभावना बनी रहती है। घर के गमले या आसपास गड्ढे हों, तो इसकी नियमित सफाई करनी चाहिए। अगर सफाई करनी मुश्किल हो, तो किसी भी प्रकार का तेल उसमें डाल दें, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना न रहे।

- डॉ अभिषेक अग्रवाल,
शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ, नागरमल मोदी सेवा सदन, रांची।

डॉक्टर दिवस पर, हम उन सभी डॉक्टरों के समर्पण और बलिदान का सम्मान और सराहना करते हैं जो दुनिया को स्वस्थ बनाने के लिए अथक प्रयास करते हैं।

डॉ ओंकार कुमार झा
सलाहकार - पल्मोनोलॉजी, पारस एचईसी अस्पताल, रांची।

डॉक्टर्स डे के अवसर पर हमारे विशेष संवाददाता ने मेडिका के विभिन्न विभागों के डाक्टरों से बात की

नेशनल डॉक्टर डे 1 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिन महान डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है, डॉ. रॉय एक प्रसिद्ध चिकित्सक थे। उन्होंने 1948 से 1962 तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में भी सेवा की। डॉक्टर रॉय के चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति उनके योगदान के लिए 1 जुलाई को नेशनल डॉक्टर डे के रूप में मनाया जाता है। मैं इस अवसर पर सभी मेहनती डॉक्टरों को उनके निस्वार्थ कार्य के लिए बधाई देना चाहता हूँ। मरीजों के इलाज में समर्पित सेवा ही हमारी शपथ है.

डॉ. रोहित सेंगर
प्रमुख, इमरजेंसी विभाग, मेडिका, रांची

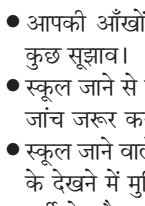

डॉक्टर होना सिर्फ सफेद कोट पहनना नहीं है। कोई भी सफेद कोट पहन सकता है। यह सिर्फ एक डिग्री नहीं है... यह लोगों की मदद करना डॉक्टर का प्रमुख ध्येय है. एक न्यूरो सर्जन के रूप में अपना समय रोगी मदद करने में लगाना, इलाज करना और जिंदगियाँ बदलना है। आप इसे इसलिए करते हैं क्योंकि आप करना चाहते हैं, यह आपका पेशा मात्र नहीं बल्कि जुनून है।

डॉ. अमित कुमार
कंसल्टेंट, न्यूरो सर्जरी विभाग।

नेशनल डॉक्टर डे की शुभकामनाएं, क्रिटिकल केयर में गंभीर अवस्था के रोगी एडमिट होते है, हम बहुत सावधानी, सजगता और सहयोग की भावना के साथ जो अपने मरीजों को हमेशा सर्वोपरि रखते हैं, हर दिन एक जीवन बचाने के लिए अथक परिश्रम करते हैं, स्वास्थ्य का उपहार देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं।

डॉ. राजेश सिंह
कंसल्टेंट, क्रिटिकल केयर विभाग।

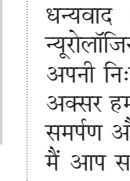

नेशनल डॉक्टर डे 2024 की थीम है 'हीलिंग हैंड्स, केयरिंग हार्ट्स' डॉ. अंजना कहती है 'जहाँ भी चिकित्सा की कला से प्रेम किया जाता है, वहाँ मानवता का भी प्रेम होता है।' चिकित्सक का कैरियर अत्यंत पुरस्कृत और संतोषजनक होता है। एक डॉक्टर को जाति और पंथ की परवाह किए बिना लोगों की सेवा और सहायता करने का अवसर मिलता है, जो भी हमारे पास पास आता है, हम पूरी उदारता, समर्पण और धैर्य के साथ रोगी का इलाज करते है।

डॉ. अंजना गांधी
कंसल्टेंट, जनरल सर्जरी विभाग।

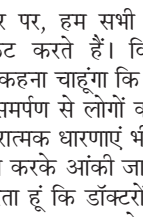

नेशनल डॉक्टर डे के इस विशेष अवसर पर, मैं अपने नेफ्रोलॉजी मरीजों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण को दोहराना चाहता हूँ। किडनी रोग से पीड़ित मरीजों के इलाज और देखभाल के प्रति हमारी टीम हमेशा तत्पर रहती है। हमारे नेफ्रोलॉजी विभाग में हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं कि हर मरीज को सर्वोत्तम देखभाल मिल सके। किडनी रोग से जूझ रहे मरीजों को उच्चतम मानकों के अनुसार चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का हमारा लक्ष्य है। हम यह समझते हैं कि किडनी रोग न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और भावनात्मक रूप से भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है और इसलिए हम अपने मरीजों की संपूर्ण देखभाल में विश्वास रखते हैं।

डॉ. पंकज मिश्र
कंसल्टेंट, नेफ्रोलॉजी विभाग।

सभी डॉक्टरों को नेशनल डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएं। सेवा, समर्पण और निष्ठा लिए जीवन है. अपने हृदय रोग मरीजों की देखभाल में कठिन परिश्रम और लगातार ध्यान देना ही हमारा मकसद है। हर दिन आप अपने ज्ञान, कौशल और दयालुता के माध्यम से अनगिनत जीवन को बेहतर बनाते हैं।

डॉ. रोहित कुमार, कंसल्टेंट, कार्डियोलॉजी विभाग।

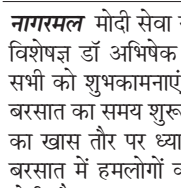

डॉक्टर्स डे पर सभी को शुभकामनाएं। हमें डॉक्टरों का सम्मान करना चाहिए। ये दिन-रात परिश्रम कर हमलोगों की सेवा करते हैं। प्रश्न पूछना चाहिए, लेकिन व्यर्थ की बहस नहीं करनी चाहिए।

- अनंत सिन्हा
निदेशक, देवकमल हॉस्पिटल, रांची।

सभी डॉक्टर्स को डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं।